CMYK

RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-10 अंक: 67 ता. 04 सितम्बर 2021, शनिवार कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो। 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

दुश्मन की हर चाल पर होगी नजर

भारत का पहला न्यूक्लियर मिसाइल ट्रैकिंग जहाज आईएनएस- ध्रुव 10 सितंबर को होगा लॉन्च

नई दिल्ली। भारत को जल्द ही एक ऐसा खतरनाक हथियार मिलने वाला है, जिसके बाद समंदर में चीन और पाकिस्तान की हर हिमाकत का पहले से अधिक ताकत के साथ इंडियन नेवी मुंहतोड़ जवाब देगी। दुश्मन की न्यूक्लियर मिसाइलों को ट्रैक करने वाला भारत का पहला जहाज आईएनएस ध्रुव 10 सितंबर को लॉन्च किया जाएगा। उम्मीद की जा रही है कि राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल 10 सितंबर को विशाखापत्तनम में सैटेलाइट और बैलिस्टिक मिसाइलों को ट्रैक करने वाले भारत के पहले जहाज आईएनएस ध्रुव को तैनात करेंगे। रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) और राष्ट्रीय तकनीकी अनुसंधान संगठन (एनटीआरओ) के सहयोग से हिंदुस्तान शिपयार्ड द्वारा निर्मित आईएनएस ध्रुव दुश्मन परमाणु मिसाइल को ट्रैक करने से लेकर दुश्मन के सैटेलाइट और आने वाली बैलेस्टिक मिसाइल का पता लगा लेने की क्षमता रखता है। यह माना जा रहा है कि आईएनएस ध्रुव के लॉन्च समारोह में नौसेना प्रमुख एडमिरल करमबीर सिंह और एनटीआरओ के अध्यक्ष अनिल दासमाना डीआरडीओ और नौसेना के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मौजूद रहेंगे। परमाणु मिसाइल ट्रैकिंग जहाज को भारतीय नौसेना के कर्मियों द्वारा सामरिक बल कमान (एसएफसी) के साथ संचालित किया जाएगा। बता दें कि अब तक ऐसे जहाजों का संचालन केवल फ्रांस, अमेरिका, ब्रिटेन, रूस और चीन द्वारा किया जाता है। 10,000 टन का यह खतरनाक जहाज भारत की भविष्य की एंटी-बैलिस्टिक मिसाइल क्षमता के केंद्र में होगा, क्योंकि यह भारतीय शहरों और सैन्य प्रतिष्ठानों की ओर आने वाली दुश्मन की मिसाइलों के लिए एक प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली के रूप में कार्य करेगा और यह उस हमले को फेल करने की भी क्षमता रखता है। इतना ही नहीं, यह जहाज हिंद महासागर में भारत के समुद्री रक्षा घेरे को मजबूत करेगा और दुश्मनों से अलर्ट रखेगा। सबसे खास बात यह है कि यह ऐसे समय में चालू किया जा रहा है जब पूरी दुनिया में पानी के नीचे सशस्त्र और निगरानी ड्रोन का युग शुरू हो गया है। चीन और पाकिस्तान दोनों के पास परमाणु बैलिस्टिक मिसाइल क्षमता और भारत के साथ सीमा विवाद होने की वजह से आईएनएस ध्रूव की महत्ता और बढ़ जाती है। चीन और पाकिस्तान के साथ तनाव के बीच आईएनएस ध्रुव भारत की समुद्री सुरक्षा घेरा के लिए एक ताकत के रूप में कार्य करेगा और साथ ही जब वे उनका परीक्षण करेंगे तो विरोधी की बैलेस्टिक मिसाइल क्षमता को समझने की क्षमता में वृद्धि करेगा। आईएनएस ध्रुव डीआरडीओ द्वारा विकसित अत्याधुनिक सक्रिय स्कैन एरे रडार या एईएसए से लैस है, जिसे आज की दुनिया में काफी उन्नत और गेमचेंजर माना जाता है।

संक्षिप्त खबरें

जेवर एयरपोर्ट के शिलान्यास की तैयारियां तेज

नोएडा। इंटरनेशनल एयरपोर्ट जेवर का शिलान्यास बहुत जल्द होने वाला है। शासन स्तर पर इसकी तैयारी चल रही है। दो-चार दिन में शिलान्यास की तिथि घोषित की जा सकती है। जेवर एयरपोर्ट की साइट पर शिलापट लगाने के लिए स्थान तय कर लिया गया है। ऐसी जगह यह स्थान तय किया गया है ताकि उसे दोबारा शिफ्ट ना करना पड़े। इसकी आधारशिला रखने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आएंगे। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट जेवर की विकासकर्ता कंपनी यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड (वाईआईपीएल) ने अपना कामकाज शुरू कर दिया है। एयरपोर्ट की साइट पर समतलीकरण का काम शुरू हो चुका है। नक्शा मिलान किया जा रहा है। इसके बाद चारदीवारी का निर्माण शुरू होगा। विकासकर्ता कंपनी ने निर्माण के लिए एजेंसियों का चयन किया है। उन्होंने काम शुरू कर दिया। जेवर एयरपोर्ट के शिलान्यास को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। शासन स्तर पर इसकी कवायद चल रही है। अगले दो-चार दिन में शिलान्यास की तिथि तय हो जाएगी। बहुत संभव है कि 17 सितंबर से पहले एयरपोर्ट की आधारशिला रखी जाए। इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आएंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इस परियोजना की निगरानी कर रहे हैं। शिलान्यास वाले दिन यहां पर बड़ा कार्यक्रम होगा। जेवर एयरपोर्ट की साइट पर शिलापट लगाने का स्थान तय कर दिया गया है। शिलापट उस स्थान पर लगाया जाएगा ताकि उसे दोबारा शिफ्ट में ना करना पड़े। मास्टर प्लान को देखते हुए इसकी जगह तय की गई है।

मुल्ला अब्दुल गनी बरादर होंगे तालिबान की सरकार के मुखिया

मुल्ला उमर का बेटा भी होगा तालिबान सरकार में शामिल

नई दिल्ली। अफगानिस्तान पर कब्जा जमाने के करीब 20 दिन बाद तालिबान अब सरकार बनाने की तैयारी में है। इस सरकार की लीडरशिप तालिबान के सह-संस्थापक मुल्ला अब्दुल गनी बरादर के हाथों में होगी। इसके अलावा तालिबान के मुखिया अखुंदजादा को संरक्षक या सुप्रीम लीडर जैसा कोई पद मिल सकता है।

मुल्ला बरादर तालिबान के कतर स्थित राजनीतिक कार्यालय के प्रमुख रह चुके हैं। रॉयटर्स की रिपोर्ट की मानें तो तालिबान के संस्थापक मुल्ला उमर के बेटे मुल्ला मोहम्मद याकूब और शेर मोहम्मद अब्बाद स्तेनकजई तालिबान सरकार में वरिष्ठ पद संभालेंगे। तालिबान के एक अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर रॉयटर्स को बताया, 'सभी शीर्ष नेता काबुल पहुंच गए हैं, जहां नई सरकार की घोषणा करने की तैयारी अंतिम चरण में है।' एक अन्य तालिबान सूत्र ने कहा कि तालिबान के सर्वोच्च धार्मिक नेता हैबतुल्लाह अखुनजादा इस्लामी नियमों के तहत शासन और धार्मिक मामलों पर ध्यान केंद्रित करेंगे। मुल्ला गनी बरादर को अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआईए और पाकिस्तान ने साल 2010 में एक ऑपरेशन में गिरफ्तार किया था। इसके बाद बरादर 8 साल तक पाकिस्तान की जेल में रहे। 2018 में अमेरिकी दबाव के बाद पाकिस्तान ने उसे रिहा कर दिया। फिर बरादर को कतर स्थानांतरित कर दिया गया जहां बरादर दोहा में तालिबान के राजनीतिक कार्यालय के प्रमुख नियुक्त किए गए। यहां उन्होंने उस समझौते पर हस्ताक्षर किए जिसके कारण अमेरिकी सेना को अपने 20 साल के अभियान को वापस लेने का समझौता करना पड़ा।

घरेलू हिंसा मामला: सिंगर यो-यो हनी सिंह हुए कोर्ट में पेश

नई दिल्ली। बॉलीवुड के जाने-माने सिंगर यो-यो हनी सिंह आज दिल्ली के तीस हजारी कोर्ट में पेश हुए। मालूम हो कि उनकी पत्नी ने उन पर घरेलू हिंसा का संगीन आरोप लगाया है जिसकी सुनवाई दिल्ली की अदालत में चल रही है और पिछली सुनवाई में बीमार होने के चलते वह अदालत में पेशे नहीं हो सके थे। खबर है कि तीस हजारी कोर्ट की जज, हनी सिंह और उनकी पत्नी की अपने चेंबर में काउंसलिंग कर रही हैं। वह दोनों से बात कर उनके बीच के विवाद को समझने और सुलझाने की कोशिश कर रही हैं। उनके वकील ने अदालत को आश्वासन दिलाया था कि हनी सिंह की तबीयत ठीक नहीं है जिसके चलते वह अगली सुनवाई में जरूर पेश होंगे। इस पर अदालत ने हनी सिंह की मेडिकल व इनकम टैक्स रिपोर्ट मांगी थी। अदालत ने स्पष्ट किया कि कोई भी कानून से ऊपर नहीं है। अदालत ने हनी सिंह को 3 सितंबर को व्यक्तिगत रूप से पेश होने का निर्देश दिया। वहीं हनी सिंह की पत्नी शालिनी सुनवाई के दौरान भावुक हो गईं व उनकी आंखों से आंसू आने लगे। हनी सिंह की पत्नी शालिनी तलवार द्वारा दायर घरेलू हिंसा के मामले की सुनवाई मैट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट तानिया सिंह कर रही हैं। सुनवाई के दौरान हनी सिंह अदालत में पेश नहीं हुए और उनके वकील ने चिकित्सा आधार पर हनी सिंह की व्यक्तिगत उपस्थिति से छूट मांगी थी।

अलग अंदाज में दिखे राजनाथ सिंह, भोजपुरी में दिया भाषण

खुद को गुजरात का बेटा बताते हुए कहा- मेरी मां का नाम गुजराती देवी

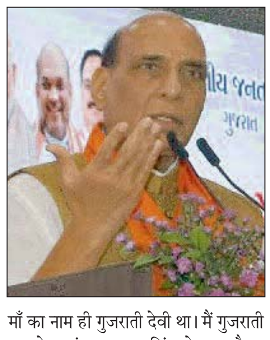

नई दिल्ली। केंद्रीय रक्षा मंत्री और बीजेपी के वरिष्ठ नेता राजनाथ सिंह गुजरात दौरे पर पहुंचे। जहां उनका अलग ही अंदाज देखने को मिला। राजनाथ सिंह ने भोजपुरी में भाषण दिया वहीं खुद को गुजरात का बेटा भी बताया। जहां उन्होंने विपक्षी दलों को निशाने पर लेते हुए कहा कि कांग्रेस और राहुल गांधी ने अनावश्यक राफेल का मुद्दा बनाया। नतीजा क्या हुआ? राफेल फ्रांस में तैयार हो गए। राफेल भारत में लैंड भी कर गए मगर राहुल जी अभी भी टेक ऑफ नही कर पाए है। राजनाथ सिंह ने कहा कि बीजेपी लोगों के स्वाभिमान का पूरा ख्याल रखती है। कांग्रेस के समय में पाकिस्तान की गोलीबारी के सामने सफेद झंडा दिखाया जाता था। अब भारतीय फौज रोज 2-3 आतंकवादी को मार रही है। सिंह ने कहा कि आज गुजरात के बेटे ने देश का नाम दुनिया में ऊंचा किया। उन्होंने कहा कि जिस मां की कोख से में पैदा हुआ हु उस माँ का नाम ही गुजराती देवी था। मैं गुजराती का बेटा हूं। राजनाथ सिंह ने इस दौरान भोजपुरी में भी भाषण दिया। भाजपा नेता ने कहा कि हम जो वादा करते हैं, उसे हमेशा निभाते हैं। ये बस चुनावी नारे नहीं होते... यह हमारी सांस्कृतिक प्रतिबद्धता है। अब कोई भी शक्ति भव्य राममंदिर का निर्माण नहीं रोक सकती है। ढांचा ढहने के बाद हमने अपनी तीन सरकारें कुर्बान कर दी थी। केंद्र ने हमारी तीन सरकारों को बर्खास्त कर दिया था लेकिन हमने कभी अपनी प्रतिबद्धता एवं आंदोलन में कोई ढील नहीं आने दी।

यूपी: डेंगू-वायरल से अब तक 100 से ज्यादा मरीजों ने दम तोड़ा

केवल फिरोजाबाद में ही 75 की मौत

लखनऊ। पूरे प्रदेश में डेंगू व वायरल बुखार का कहर बढ़ता जा रहा है। केवल फिरोजाबाद में अब तक 75 लोगों की जान जा चुकी है। मथुरा में 17, मैनपुरी में तीन, कासगंज में दो लोगे डेंगू और वायरल का शिकार हो चुके हैं। वहीं गोंडा में प्रतिदिन तीन हजार से ज्यादा मरीज संदिग्ध बुखार से पीड़ित अस्पतालों में पहुंच रहे हैं। वहीं कानपुर में वायरल बुखार के कारण सात दिन में 10 लोगों की मौत हो गई। बृहस्पतिवार को चार मासूम समेत 14 लोगों की मौत हो गई। इनमें फिरोजाबाद में 11, मैनपुरी दो और मथुरा में एक मरीज शामिल हैं। वहीं, फिरोजाबाद में मृतकों का आंकड़ा 75 पहुंच गया है। उधर डीएम चंद्रविजय सिंह ने लापरवाही बरतने पर पीएचसी सैलई के प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ. गिरीश श्रीवास्तव, प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ. सौरभ प्रकाश और पब्लिक हेल्थ एक्सपर्ट डॉ. रुचि यादव को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने के निर्देश दिए। मोहल्ला ओझा नगर गली नंबर चार निवासी छह माह की मनु पुत्री मनोज कुमार ने बृहस्पतिवार को दम तोड़ दिया। ओम नगर निवासी हर्ष (9) पुत्र पप्पू कुशवाहा की जयपुर ले जाते समय मौत हो गई। न्यू आंबेडकर नगर की मनीषा (25) पत्नी नीरज की भी आगरा के निजी अस्पताल में मौत हो गई, जबकि बेटी अंजलि जिंदगी से संघर्ष कर रही है। आनंद नगर ककरऊ निवासी शुभम (12) पुत्र प्रवेश और हिमांयूपुर पथवारी माता मंदिर वाली गली के मानव (10) पुत्र कुलदीप की भी आगरा में इलाज के दौरान मौत हो गई। वहीं परशुराम कॉलोनी के चंद्रभान के डेढ़ माह के बालक ने दम तोड़ दिया। करबला गली नंबर छह के डेढ़ माह के ऋषभ पुत्र गुड्डू की भी मौत हो गई। आजाद नगर के कन्हैयालाल (25) सूबेदार की घर पर मौत हुई। मक्खपुर के नगला मवासी में मुस्कान (12) पुत्री बाबी और नगला अमान की कामना (17) पुत्री धर्मेंद्र की भी मौत हो गई। सरस्वती नगर की नैन्सी (5) ने भी दम तोड़ दिया। उधर, मैनपुरी के बिछवां के गांव लेखपुर निवासी अतर सिंह की पत्नी सरला (70) और रठेरा के रामसिंह की पत्नी संजीवन (63)की मौत हो गई। वहीं, मथुरा में कोह निवासी राजा (12) पुत्र हरिश्चंद्र की मौत हो गई। भड़के ग्रामीणों ने सीएमओ का घेराव किया। कानपुर में बीमारियां फिर से कहर बरपाने लगी हैं। डेंगू और वायरल फीवर से सात दिन में 10 लोगों की मौत हो गई। इनमें से पांच रोगियों की बीते 24 घंटे में जान गई है। इनमें दो बच्चे शामिल हैं। कल्याणपुर के कुरसौली गांव में बुधवार को बुखार से दूसरी रोगी की भी मौत हो गई। इस गांव में पहले एक किशोरी की बुखार से जान जा चुकी है। तेज बुखार के साथ प्लेटलेट्स गिरकर 30 हजार आने और सांस तंत्र फेल होने जैसे लक्षणों को स्वास्थ्य अधिकारी विचित्र बुखार कह रहे हैं। दरअसल यह स्क्रब टाइफस बीमारी है।

यूपी: एक लाख के इनामी हरीश को एसटीएफ ने किया ढेर

बलिया। यूपी के बलिया में एसटीएफ ने एक लाख के इनामी बदमाश हरीश पासवान को मुठभेड़ में मार गिराया है। हरीश सात जुलाई को हुई पूर्व जिला पंचायत सदस्य जलेश्वर सिंह की हत्या सहित कई संगीन मामलों में आरोपी था। पुलिस को काफी समय से उसकी तलाश थी। मूल रूप से बलिया के हल्दी थाना क्षेत्र के बाबूबेल निवासी हरीश पासवान लम्बे समय से अपराध की दुनिया में सक्रिय था। पुलिस के मुताबिक हरीश पासवान अंतरराज्यीय बदमाश है। उसके खिलाफ बलिया के अलावा झारखंड और छत्तीसगढ़ में भी कई मुकदमे दर्ज हैं। कुल करीब 35 मुकदमे दर्ज हैं। इनमें से कम से कम छह मुकदमे हत्या के हैं। बताया जा रहा है कि हरीश के खिलाफ पहला मुकदमा 2004 में दर्ज किया गया था। वह मुकदमा लूट का था। आरोप है कि सात जुलाई को हरीश ने अपने साथियों के साथ मिलकर नगर पंचायत बैरिया पश्चिम टोला के रहने वाले जलेश्वर सिंह उर्फ बलवीर सिंह की हत्या कर दी थी। हरीश तभी से फरार चल रहा था। अपराधी हरीश पासवान के खिलाफ कल रात में ही एक लाख रुपए का इनाम घोषित हुआ था। पहले उस पर 50 हजार रुपए का इनाम था जिसे बढ़ाकर वाराणसी के एडीजी ने एक लाख रुपए कर दिया था।

दिल्ली विधानसभा में मिली ब्रिटिश काल की गुप्त सुरंग, लाल किले की ओर जाता है रास्ता

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में गुरुवार को एक गुप्त सुरंग जैसी संरचना मिली। एएनआई से बात करते हुए, दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष राम निवास गोयल ने कहा कि यह सुरंग विधानसभा को लाल किले से जोड़ती है और स्वतंत्रता सेनानियों को शिफ्ट करते समय अंग्रेजों द्वारा जनाक्रोश से बचने के लिए इसका इस्तेमाल किया जाता था। उन्होंने कहा कि जब मैं 1993 में विधायक बना तो यहां मौजूद एक सुरंग के बारे में अफवाह उड़ी जो लाल किले तक जाती है और मैंने इसके इतिहास की खोज करने की कोशिश की, लेकिन इस पर कोई स्पष्टता नहीं थी। गोयल ने कहा कि अब हमें सुरंग का मुंह मिल गया है, लेकिन हम इसे आगे नहीं खोद रहे हैं क्योंकि मेट्रो परियोजनाओं और सीवर स्थापना के कारण सुरंग के सभी रास्ते नष्ट हो गए हैं। उन्होंने आगे बताया कि दिल्ली विधानसभा जिसे 1912 में केंद्रीय विधानसभा के रूप में इस्तेमाल किया जाता था, उसे राजधानी को कोलकाता से दिल्ली शिफ्ट करने के बाद 1926 में एक अदालत में बदल दिया गया था और अंग्रेजों द्वारा स्वतंत्रता सेनानियों को अदालत में लाने के लिए इस सुरंग का इस्तेमाल किया था। उन्होंने कहा कि हम सभी यहां पर फांसी का कमरा होने के बारे में जानते थे, लेकिन इसे कभी खोला नहीं गया। अब आजादी का 75 वां साल है और मैंने उस कमरे का निरीक्षण करने का फैसला किया। हम उस कमरे को स्वतंत्रता सेनानियों के मंदिर के रूप में बदलना चाहते हैं। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि देश की आजादी से जुड़े दिल्ली विधानसभा के इतिहास को देखते हुए उनका इरादा अगले स्वतंत्रता दिवस तक पर्यटकों के लिए फांसी का कमरा खोलने का है और इसके लिए काम शुरू हो चुका है।

सरकारी खजाने के नुकसान से पीएम परेशान, मंत्रालयों से मांगी अदालतों व एनजीटी के कारण अटकी पड़ी परियोजनाओं की सूची

नई दिल्ली। परियोजनाओं का तय समयसीमा में पूरा नहीं होना अपने आप में गंभीर है। इस बात को लेकर देश के प्रधानमंत्री भी चिंतित हैं और इसके लिए बड़े एक्शन प्लान की रूपरेखा तय की है। 25 अगस्त 2021 को पीएम के निर्देश पर समीक्षा बैठक बुलाई गई। जिसमें पीएम मोदी ने विभिन्न अदालतों और नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) के आदेशों की वजह से विलंबित बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की सूची मांगी है। कैबिनेट सचिव राजीव गौबा संबंधित मंत्रालयों के साथ होने वाले इस व्यापक चचाओं का नेतृत्व करेंगे। चार मंत्रालयों को कैबिनेट सचिव की निगरानी में अभ्यास में सहयोग करने करने के लिए कहा गया है। इसके साथ ही परियोजनाओं में देरी की वजह से हो रहे सरकारी खजाने के नुकासान की सूची बी तैयार करने को कहा गया है। हालांकि यह अभी तक स्पष्ट नहीं है कि अभ्यास पूरा होने के बाद सरकार क्या करने की योजना बना रही है। लेकिन एक बात तो साफ है कि पीएम द्वारा शीर्ष-स्तरीय हस्तक्षेप और साथ में कानून मंत्रालय की भागीदारी से इस बात के संकेत मिलते हैं बुनियादी ढांचे को पूरा करने में उत्पन्न होने वाली बाधाओं को दूर करने में सहायता मिलेगी। न्यूज 18 की रिपोर्ट में बताया गया है कि पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन, रेलवे और सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालयों को कानून और न्याय मंत्रालय के परामर्श से भूमि अधिग्रहण, वन या अन्य मंजूरी आदि से संबंधित माननीय न्यायालयों, एनजीटी आदि के निर्णयों की पहचान करनी चाहिए। जिनके कारण बुनियादी ढांचागत परियोजनाओं में देरी हो रही है। पीएम की बैठक में आगे इस बात पर भी जोर दिया गया है कि कैबिनेट सचिव को इस तरह की कवायद की निगरानी करनी चाहिए। इस तरह के अदालती फैसलों और आदेशों के कारण विलंबित परियोजनाओं की सूची, जिसमें राजकोष को हुए नुकसान भी शामिल है, कैबिनेट सचिव द्वारा तैयार और संकलित की जा सकती है। 25 अगस्त को पीएम को प्रतिष्ठित वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर परियोजना में देरी के बारे में बताया गया था, और उन्होंने परियोजना को पूरा करने के लिए महाराष्ट्र और गुजरात सरकारों के लिए लक्ष्य निर्धारित किए गए थे। देरी होने की वजह से पीएम नाराज थे और उन्होंने 25 अगस्त को सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय को 15 सितंबर, 2021 तक दिल्ली के शहरी विस्तार मार्ग पर काम शुरू करने के लिए भी कहा।

CMYK

सार समाचार

दिल्ली में कोरोना वायरस के 35 नए मामले, कोई मौत नहीं

नयी दिल्ली। दिल्ली में शुक्रवार को कोरोना वायरस के 35 नए मरीज मिले और संक्रमण दर 0.05 फीसदी दर्ज की गई। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, शहर में किसी भी संक्रमित की मौत नहीं हुई है। कोरोना वायरस की दूसरी लहर की शुरुआत के बाद से यह 22वां मौका है जब राष्ट्रीय राजधानी में एक दिन में कोविड-19 महामारी से किसी की मौत नहीं हुई। दिल्ली में महामारी की दूसरी लहर अप्रैल-मई में अपने चरम पर थी। अधिकारियों के मुताबिक, बृहस्पतिवार को दिल्ली में 39 नए मामले आए थे और संक्रमण दर 0.06 फीसदी थी। इससे पहले बुधवार को 36 और मंगलवार को 28 नए मामले आए थे।

केरल में कोरोना के कहर पर SC सख्त, 11वीं की परीक्षा पर लगाई रोक, अगली सुनवाई 13 सितंबर को

नई दिल्ली। केरल में कोरोना वायरस के नए मामलों की रफ्तार कम होने का नाम नहीं ले रही है। लगातार कोरोना संक्रमण के नए मामलों की संख्या 30000 के पार है। इन सबके बीच केरल में कोरोना के मामलों में बढ़ोतरी के बीच सुप्रीम कोर्ट ने 6 सितंबर से होने वाले 11वीं की फिजिकल परीक्षा पर अंतरिम रोक लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट की यह रोक केरल सरकार के फैसले पर है। इस मामले की अगली सुनवाई 13 सितंबर को होगी। अपने फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि जब राज्य में हर दिन औसतन 35 हजार के करीब में मामले आ रहे हैं। ऐसे में बच्चों को संक्रमित होने के लिए नहीं छोड़ा जा सकता। आपको बता दें कि केरल में बृहस्पतिवार को कोविड-19 के 32,097 नये मामले सामने आने के साथ ही कोरोना वायरस संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर च41,22,133 हो गयी जबकि 188 और मरीजों की मौत के बाद मृतकों की तादाद 21,149 पर पहुंच गयी। राज्य के स्वास्थ्य विभाग ने एक विज्ञप्ति में यह जानकारी दी। केरल में बीते 24 घंटे के दौरान 1,74,307 नमूनों की कोविड-19 जांच होने के साथ संक्रमण की दर18.41 प्रतिशत हो गयी है। राज्य में अब तक 3,19,01,842 नमूनों की कोविड-19 जांच हो चुकी है।

पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष पद की नियुक्ति को लेकर कांग्रेस बीजेपी हुई आमने - सामने

भोपाल। मध्य प्रदेश कांग्रेस ने पिछड़ा वर्ग आयोग की नीति पर सवाल उठाए हैं। कांग्रेस ने नवनियुक्त गौरीशंकर बिसेन की नियुक्ति को असंवैधानिक बताया है। कांग्रेस नेता केके मिश्रा ने कहा कि कमलनाथ सरकार में ही ओबीसी आयोग का गठन किया गया था। मुख्यमंत्री रहते कमलनाथ ने जेपी धनोपियो को अध्यक्ष बनाया था। और हाईकोर्ट से जेपी धनोपिया को स्टे मिला हुआ है। आपको बता दें कि कि के के मिश्रा ने कहा कि वर्तमान मे जेपी धनोपिया ही पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष है। एक अध्यक्ष के रहते दूसरा अध्यक्ष नियुक्त करना असंवैधानिक है। सरकार का फैसला कोर्ट की अवमानना है। वहीं इस बयान के बाद बीजेपी ने पलटवार करते हुए कहा कि धनोपिया अध्यक्ष होते तो अध्यक्ष का काम कर रहे होते। बीजेपी प्रदेश महामंत्री भगवानदास सबनानी ने कहा कि कमलनाथ सरकार ने अल्पमत में नियुक्ति की थी। धनोपिया अब आयोग के अध्यक्ष नहीं थे। वह कांग्रेस के प्रवक्ता के नाते काम कर रहे हैं। और इसी कारण अब आयोग के अध्यक्ष गौरीशंकर बिसेन को बनाया गया है।

कर्नाटक में 19 वर्षीय एक युवक ने एक ही दिन में करवा लिया दो बार वैक्सीनेशन!

मेंगलुरू। कर्नाटक के दक्षिण कन्नड़ जिले में सुलिया तालुक के एक स्कूल में भीड़भाड़ वाले टीकाकरण केंद्र पर 19 वर्षीय एक युवक को कुछ ही मिनट के अंतराल पर कोविशील्ड की दो खुराकें लगा दी गईं। सुलिया तालुक के स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बी. नंदकुमार ने कहा कि केंद्र पर युवक को तीन घंटे तक निगरानी में रखा गया और फिर घर भेज दिया गया। स्वास्थ्य अधिकारी बुधवार से ही उसके घर पर उस युवक पर नजर रखे हुए हैं और बृहस्पतिवार तक उस पर टीके का कोई विपरीत असर नहीं देखा गया। तालुक में कोटेलू का रहने वाला श्रमिक के. बी. अरूण बुधवार को सुलिया तालुक में दुग्गलकडा उच्च विद्यालय में टीकाकरण केंद्र पर गया था जहां एक स्वास्थ्य सहायक ने उसे टीका लगा दिया। वह एक कमरे में प्रतीक्षा कर रहा था तभी उसी कर्मचारी ने उसे टीके की दूसरी खुराक लगा दी। डॉ. नंदकुमार ने बताया कि भ्रम इसलिए हो गया कि टीका लगवाने के बाद युवक वहां से नहीं गया। उसे लगा कि यात्रा के लिए टीके की दो खुराक लगवाना जरूरी है। नर्स भी मास्क लगाए युवक को नहीं पहचान पाई।

केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय मौद्रिकरण पाइपलाइन के तहत ग्रेट इंडिया सेल लगा दी

शिमला । कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता रागिनी नायक ने राजीव भवन शिमला में कहा कि केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय मौद्रिकरण पाइपलाइन (एनएमपी) के तहत ग्रेट इंडिया सेल लगा दी है। अगले 50 वर्ष तक देश की संपत्ति निजी हाथों में जाने वाली है। उन्होंने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार ने सात साल में देश में कोई राष्ट्रीय संपत्ति नहीं बनाई। उलटे कांग्रेस द्वारा 70 साल में खड़े किए गए सार्वजनिक उपक्रमों और अन्य राष्ट्रीय संपत्तियों को मौजूदा सरकार बेचने पर तुली है। इसके जरिए मोदी सरकार अपने चंद चहेते उद्योगपतियों को लाभ देने में लगी है। उन्होंने कहा कि अगले 50 वर्ष के लिए देश की संपत्ति चुनिंदा कंपनियों के हाथों में जाने वाली है। उन्होंने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार देश की जनता की गाढ़ी कमाई को निजी हाथों में सौंपने का काम कर रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जो कहते हैं, करते उससे उलट हैं। चुनावों में कहा था कि वे देश नहीं बिकने देंगे, लेकिन अब देश की संपत्तियों को बेचा जा रहा है।

पूजा पंडाल में दिखेगी सीएम ममता बनर्जी की प्रतिमा? बढ़ा विवाद

कोलकाता। (एजेंसी)।

पश्चिम बंगाल में दुर्गा पूजा के एक आयोजक द्वारा अपने पंडाल में दुर्गा मां के साथ ही मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की प्रतिमा लगाने का फैसला करने पर विवाद खड़ा हो गया है। विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी ने इस पर नाराजगी जताते हुए इस कदम को ''घृणास्पद'' और राज्य के हिंदुओं की भावनाओं को आहत करने वाला बताया है। प्रसिद्ध मूर्तिकार मिंटू पाल अपने कुमारतुली स्टूडियो में फाइबरग्लास की मूर्ति बना रहे हैं, जिसमें ''देवी'' को तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो की पसंदीदा सफेद रंग की तांत की साड़ी पहनायी गयी है और साथ ही उनकी पहचान बन चुकी फ्लिप-फ्लॉप चप्पल पहनायी गयी है।

पाल ने शुक्रवार को कहा, ''मैंने माननीय मुख्यमंत्री की तस्वीरों और वीडियो को देखा। मूर्ति का चेहरा बनाते हुए यह देखा कि वह किस तरीके से चलती, बोलती और लोगों से बातचीत करती हैं।'' उन्होंने बताया कि देवी के 10 हाथों में हथियारों के बजाय कन्याश्री, स्वास्थ्य साथी, रूपाश्री, सबुजसाथी और लक्ष्मी भंडार जैसी परियोजनाएं दिखायी जाएंगी। उन्होंने बताया कि आयोजक उनकी सरकार द्वारा शुरू की गयी कई विकास परियोजनाओं के बारे में लोगों को बताना चाहते हैं, जिनकी वैश्विक रूप से सराहना की गयी है। बहरहाल, भाजपा ने इस पर नाराजगी जतायी है।

पार्टी के आईटी विभाग के प्रमुख अमित मालवीय ने ट्वीट किया, ''बंगाल में चुनाव के बाद जघन्य हिंसा के बाद ममता बनर्जी को देवी सदृश्य दिखाना घृणा पैदा करने वाला है क्योंकि उनके हाथ निर्दोष बंगालियों के खून से सने हैं। यह देवी दुर्गा का अपमान है। ममता बनर्जी को इसे रोकना चाहिए। वह बंगाल के हिंदुओं की भावनाओं को आहत कर रही हैं।'' नंदीग्राम से भाजपा विधायक शुभेंदु अधिकारी ने कहा, ''जब कोई केवल आपको खुश करने के लिए आपको भगवान के समान बताने की कोशिश करता है और आपकी चुप्पी सहमति का इशारा करती है तो इसका मतलब है कि आपका अहंकार ऐसे स्तर तक पहुंच गया है, जहां विवेक इसकी जवाबदेही नहीं ठहरा सकता।'' शहर के उत्तरी हिस्से में स्थित केश्टोपुर की उन्नयन समिति क्लब द्वारा पूजा के एक आयोजक ने कहा, ''पूरे पंडाल की थीम लक्ष्मी भंडार की होगी।'' लक्ष्मी भंडार सरकार की एक आय सहायता योजना है, जिसके तहत किसी घर की महिला मुखिया को प्रति महीने 500-1000 रुपये की सहायता राशि दी जाएगी।

दीनदयाल जयंती पर हर ब्लॉक में लगेगा गरीब कल्याण मेला: मुख्यमंत्री

लखनऊ (एजेंसी)।

अंत्योदय के प्रणेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयन्ती इस बार वंचित तबके के लिए खास होगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस बार दीनदयाल जयंती (25 सितंबर) पर प्रदेश के सभी 826 विकासखंडों में गरीब कल्याण मेला आयोजित करने के निर्देश दिए हैं। प्रधानमंत्री/मुख्यमंत्री आवास योजना का लाभ लेना हो, स्वास्थ्य की जांच करानी हो अथवा अब तक आयुष्मान कार्ड न बना हो, वृद्धावस्था और निराश्रित पेंशन जैसी सुविधाओं की पात्रता होने के बाद भी अब तक इनका लाभ न मिला हो अथवा रोजगार-स्वरोजगार के लिए बैंकों की ऋण की आवश्यकता, सब एक ही समय, एक ही जगह, एक ही पंडाल में इन सभी जरूरतों का हल मिल सकेगा। शुक्रवार को उच्चस्तरीय बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि 25 सितंबर को दीनदयाल जी की जयंती प्रदेश में भव्य रूप से मनाई जाएगी। दीनदयाल जी ने हमें अंत्योदय की राह दिखाई है। ऐसे में उनकी जयंती समाज के अंतिम पायदान पर मौजूद वंचित तबके को समर्पित होनी, उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि होगी। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि 25 सितंबर को सभी 826 विकासखंडों में गरीब कल्याण मेला लगाए जाएं। इसके तहत, आरोग्य मेलों का आयोजन होगा, जहां लोगों की स्वास्थ्य जांच के साथ-साथ आयुष्मान कार्ड से वंचित लोगों को मुफ्त इलाज की इस सुविधा से जोड़ा जाए। यही नहीं, प्रधानमंत्री/मुख्यमंत्री आवास योजना, वृद्धावस्था और निराश्रित पेंशन योजना, बाल सेवा योजना आदि कल्याणकारी योजनाओं स्व वंचित पात्र लोगों को तत्काल इनका लाभ दिलाया जाए। गरीब कल्याण मेले में कृषि विभाग और ओडीओपी की प्रदर्शनी भी लगेगी तो पीएम स्वनिधि और एमएसएमई स्थापना सहित रोजगार-स्वरोजगार की विभिन्न योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए बैंकों के प्रतिनिधि भी मौजूद होंगे। सीएम के निर्देशानुसार गरीब कल्याण मेले में स्थानीय सांसद और विधायक सहित सभी जनप्रतिनिधियों की विशिष्ट उपस्थिति होगी। मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद दीनदयाल जयंती पर इस विशेष आयोजन के लिए तैयारियां शुरू कर दी गई हैं।

चिदंबरम के बयान पर नक़वी का पलटवार, कहा- इनके पास न तर्क है न तथ्य

जयपुर। (एजेंसी)।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व वित्त मंत्री पी चिदंबरम ने आज राष्ट्रीय मुद्रीकरण पाइपलाइन को लेकर केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा। इसी को लेकर अब केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने चिदंबरम पर पलटवार किया है।

न्यूज़ एजेंसी एएनआई के मुताबिक नकवी ने कहा कि कंट्री सेहत के वैक्सीनेशन का रिकॉर्ड बना रही है, कांग्रेस सियासी फ्रस्टेशन का रिकॉर्ड बना रही है। इनके पास न तर्क है न तथ्य। ये समझें कि सियासत सामंती जमींदारी नहीं बल्कि सियासी भागीदारी का नाम है।

आपको बता दें कि मोदी सरकार पर हमला करते हुए चिदंबरम ने कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार को अपने इस कदम के उद्देश्यों तथा चार साल की अवधि के दौरान छह लाख करोड़ रुपये का राजस्व एकत्र करने के मुख्य लक्ष्य के बारे देश को बताना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि जिन संपत्तियों की पहचान एनएमपी के तहत की गई है, उनसे मौजूदा समय में भी कोई न कोई राजस्व जरूर मिल रहा होगा।

श्री गुरु तेग बहादुर की विचारधारा का प्रचार करें: पंजाब के मुख्यमंत्री

चंडीगढ़ (एजेंसी)।

पंजाब के मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह ने शुक्रवार को सिखों के नौवें गुरु, श्री गुरु तेग बहादुर साहिब की विचारधारा को दुनिया भर में प्रचारित करने की जरूरत पर जोर दिया, ताकि शांति, सद्भाव, धर्मनिरपेक्षता और सह-अस्तित्व के मूल्यों को बढ़ावा दिया जा सके, जिसे उन्होंने अपने सर्वोच्च बलिदान से कायम रखा था।

गुरु तेग बहादुर के 400वें प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में विधानसभा के विशेष सत्र में अपने संबोधन में उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सिख धर्म को हमारे महान गुरुओं द्वारा हमें दिए गए सिद्धांतों और धार्मिकता को बनाए रखने के लिए शहादत की परंपरा से अलग किया जाता है। यह देखते हुए कि गुरु तेग बहादुर का जीवन और संदेश हम पंजाबियत के रूप में सम्मान करने के लिए आए हैं उसका सार है। अमरिंदर सिंह ने कहा कि इसमें हमारी सांझी तहजीब, हमारी मा-बोली पंजाबी, लोग, धर्म, जाति और समुदाय, हमारे मित्रता और भाईचारे के करीबी संबंध शामिल हैं।

उन्होंने कहा, जब हम पंजाब और पंजाबियों की बात करते हैं, तो पंजाबियत का पालन करना चाहिए। महान गुरु के जीवन और शिक्षाओं में सन्निहित इस पंजाबियत को ध्यान से समझने, सराहना करने और पोषित करने की जरूरत है। दुनिया के सभी कोनों में जहां उन्होंने कड़ी मेहनत, उद्यम और बलिदान के माध्यम से अपने लिए एक विशेष स्थान बनाया है। उन्होंने यह भी कहा कि नौवें गुरु के 400 वें प्रकाश पर्व को हमें अपनी प्रतिज्ञा को नवीनीकृत करने और लोगों को उनके सही नेताओं और प्रतिनिधियों के रूप में सही रास्ता दिखाने में मदद करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इतिहास गुरु तेग बहादुर को जबरन धर्मांतरण का विरोध करने और धार्मिक स्वतंत्रता की रक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान देने के लिए हिंद दी चादर के रूप में बड़े गर्व के साथ याद करता है। नौवें गुरु ने नवंबर 1675 में अपने सहयोगियों भाई मति दास, भाई सती दास और भाई दयाल दास के साथ शहादत प्राप्त की, जिन्हें मुगल सम्राट औरंगजेब के शासनकाल में कश्मीर के हिंदुओं की धार्मिक स्वतंत्रता की रक्षा के लिए बेरहमी से प्रताड़ित किया गया था। मुख्यमंत्री ने यह भी उल्लेख किया कि गुरु तेग बहादुर के पुत्र दशमेश पिता श्री गुरु गोबिंद सिंह ने अपने पिता के बलिदान को दीया पर सिर न दिया (मैंने अपना सिर दिया लेकिन मेरा पंथ नहीं) बताया है। गुरु साहिब के दर्शन एक अन्य सहयोगी भाई जीवन सिंह (जिन्हें जैता जी के नाम से जाना जाता है) द्वारा दिल्ली से श्री आनंदपुर साहिब तक गुरु गोबिंद सिंह के पास ले जाया गया। इस अवसर पर, हम सभी भाई जैता जी की उल्लेखनीय वीरता और साहस को विशेष श्रद्धांजलि देते हैं। जब भी हम इस दुखद घटना के बारे में बात करेंगे तो इतिहास उन्हें याद रखेगा। इस विशाल आयोजन के उपलक्ष्य में राज्य सरकार द्वारा आयोजित समारोहों की योजना का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इस ऐतिहासिक आयोजन को मनाने के लिए पहले व्यापक व्यवस्था की गई थी।

अहमदाबाद विस्फोट केस में 13 साल बाद सुनवाई पूरी, अदालत ने फैसला सुरक्षित रखा

अहमदाबाद। (एजेंसी)।

गुजरात के अहमदाबाद में हुए श्रृंखलाबद्ध बम धमाकों के 13 साल बाद यहां की एक विशेष अदालत ने इस मामले में 77 आरोपियों के खिलाफ सुनवाई पूरी कर ली और अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। उस घटना में 56 लोगों की मौत हो गयी थी। अभियोजन पक्ष ने बम धमाकों के एक साल बाद दिसंबर 2009 में शुरू हुए लंबे मुकदमे में 1,100 से अधिक गवाहों को पेश किया। विशेष न्यायाधीश ए आर पटेल ने बृहस्पतिवार को सुनवाई पूरी करने की घोषणा की और फैसला सुरक्षित रख लिया। अहमदाबाद शहर में 26 जुलाई, 2008 को 70 मिनट के भीतर 21 बम विस्फोटों में कम से कम 56 लोग मारे गए थे और 200 से अधिक घायल हुए थे।

पुलिस ने दावा किया था कि आतंकी संगठन इंडियन मुजाहिदीन (आईएम) से जुड़े लोग विस्फोटों में शामिल थे और यह प्रतिबंधित स्टूडेंट्स इस्लामिक मूवमेंट ऑफ इंडिया (सिमी) के कट्टरपंथियों का एक धड़ा था।यह आरोप लगाया गया था कि आईएम आतंकवादियों ने 2002 के गोधरा दंगों का बदला लेने के लिए इन विस्फोटों की योजना बनाई थी। इन धमाकों के कुछ दिनों बाद, पुलिस ने सूरत के विभिन्न हिस्सों से बम बरामद किए और उसके बाद अहमदाबाद में 20 और सूरत में 15 प्राथमिकी दर्ज की गईं।अदालत द्वारा सभी 35 प्राथमिकी को एकसाथ कर दिए जाने के बाद सुनवाई की गयी। गुजरात पुलिस द्वारा विभिन्न समय पर गिरफ्तार किए गए 85 आरोपियों में से 78 लोगों के खिलाफ सुनवाई शुरू हुयी और एक आरोपी के सरकारी गवाह बनने के बाद यह संख्या घटकर 77 रह गई। इस मामले में कम से कम आठ से नौ आरोपी अब भी फरार हैं।

आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता के साथ ही गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) कानून के प्रासंगिक प्रावधानों के तहतमामला दर्ज किया गया है। विशेष अदालत शुरू में साबरमती केंद्रीय कारागार में मामले की सुनवाई करती थी। बाद में ज्यादातर कार्यवाही वीडियो-कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए की जाती थी। सुनवाई जारी रहने के दौरान ही कुछ आरोपियों ने 2013 में जेल में 213 फुट लंबी सुरंग खोदकर कथित रूप से भागने की कोशिश की थी। जेल से भागने के प्रयास का मुकदमा अभी लंबित है।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में चकबन्दी कार्यों की समीक्षा बैठक सम्पन्न

संवाददाता लक्ष्मीकांत पाण्डेय, प्रयागराज।

जिलाधिकारी श्री संजय कुमार खत्री की अध्यक्षता में शुक्रवार को कार्यालय कक्ष के सभागार में चकबन्दी कार्यों की समीक्षा बैठक की गयी। समीक्षा बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनियमितता बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। उन्होंने कहा कि बिना किसी भेदभाव या दबाव के जो सही हो, वहीं होना चाहिए। अगर कही से कोई शिकायत आयी, तो प्राथमिकी दर्ज करायी जायेगी। उन्होंने डी0डी0सी0 श्री राधेश्याम सिंह से कहा कि अधिकारीवार लम्बित निगरानियों, अपीलों, आपत्तियों का निस्तारण गुणवत्ता पूर्वक सुनिश्चित किया जाये। उन्होंने 5 वर्षों से अधिक समय से लम्बित मामलों की समीक्षा करते हुए उसकी स्थिति के बारे में जानकारी प्राप्त की। वार्षिक लक्ष्य के सापेक्ष कार्यों की प्रगति में सुधार लाने की हिदायत भी दी। समीक्षा के दौरान अधिकारीवार/सहायक चकबंदी अधिकारी क्षेत्रवार चकबंदी कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए निर्देशित किया कि किसी भी प्रकार की लापरवाही या उदासीनता कत्तई क्षम्य नहीं होगा। निष्ठापूर्वक एवं सुचारू रूप से अपने कार्यों का निर्वहन करें। बैठक में डीडीसी श्री राधेश्याम सिंह सहित चकबन्दी विभाग के सी0ओ0 गण उपस्थित रहे।

भाजपा नेता पर चप्पल मारने का वीडियो वायरल, नौकरी दिलाने के नाम पर पौने दो लाख लेने का मामला दर्ज

लखनऊ। (एजेंसी)।

पड़ोसी बाराबंकी जिले में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी के एक नेता पर एक महिला ने उसके बेटे को नौकरी दिलाने के नाम पर पौने दो लाख रुपये रिश्वत लेने का आरोप लगाया है। यह मामला सुर्खियों में तब आया जब घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर काफी प्रसारित हुआ। लोनी कटरा पुलिस ने भाजपा नेता के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। लोनी कटरा के थाना प्रभारी ने पीटीआई- को शुक्रवार को बताया कि लोनी कटरा थाना क्षेत्र के रुक?नापुर निवासी महिला पियारा देवी की तहरीर पर त्रिवेदीगंज मंडल के भाजपा अध्यक्ष उत्तम वर्मा के खिलाफ भादंवि की धारा 323 (जानबूझकर स्?वेच्?छा से चोट पहुंचाना), 406 (विश्वास का आपराधिक हनन) 504 (जानबूझकर अपमानित करना) और 506 (धमकी देना) के तहत मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। इस सिलसिले में भारतीय जनता पार्टी बाराबंकी के जिला अध्यक्ष अवधेश श्रीवास्तव ने बताया कि मंडल अध्यक्ष उत्तम वर्मा से स्पष्टीकरण मांगा गया है और उनका पक्ष जानने के बाद उचित कार्रवाई होगी।

सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो में महिला बीच सड़क पर मोटरसाइकिल पर सवार भाजपा नेता को रोककर अपने रुपये मांगती नजर आ रही है। जानकारी के मुताबिक बेटे की नौकरी न लगने पर बुधवार को महिला ने लोनी कटरा थाना इलाके के भिलवल चौराहे पर भाजपा नेता को रोककर अपने रुपये मांगे और नेता का गिरेबान भी पकड़ लिया। उत्तम वर्मा बाराबंकी जिले के त्रिवेदीगंज मंडल के भाजपा अध्यक्ष हैं। महिला का आरोप है कि उसके बेटे मुकेश को स्कूल में नौकरी दिलाने के नाम पर मंडल अध्यक्ष उत्?तम वर्मा ने करीब दो वर्ष पहले उससे पौने दो लाख रुपये लिए थे। महिला ने थाने में दी गई तहरीर में आरोप लगाया है कि बुधवार को भिलवल चौराहे पर वह अपना रुपया मांगने गई तो उत्तम ने रुपया देने की बजाय उसे गाली देते हुए थप्पड़ मारा और अभद्रता की।

घटना के संदर्भ में भाजपा मंडल अध्यक्ष उत्तम वर्मा का कहना है कि यह राजनीतिक द्वेष में किया गया षड्यंत्र है। उत्तम ने कहा कि बुधवार को वह हैदरगढ़ एक कार्यक्रम में जा रहे थे तभी भिलवल चौराहे के समीप कुछ लोगों ने उन्हें रोक लिया और गाली गलौज करने लगे। उन्होंने कहा कि इस दौरान वह गिर गए और किसी तरह जान बचाकर भागे और लोनी कटरा थाने में पहुंचकर अपनी तहरीर दी। हालांकि लोनीकटरा पुलिस ने भाजपा अध्यक्ष की तहरीर पर कोई मामला दर्ज नहीं किया है। इस मामले में भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश के प्रवक्ता हरिश्चन्द्र श्रीवास्तव ने शुक्रवार को कहा, ÷इस तरह के जो आरोप हैं, उसकी सच्चाई और तथ्यों की जानकारी मिलने के बाद जिला संगठन उचित कार्रवाई करेगा। अगर महिला के आरोपों में सत्यता पाई जाएगी तो निश्चित रूप से कार्रवाई की जाएगी।

कई लोगों को करोड़ों का चूना लगाकर भागी चिट फंड कंपनी, रकम दोगुना करने का दिया था झांसा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

नई दिल्ली के आजादपुर में एक चिट फंड कपंनी ने कई लोगों को चूना लगाया है। बता दें कि यह कंपनी गरीबों के इनवेस्टमेंट कराती थी और जैसे ही अवधि पूरी होती वैसे ही ब्याज समेत गरीबों को उनका पैसा लौटा देती थी। यह सिलसिला करीब 25 सालों तक चला। गरीबों का भरोसा जीतने के बाद कई लोगों ने इस कंपनी में अपने जीवन भर की कमाई इनवेस्ट की। जानकारी के लिए बता दें कि, रकम दोगुना करने का झासा देकर कंपनी कई लोगों का पैसा लेकर भाग चुकी है और ऑफिस पर ताला लटका दिया है। कई लोगों को शिकायतों के बाद पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। चाय की दुकान चला रहे शख्स की पत्नी प्रेमवती ने बताया कि आजादपुर के निकिता टावर पर एक कमर्शल कॉम्पलेक्स में वसुंधरा ग्रुप नाम का ऑफिस है। वहां से कपंनी का एक प्रतिनिधि हर दिन उनसे 10 रुपये ले जाती और 100 दिन पूरे होने के बाद उन्हे 100 रूपये लौटा देती थी। निवेशकों का भरोसा बढ़ने से कंपनी को काफी फायदा हो रहा था। कपंनी ने एक स्कीम शुरू की और कहा कि, 4 सालों के अंदर रकम दोगुनी होगी। रकम दोगुनी का झासा देने के चक्कर में कई लोगों ने अपनी मेहनत की कमाई कंपनी में डिपॉजिट का दी। बता दें कि इस कंपनी में कई दिनों से ताला लगा हुआ था।

सार समाचार

अफगानिस्तान में अपना कामकाज बहाल करेगी वेस्टर्न यूनियन: तालिबान

काबुल। तालिबान ने कहा है कि वेस्टर्न यूनियन अफगानिस्तान में अपना कामकाज फिर से शुरू करेगी। इससे नकदी की कमी का सामना कर रहे देश में विदेशी धन के प्रवाह का एक दुर्लभ माध्यम खुल जाएगा। समूह के सांस्कृतिक आयोग के प्रवक्ता अहमदुल्ला मुत्ताकी ने शुक्रवार को इस फैसले की घोषणा की। गौरतलब है कि 15 अगस्त को तालिबान के काबुल पर कब्जा करने के बाद अमेरिकी वित्तीय सेवा क्षेत्र की दिग्गज कंपनी ने अफगानिस्तान में अपना कामकाज बंद कर दिया था। इस फैसले से उन अफगानियों को खास राहत मिलेगी जिनके रिश्तेदार विदेशों में रहते हैं।संकटग्रस्ट देश में लोग रोजाना सैकड़ों की संख्या में बैंकों के बाहर नकदी निकालने के लिए लाइन लगा रहे हैं।यहां एक दिन की धन निकासी सीमा 200 डॉलर तय है और एटीएम मशीनें काम नहीं कर रही हैं।

इजरायली मिसाइल हमले ने दमिश्क को निशाना बनाया

दमिश्क। इजरायल ने ताजा मिसाइल हमले में दमिश्क के स्थलों को अपना निशाना बनाया। इसकी जानकारी सना एजेंसी ने दी। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, सीरियाई वायु रक्षा ने दमिश्क के दक्षिण-पश्चिमी ग्रामीण इलाकों में मिसाइलों को इंटरसेप्ट किया क्योंकि इंटरसेप्शन की आवाज राजधानी में स्पष्ट रूप से सुनी गई थी। सना ने एक सैन्य सूत्र के हवाले से बताया कि इजरायली हमला लेबनानी हवाई क्षेत्र के अंदर से किया गया। वायु रक्षा ने अधिकांश मिसाइलों को रोक दिया। इस बीच, सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स वॉर मॉनिटर ने कहा कि इजरायली हमले ने दमिश्क में सैन्य स्थलों को निशाना बनाया। इजरायली हमला सीरिया में सैन्य ठिकानों को निशाना बनाकर किए गए हमलों की कड़ी में नवीनतम है। दक्षिणी प्रांत कुनेइत्रा में 20 अगस्त को, साइटों पर हमला करने के दो दिन बाद, इजरायल ने दमिश्क में कई सैन्य स्थलों पर हमला किया।

इजरायली संसद ने राज्य के बजट को मंजूरी दी

तेल अवीव। इजरायल की संसद ने दो साल के राजनीतिक गतिरोध के बाद शुरुआती वोट वर्षों में राज्य के बजट को मंजूरी दे दी है। संसद के एक प्रवक्ता, या केसेट ने एक बयान में कहा, गुरुवार को, सांसदों ने प्रस्तावित बजट के पक्ष में 59-54 वोट दिए। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, वोट का मतलब है कि बजट को अंतिम मंजूरी मिलने से पहले अभी भी दो अतिरिक्त दौर के वोटों को पारित करने की जरूरत है। वित्त मंत्रालय द्वारा पहले जारी एक बयान के अनुसार, 2021 के लिए राज्य का बजट लगभग 432.5 बिलियन शेकेल (135 अरब डॉलर) और 2022 के लिए लगभग 452.5 अरब शेकेल (141 अरब डॉलर) होगा। अनुमोदन को व्यापक रूप से प्रधान मंत्री नफ्ताली बेनेट के नेतृत्व वाली क्रॉस-पार्टिसन गठबंधन सरकार के लिए एक प्रमुख मील का पत्थर माना जाता है, जो जून में देश के सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले नेता बेंजामिन नेतन्याहू के उत्तराधिकारी बने। बजट प्रस्ताव को अगस्त की शुरूआत में बेनेट की कैबिनेट ने मंजूरी दी थी। यह अब एक संसद समिति में चर्चा के लिए जाएगा, जो इसे केसेट प्लेनम में दूसरे और तीसरे दौर के वोट के लिए तैयार करेगी। बजट को नेसेट द्वारा 5 नवंबर की समय सीमा तक अनुमोदित करने की आवश्यकता है, वरना संसद स्वतः भंग हो जाएगी और नए चुनाव बुलाए जाएंगे। पिछले दो वर्षों के राजनीतिक गतिरोध और चार चुनावों के दौरान, इजरायल ने 2019 के लिए राज्य के बजट के एक संस्करण का उपयोग किया, जिसे मार्च 2018 में अनुमोदित किया गया था।

इस्राइल ने बहरीन में अपना पहला राजदूत नियुक्त किया

तेल अवीव। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि दोनों देशों के संबंध सामान्य होने के लगभग एक साल बाद इस्राइल ने बहरीन में अपना पहला राजदूत नियुक्त किया है। समाचार एजेंसी ने गुरुवार को बयान के हवाले से कहा कि संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में इजरायली दूतावास में मिशन के अस्थायी प्रमुख के रूप में आठ महीने तक काम करने वाले ईतान नाहे को बहरीन में पहले इजरायली राजदूत के रूप में नियुक्त किया। यह कदम इजरायल में पहले बहरीन के राजदूत खालिद यूसुफ अल जलहमा के यहूदी राज्य में आने और खाड़ी राज्य के दूतावास का उद्घाटन करने के दो दिन बाद आया है। यूएई और बहरीन ने सितंबर 2020 में इजरायल के साथ राजनयिक संबंध स्थापित करने के लिए यूएस-ब्रोकरेड समझौतों पर हस्ताक्षर किए। बाद में सूडान और मोरक्को ने इस कदम का अनुसरण किया।

गाजा में इजरायली सैनिकों के साथ संघर्ष में फिलीस्तीनी मारा गया

गाजा। गाजा पट्टी और इजरायल के बीच सीमा क्षेत्र के पास इजरायली सैनिकों के साथ संघर्ष के दौरान एक फिलिस्तीनी व्यक्ति की मौत हो गई। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, हमास द्वारा संचालित फिलिस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि 26 वर्षीय अहमद सल्लेह की गुरुवार रात को इजरायली सैनिकों ने गोली मारकर हत्या कर दी। मंत्रालय ने कहा कि 5 बच्चों सहित 15 फिलिस्तीनी इजरायली सैनिकों द्वारा घायल हो गए, उनमें से 5 को गोला बारूद से गोली मार दी गई और 10 अन्य का आंसू गैस के कारण दम घुट गया। गुरुवार की रात, प्रत्यक्षदर्शियों ने कहा कि दर्जनों प्रदर्शनकारी, रात में अशांति इकाई के सदस्य पूर्वी गाजा पट्टी और इजरायल के बीच सीमावर्ती क्षेत्र में लगातार छठे दिन इक्ट्ठे हुए। यूनिट के सदस्य 14 साल से ज्यादा समय से गरीब तटीय एन्क्लेव पर लगाए गए इजरायली नाकाबंदी को जारी रखने के विरोध में इजरायल के साथ सीमा के पास हर रात प्रदर्शन कर रहे हैं। यूनिट में हमास सहित कई फिलिस्तीनी गुटों के सदस्य और समर्थक शामिल हैं, जो राष्ट्रपति महमूद अब्बास के सुरक्षा बलों को बाहर करने के बाद 2007 से गाजा पट्टी पर शासन कर रहे हैं। प्रदर्शनकारी आमतौर पर टायर जलाते हैं, घर के बने हथगोले में विस्फोट करते हैं और इजरायली सैनिकों के साथ संघर्ष करते हैं, जो आमतौर पर उन्हें तितर-बितर करने के लिए गोलियां चलाते हैं। हिंसक विरोध प्रदर्शन के एक दिन बाद इजरायल ने केरेम शालोम के एकमात्र वाणिज्यिक क्रॉसिंग को फिर से खोल दिया और गाजा तट से मछली पकड़ने के क्षेत्र को 15 समुद्री मील तक बढ़ा दिया। इजरायली मीडिया ने पहले बताया कि इजरायल ने पीने योग्य पानी भी पंप किया, गाजा में अधिक निर्माण मेटेरियल के प्रवेश की अनुमति दी और गाजा व्यापारियों के लिए 2,000 से 7,000 तक इजरायल में प्रवेश करने के लिए परमिट की संख्या में बढ़ोतरी की।

तालिबान ने चीन को बताया अपना साथी, भारत के लिए बढ़ सकती है चुनौती

बीजिंग (एजेंसी)।

अफगानिस्तान पर तालिबान के पूरी तरह से कब्जे के बाद अब वहां उसकी सत्ता व्यवस्था भी हो गई है। अफगानिस्तान में अब तालिबान राज शुरू होने जा रहा है। भीषण हिंसा और खौफ के बीच वहां 20 साल बाद तालिबान की वापसी हो रही है। पूरी दुनिया की नजर अफगानिस्तान की ताजा स्थिति पर है। हालांकि अफगानिस्तान के नागरिक लगातार देश छोड़ने के लिए प्रयत्न कर रहे हैं। इन सबके बीच तालिबान के प्रवक्ता ने चीन को लेकर अहम बयान दिया है। तालिबान के प्रवक्ता जबीउल्लाह मुजाहिद इन ने चीन को अपना सबसे बड़ा साथी बताया है। आशंका इस बात की जताई जा रही है कि बर्बादी के कगार पर खड़े अफगानिस्तान को तालिबान चीन के हवाले कर सकता है।

भारत के लिए बढ़ सकती है चुनौती

इसी को लेकर तालिबान के प्रवक्ता ने कहा कि यह हमारे लिए एक सुनहरा मौका है। चीन हमारे देश में निवेश कर फिर से इसे खड़ा कर देगा। एक न्यूज़ पोर्टल पर छपी खबर के मुताबिक अफगानिस्तान में बड़े पैमाने पर कॉपर के खदाने हैं। आने वाले दिनों में चीन उन पर अपना कब्जा जमा सकता है। चीन और तालिबान का एक साथ होना भारत के लिए भी मुसीबत है। तालिबान लगातार चीन से मदद की आस लगाकर बैठा हुआ है। वहीं चीन उसे हर तरह से समर्थन कर रहा है जिसका भारत लगातार विरोध करता रहा है।

हाल में ही भारत में वन बेल्ट वन रोड प्रोजेक्ट का विरोध किया था। लेकिन तालिबान ने उसे बेहतरीन बताया है। यह चीन का ड्रीम प्रोजेक्ट है जिसकी वजह से अफ्रीका, एशिया और यूरोप को पोर्ट, रेल और सड़क मार्ग से जोड़ा जा सकता है। इसे अफगानिस्तान की अर्थव्यवस्था के लिए भी तालिबान अच्छा मान रहा है। चीन पर तालिबान की निर्भरता कहीं ना कहीं भारत के लिए किसी झटके से कम नहीं है। भारत ने अब तक अफगानिस्तान में करोड़ों के निवेश किए है। ऐसे में चीन की अफगानिस्तान में ज्यादा दखलअंदाजी भारत के लिए नई मुश्किलें पैदा कर सकती हैं। वैसे भी पाकिस्तान, चीन और तालिबान की तुकबंदी भारत के लिए एक नई मुसीबत आने वाले दिनों में ला सकती है।

ईरानी विदेश मंत्री ने यूरोप से वार्ता में रचनात्मक भूमिका निभाने का आग्रह किया

तेहरान (एजेंसी)।

ईरानी विदेश मंत्री होसैन अमीर अब्दुल्लाहियन ने तेहरान के परमाणु हितों की रक्षा के लिए यूरोप के रचनात्मक अधिनियम का आह्वान किया, जिसे 2015 के परमाणु समझौते से वाशिंगटन की एकतरफा वापसी के बाद नुकसान हुआ था।

अमीर अब्दुल्लाहियन ने अपने फ्रांसीसी समकक्ष जीन-यवेस ले ड्रियन के साथ टेलीफोन पर बातचीत में कहा कि संयुक्त व्यापक कार्य योजना से बाहर निकलने और ईरान पर फिर से प्रतिबंध लगाने के लिए 2018 में अवैध अमेरिकी उपाय, साथ ही इस संबंध में यूरोपीय देशों की निष्क्रियता वर्तमान प्रतिकूल स्थिति के लिए जिम्मेदार हैं। समाचार एजेंसी ने ईरानी मंत्री के हवाले से कहा कि दुर्भाग्य से, वर्तमान अमेरिकी सरकार ने तेहरान पर दबाव बनाने के लिए एक उपकरण के रूप में प्रतिबंधों का उपयोग करना जारी रखा है। अमीर अब्दुल्लाहियन ने कहा कि हालांकि उन्हें यह पता होना चाहिए कि हम इस तरह के दबावों के सामने आत्मसमर्पण नहीं करते हैं। ईरान के अधिकारों और हितों की रक्षा में, उन्हें यह कहते हुए उद्धृत किया कि इस्लामिक गणराज्य वार्ता में भाग लेने के लिए तैयार है जो ठोस परिणाम लाएगा। वहीं ले ड्रियन ने आशा व्यक्त की कि जेसीपीओए के पुनरुद्धार पर बातचीत फिर से शुरू होगी और इसके परिणाम जल्द आएगा। जेसीपीओए संयुक्त आयोग ने 6 अप्रैल को वियना में व्यक्तिगत रूप से बातचीत शुरू की, ताकि समझौते के लिए वाशिंगटन की संभावित वापसी और सौदे के पूर्ण और प्रभावी कार्यान्वयन को कैसे सुनिश्चित किया जा सके।

नई अफगान सरकार का नेतृत्व करेगा बरादर, अहम भूमिका में होगा मुल्ला उमर का बेटा

काबुल (एजेंसी)।

तालिबान का सह-संस्थापक मुल्ला अब्दुल गनी बरादर एक नई अफगान सरकार का नेतृत्व करने के लिए तैयार है, जिसकी घोषणा जल्द ही की जा सकती है। इस्लामिक आतंकी समूह के सूत्रों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

टोलो न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, यह कदम तब सामने आया है, जब तालिबान पंजशीर घाटी में विद्रोही लड़ाकों से जूझ रहा है और दूसरे मोर्चे पर आर्थिक पतन को रोकने का प्रयास कर रहा है। टोलो न्यूज ने सूत्रों का हवाला देते हुए कहा कि बरादर, जो दोहा में तालिबान के राजनीतिक कार्यालय का प्रमुख है, उसके साथ तालिबान के दिवंगत सह-संस्थापक मुल्ला उमर का बेटा मुल्ला मोहम्मद याकूब और शेर मोहम्मद अब्बास स्टेनकजई सरकार में वरिष्ठ पदों पर शामिल होंगे। तालिबान के एक अधिकारी ने एक वैश्विक न्यूज वायर को बताया, सभी शीर्ष नेता काबुल पहुंच गए हैं, जहां नई सरकार की घोषणा करने की तैयारी अंतिम चरण में है। तालिबान के एक अन्य सूत्र ने कहा कि तालिबान का सर्वोच्च धार्मिक नेता हैबतुल्लाह अखुंदजादा इस्लाम के ढांचे के भीतर धार्मिक मामलों और शासन पर ध्यान केंद्रित करेगा। तालिबान, जिसने 15 अगस्त को काबुल पर कब्जा कर लिया था, वह देश के अधिकांश हिस्सों में व्यापक रूप से अपना नियंत्रण स्थापित कर चुका है। हालांकि उसे भारी लड़ाई और हताहतों की रिपोर्ट के साथ, राजधानी के उत्तर में पंजशीर घाटी में प्रतिरोध का सामना करना पड़ रहा है और अभी तक भी वह पंजीशीर घाटी पर अपना नियंत्रण स्थापित नहीं कर पाया है।

मुजाहिदीन के पूर्व कमांडर अहमद शाह मसूद के बेटे अहमद मसूद के नेतृत्व में क्षेत्रीय मिलिशिया के कई हजार लड़ाके और सरकार के सशस्त्र बलों के कुछ सैनिक बीहड़ घाटी में जमा हुए हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि किसी समझौते पर बातचीत करने के प्रयास विफल हो गए हैं और प्रत्येक पक्ष विफलता के लिए एक-दूसरे को दोषी ठहरा रहा है। टोलो न्यूज ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय दाताओं और निवेशकों की नजर में सरकार की वैधता लड़खड़ाई अर्थव्यवस्था और एक संघर्ष की तबाही को देखते हुए महत्वपूर्ण होगी, जिसमें अनुमानित 240,000 अफगान मारे गए हैं। मानवीय समूहों ने एक बुरी तबाही वाली स्थिति की चेतावनी दी है और कई

लाखों डॉलर की विदेशी सहायता पर वर्षों से निर्भर अर्थव्यवस्था ढहने के करीब है। सहायता एजेंसियों ने कहा है कि कई अफगान तालिबान के सत्ता में आने से पहले भीषण सूखे के बीच अपने परिवारों को खाना खिलाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं और लाखों लोग अब भुखमरी का सामना कर सकते हैं।

बाइडेन एडमिन ने रणनीतिक पेट्रोलियम रिजर्व का दोहन किया

वॉशिगंटन। (एजेंसी)।

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन का प्रशासन तूफान ईडा के कारण ईंधन की कमी को दूर करने के लिए देश के सामरिक पेट्रोलियम रिजर्व (एसपीआर) से 15 लाख बैरल कच्चा तेल जारी कर रहा है।

व्हाइट हाउस प्रेस ने कहा, ऊर्जा विभाग ने रणनीतिक पेट्रोलियम रिजर्व को एक्सॉनमोबिल बैटन रूज के साथ 15 लाख बैरल कच्चे तेल का आदान-प्रदान करने के लिए अधिकृत किया है ताकि आपूर्ति में व्यवधान को दूर किया जा सके और क्षेत्र में रिफाइनर को कच्चे तेल तक पहुंचने में सक्षम बनाया जा सके। सचिव जेन साकी ने गुरुवार को एक बयान में कहा, एसपीआर से चार साल में यह पहला ऐसा एक्सचेंज है। साकी ने कहा, यह कार्रवाई ऊर्जा आपूर्ति को सुरक्षित करने और क्षेत्र में कीमतों के दबाव को दूर करने के लिए राष्ट्रपति द्वारा उठाया गया नवीनतम कदम है। समाचार एजेंसी रिपोर्ट के अनुसार, ऊर्जा विभाग ने एक अलग बयान में कहा कि यह तूफान ईडा से प्रभावित क्षेत्रों के भीतर कच्चे तेल को स्थानांतरित करने के किसी भी तार्क मुद्दे को कम करेगा ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि इस क्षेत्र में ईंधन की पहुंच जल्द से जल्द हो। विभाग ने कहा कि यह रिफाइनर को प्रभावित क्षेत्र के लिए परिष्कृत उत्पादों को प्राथमिकता देने के लिए प्रोत्साहित करता है और एसपीआर जैसे विकल्पों के माध्यम से उन प्रयासों का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध है। एसपीआर, आपातकालीन कच्चे तेल की दुनिया की सबसे बड़ी आपूर्ति, 1970 के दशक में अमेरिकी संघीय सरकार द्वारा मुख्य रूप से पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति में व्यवधान के प्रभाव को कम करने के लिए स्थापित की गई थी। ऊर्जा विभाग के अनुसार, 20 अगस्त तक, एसपीआर में 62.13 करोड़ बैरल कच्चा तेल था, जिसमें 36.81 करोड़ बैरल खट्टा कच्चा और 25.32 करोड़ बैरल मीठा कच्चा तेल शामिल था। पूर्वोत्तर की ओर बढ़ने से पहले, तूफान ईडा ने लुइसियाना और मिसिसिपी में पहले ही व्यापक कहर बरपाया था, जिससे चार लोगों की मौत हो गई थी और सैकड़ों हजारों लोगों की बिजली गुल हो गई थी। सीएनएन के अनुसार, मैक्सिको की खाड़ी के तेल उत्पादन का 93 प्रतिशत से अधिक ऑफलाइन रहता है और न्यू ऑरलियन्स और बैटन रूज में दो-तिहाई गैस स्टेशन ईडा के बाद गैसोलीन से बाहर हो गए हैं।

श्रीलंका ने लिट्टे को आतंकवादी संगठन मानने के यूके के निर्णय की सराहना की

कोलंबो (एजेंसी)।

श्रीलंका ने लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम (लिट्टे) पर आतंकवादी संगठन के रूप में प्रतिबंध लगाने के ब्रिटेन के कदम की सराहना की है।

गुरुवार को कोलंबो में विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि सरकार को इस बात से अवगत कराया गया है कि यूके के गृह सचिव ने ब्रिटेन के आतंकवाद अधिनियम संख्या 7 के तहत लिट्टे पर प्रतिबंध को जारी रखने केफैसले का स्वागत किया। आयोग ने ब्रिटेन में समूह को गैर-प्रतिबंधित करने के लिए लिट्टे के एक फ्रंट संगठन के आवेदन को खारिज कर दिया है। मंत्रालय ने कहा, लिट्टे यूके में एक प्रतिबंधित संगठन बना हुआ है, जैसा कि यह यूरोपीय संघ के क्षेत्र सहित दुनिया भर के 30 से अधिक अन्य देशों में प्रतिबंधित है। लिट्टे को शुरू में इन देशों में प्रतिबंधित किया गया था क्योंकि समूह की क्रूरता और अत्याचारों के कारण वैश्विक और क्षेत्रीय सुरक्षा को प्रभावित कर रही थी। यूके ने तमिल विद्रोही समूह को सूचीबद्ध किया, जो 2000 की शुरूआत में एक आतंकवादी संगठन के रूप में उत्तरी और पूर्वी श्रीलंका से एक अलग क्षेत्र के लिए लड़ाई लड़ी। हालांकि, अक्टूबर 2020 में प्रतिबंधित संगठन अपील आयोग(पीओएसी) ने लिट्टे को इस सूची से हटाने का निर्णय लिया था। मई 2019 में इसके लिए फ्रंट संगठन ने अपील की थी।

आयोग ने माना था कि यूके होम ऑफिस का लिट्टे को आतंकवादी संगठन के रूप में प्रतिबंधित रखने का निर्णय त्रुटिपूर्ण और गैरकानूनी था। हालांकि श्रीलंका ने आयोग के फैसले के खिलाफ अपील करते हुए कहा कि यह साबित करने के लिए पर्याप्त सबूत हैं कि लिट्टे के अवशेष और इसकी आतंकवादी विचारधारा से जुड़े समूह सक्रिय हैं जो विदेशों में, हिंसा भड़काने और द्वीप राष्ट्र को अस्थिर करने के लिए काम कर रहे हैं। 1991 में पूर्व प्रधान मंत्री राजीव गांधी की हत्या के विद्रोही समूह पर आरोप लगने के बाद भारत ने लिट्टे पर प्रतिबंध लगा दिया था। प्रतिबंध को समय-समय पर नवीनीकृत किया गया था और मई 2019 में केंद्र सरकार ने गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम, 1967 (1967 का 37) की धारा 3 की उप-धारा (1) और (3) के तहत प्रतिबंध को पांच और वर्षों के लिए बढ़ा दिया था।

क्या है डूरंड रेखा विवाद, जिसको लेकर तालिबान-पाकिस्तान में खिंच सकती हैं तलवारें

नई दिल्ली (एजेंसी)।

डूरंड रेखा विवाद ऐसा मुद्दा है जिसने दशकों से अफगानों और पाकिस्तान के बीच अविश्वास बोया है और तालिबान और पाकिस्तान के बीच संबंधों में एक संभावित तकरार की संभावना जगा दी है। इस हफ्ते की शुरुआत में तालिबान जबीउल्लाह मुजाहिद ने पाकिस्तान में एक पश्तो चैनल से बात करते हुए डूरंड रेखा पर पाकिस्तान द्वारा बनाई गई बाड़ पर अपना विरोध जताया। उन्होंने कहा कि नई अफगान सरकार इस मुद्दे पर अपनी स्थिति की घोषणा करेगी। मुजाहिद ने कहा कि बाड़ ने लोगों को अलग कर दिया है और परिवारों को विभाजित कर दिया है। हम सीमा पर एक सुरक्षित और शांतिपूर्ण माहौल बनाना चाहते हैं, इसलिए अवरोध पैदा करने की कोई जरूरत नहीं है।

पश्तून को विभाजित करने वाली रेखा

डूरंड रेखा रूसी और ब्रिटिश साम्राज्यों के बीच 19वीं शताब्दी के खेल की विरासत है जिसमें अफगानिस्तान को अंग्रेजों द्वारा रूस के विस्तारवाद की भय की वजह से के खिलाफ एक बफर के रूप में इस्तेमाल किया गया था। 12 नवंबर 1893 में अफगान शासक आमिर अब्दुल खान और ब्रिटिश सरकार के सचिव सर मार्टिमर डूरंड ने सरहद हदबंधी के समझौते पर दस्तखत किए। दूसरे अफगान युद्ध की समाप्ति के दो वर्ष बाद 1880 में अब्दुर रहमान राजा बने, जिसमें अंग्रेजों ने कई क्षेत्रों पर नियंत्रण कर लिया जो अफगान साम्राज्य का हिस्सा थे। डूरंड के साथ उनके समझौते ने भारत के साथ अफगान 'सीमा' पर उनके और ब्रिटिश भारत के 'प्रभाव के क्षेत्रों' की सीमाओं का सीमांकन किया। डूरंड्स कर्सः ए लाइन अक्रॉस द पठान हार्ट नामक किताब के लेखर राजीव डोगरा के अनुसार सात-खंड के समझौते ने 2,670 किलोमीटर की रेखा को मान्यता दी। डूरंड ने आमिर के साथ अपनी बातचीत के दौरान अफगानिस्तान के एक छोटे से नक्शे पर खींच दी थी। 2,670 किलोमीटर की रेखा चीन की सीमा से लेकर ईरान के साथ अफगानिस्तान की सीमा तक फैली हुई है। इसके खंड 4 में कहा गया है कि 'सीमा रेखा' को विस्तार से निर्धारित किया जाएगा और ब्रिटिश और अफगान आयुक्तों द्वारा सीमांकित किया जाएगा। जिसमें स्थानीय गावों के हितों को शामिल करने की भी बात थी।

वास्तविकता इससे काफी अलग

वास्तव में रेखा पश्तून आदिवासी क्षेत्रों से होकर गुजरती है, जिससे गाँव, परिवार और भूमि का बंटवारा हो जाता है। इसे 'घृणा की रेखा', मनमाना, अतार्किक, क्रूर और पश्तूनों पर एक छल के रूप में वर्णित किया गया है। कुछ इतिहासकारों का मानना है कि यह पश्तूनों को विभाजित करने की एक चाल थी ताकि अंग्रेज उन पर आसानी से नियंत्रण रख सकें। इससे वे खाबेर दर्रे को अपने कब्जे में रखना चाहते थे।

अफगान-पाक तनाव

1947 में स्वतंत्रता के साथ भारत-पाक बंटवारा हुआ और उसे डूरंड रेखा विरासत में मिली। इसके साथ ही पश्तून ने रेखा को अस्वीकार कर दिया और अफगानिस्तान द्वारा इसे मान्यता देने से इनकार कर दिया। 1947 में संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान के शामिल होने के खिलाफ मतदान करने वाला अफगानिस्तान एकमात्र देश था।

पश्तूनों का एक स्वतंत्र देश

विभाजन के समय खान अब्दुल गफ्फार खान द्वारा - पश्तूनों का एक स्वतंत्र देश की गई एक मांग थी, हालांकि बाद में उन्होंने खुद इस्तीफा दे दिया। फ्रंटियर गांधी की भारत से नजदीकी भी भारत पाकिस्तान के बीच तनावों के तात्कालीन कारणों में से एक था। पश्तून राष्ट्रवाद को भारतीय समर्थन का डर आज भी पाकिस्तान को सताता है जो उसकी अफगान नीति में झलकता है। तालिबान के लिए पाकिस्तान के निर्माण और समर्थन को कुछ लोग इस्लामिक पहचान के साथ जातीय पश्तून राष्ट्रवाद को खत्म करने के कदम के रूप में देखते हैं। लेकिन पाकिस्तान ने जिस तरह से योजना बनाई थी वो पूरी तरह कारगर साबित नहीं हो पाई। अब तालिबान ने काबुल फतह के बादडूरंड रेखा को ही खारिज कर दिया।

न्यूजीलैंड सुपरमार्केट में हुआ आतंकवादी हमला

ऑकलैंड (एजेंसी)।

न्यूजीलैंड की प्रधानमंत्री जैसिंडा अर्डर्न ने शुक्रवार को पुष्टि की कि ऑकलैंड के न्यू लिन सुपरमार्केट में हुआ हिंसक हमला एक श्रीलंकाई नागरिक द्वारा किया गया आतंकवादी हमला था। जिसे पुलिस ने गोली मार दी। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, एम्बुलेंस सेवा सेंट जॉन्स के एक प्रवक्ता ने कहा कि दोपहर करीब 2.40 बजे हुए हमले में कम से कम छह लोग घायल हो गए, जिनमें तीन की हालत गंभीर है। अर्डर्न ने वेलिंगटन में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि एक हिंसक व्यक्ति ने ऑकलैंड में न्यू लिन काउंटडाउन में निर्दोष न्यूजीलैंडवासियों पर आतंकवादी हमला किया। उन्होंने कहा कि यह एक हिंसक हमला था। यह मूर्खतापूर्ण था और मुझे खेद है कि ऐसा हुआ। उन्होंने कहा कि पुलिस ने हमले के लगभग एक मिनट के भीतर अपराधी को गोली मार दी। अर्डर्न के अनुसार, हमलावर एक श्रीलंकाई नागरिक था जो 2011 में न्यूजीलैंड आया था और 2016 से न्यूजीलैंड पुलिस द्वारा उसकी इस्लामिक स्टेट से प्रेरित विचारधारा के लिए कड़ी निगरानी की जा रही थी। हालांकि, यह अज्ञात है कि यह व्यक्ति न्यूजीलैंड का नागरिक है या नहीं। न्यूजीलैंड के पुलिस आयुक्त एंड्रयू कोस्टर ने भी प्रेस कॉन्फ्रेंस में पुष्टि की कि हमले के पीछे व्यक्ति अपनी विचारधारा को कड़ी निगरानी में था। हमले से पहले उस व्यक्ति ने ग्लेन ईडन से पश्चिमी ऑकलैंड के लिनमॉल में काउंटडाउन तक यात्रा की थी। जिसपर निगरानी टीमों द्वारा बारीकी से नजर रखी जा रही थी। उसने काउंटडाउन सुपरमार्केट में प्रवेश किया जहां उसे एक चाकू मिला। कोस्टर के अनुसार, निगरानी दल उसके काफी करीब थे, और जब हंगामा शुरू हुआ तो उन्होंने कार्रवाई की। कॉस्टर ने कहा कि जब वह व्यक्ति चाकू लेकर उनके पास पहुंचा, तो उसकी गोली मारकर हत्या कर दी गई। सशस्त्र पुलिस ने सुरक्षा के तहत आस-पास की सड़कों को बंद कर दिया है। शुक्रवार का हमला न्यूजीलैंड के सबसे खराब आतंकी हमले के दो साल बाद हुआ, जब 2019 में क्राइस्टचर्च में दो मस्जिदों में एक श्वेत वर्चस्ववादी बंदूकधारी ने 51 मुस्लिम उपासकों की हत्या कर दी थी।

संपादकीय

गौ रक्षा का स्वागत

गौ रक्षा के संबंध में इलाहाबाद हाईकोर्ट का फैसला बेहद महत्वपूर्ण और विचारणीय है। हमारे समाज में गाय न केवल आर्थिक, बल्कि सामाजिक, सांस्कृतिक और धार्मिक रूप से भी व्यापक महत्व रखती है। यदि उच्च न्यायालय ने गाय के संपूर्ण महत्व को देखते हुए इसे राष्ट्रीय पशु घोषित करने का सुझाव दिया है, तो यह भारत में एक पारंपरिक आस्था को पुष्ट करने वाला कदम है। भारतीय समाज में अनेक समूह और लोग गो मांस का उपयोग करते हैं, लेकिन उच्च न्यायालय ने साफ कर दिया है कि गो मांस खाना किसी का मौलिक अधिकार नहीं है। जीभ के स्वाद के लिए किसी से जीवन का अधिकार नहीं छीना जा सकता। बूढ़ी, बीमार गाय भी खेती के लिए उपयोगी होती है। गाय की हत्या की इजाजत किसी को देना ठीक नहीं है। वास्तव में आज गाय भारतीय कृषि की रीढ़ नहीं है और समय के साथ उसका सम्मान कम भी हुआ है, लेकिन अदालत के फैसले से गाय को नए सिरे से न केवल संरक्षण, बल्कि संवर्द्धन मिलने की संभावना बनेगी। अदालत ने इस बात को भी विशेष रूप से रेखांकित किया है कि भारत में सभी संप्रदाय के लोग रहते हैं और सभी को एक-दूसरे की भावनाओं का आदर करना चाहिए। उच्च न्यायालय में न्यायमूर्ति शेखर कुमार यादव ने गाय की हत्या करने वाले एक आरोपी की जमानत याचिका को साक्ष्यों के आधार पर खारिज करते हुए यह फैसला सुनाया है। किसी भी समाज में किसी पशु को चोरी करके काटने या मारने की इजाजत नहीं दी जा सकती। भारतीय समाज पशुओं के प्रति कुछ ज्यादा ही संवेदना की मांग करता है और महात्मा गांधी ने कभी कहा था कि आपकी पहचान इस बात से होगी कि आप अपने पशुओं के साथ कैसा व्यवहार करते हैं। खास तौर पर गाय के प्रति भारतीय समाज का मोह सुस्थापित है, इसीलिए देश के 24 राज्यों में गोवध पर रोक है। गाय की उपयोगिता निर्विवाद है। यह माना जाता है कि एक गाय अपने जीवन काल में 410 से 440 लोगों का पेट भरती है, जबकि एक गाय के मांस से महज 80 लोगों का पेट भरता है। मतलब मानवीयता के लिहाज से भी गाय का पालन-पोषण अर्थपूर्ण है। इसमें कोई दोराय नहीं कि मुस्लिम शासकों ने भी इस देश में कभी गो हत्या पर रोक लगाई थी और गाय को हर लिहाज से गुणकारी माना था। कोई आश्चर्य नहीं कि हमारे संविधान में भी गो संरक्षण पर बल दिया गया है। उच्च न्यायालय ने लगे हाथ यह भी कहा है कि सरकार को भी एक विधेयक लाना होगा और गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करना होगा और गायों को नुकसान पहुंचाने की बात करने वालों के खिलाफ सख्त कानून बनाना होगा। संभव है, इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट भी ले जाया जाए। तब विशेष रूप से सोचना होगा कि बैल, सांड इत्यादि की बढ़ती संख्या का क्या किया जाएगा? क्या भारतीय समाज बैल, सांड को गायों के समान ही महत्व देता है? जब गोवंश हत्या पर रोक लग चुकी है, तब आवारा पशुओं से खेतिहर समाज पहले ही परेशान है। गौ रक्षा के लिए कड़े कानून बनाने से पहले पूरे गोवंश को भारतीय समाज के लिए लाभप्रद बनाना होगा? केवल भावना या आस्था के आधार पर गोवंश की रक्षा का सपना साकार नहीं हो सकता, इसलिए गौ सेवा के तमाम व्यावहारिक पहलुओं को परख लेना चाहिए।

‘आज के ट्वीट

कोविड

सिर्फ 81 एक्टिव केस के साथ राजस्थान पूरे देश में सबसे कम एक्टिव केस वाला राज्य बन गया है। यह बेहद खुशी की बात है कि पिछले एक महीने में प्रदेश में कोविड से कोई भी मृत्यु नहीं हुई है। लेकिन जरा सी लापरवाही होने पर कोविड पुनः बढ़ सकता है। -- मु. अशोक गहलोत

शिक्षक और शिष्य के क्या है मायने

-मनमोहन कुमार आर्य

शिक्षा देने व विद्यार्थियों को शिक्षित करने से अध्यापक को शिक्षक तथा शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को शिष्य कहा जाता है। आजकल हमारे शिक्षक बच्चों को अक्षर व संख्याओं का ज्ञान कराकर उन्हें मुख्यतः भाषा व लिपि से परिचित कराने के साथ गणना करना सिखाते हैं। आयु वृद्धि के साथ साथ बच्चा भाषा, कविता, गणित सहित विज्ञान व कला आदि विषयों को भी अपने शिक्षकों से पढ़ता है और आगे चल कर वह पुस्तकें पढ़कर व शिक्षकों के मार्गदर्शन से चिकित्सक, इंजीनियर, कम्प्यूटर प्रयोग कर्मी, अध्यापक, व्यापारी व उद्योगपति आदि बन जाता है। हमारी वर्तमान जो शिक्षा प्रणाली है, उसमें बहुत कम लोग ही सत्य व चारित्रिक नियमों का पालन करने वाले बनते हैं। आजकल देखा जाता है कि बात-बात पर झूठ बोलना एक आम बात हो गई है। यदि यह कार्य अशिक्षित करते होते तो समझ में आता, परन्तु बड़ी बड़ी उपाधि के धारणकर्ता व उच्च पदों पर प्रतिष्ठित लोग प्रायः असत्य बोलते हैं व अपने अपने कार्यों में मिथ्याचार व भ्रष्टाचार आदि में लिप्त पाये जाते हैं। इस असत्य व्यवहार व मिथ्याचार का कारण हमें एक ओर शिक्षा प्रणाली व दूसरी ओर शिक्षकों का निजी आचारण, जीवन व चरित्र अनुभव होता है। जैसा शिक्षक होगा, माता-पिता व परिवार के लोग होंगे, वैसे ही कुछ व अधिक प्रायः शिष्य व सन्तानें बनती हैं। हमारा देश ज्ञान की दृष्टि से अन्य देशों से अधिक भाग्यशाली रहा है। प्राचीन काल में हमारे देश के लोगों के जीवन व चरित्र आदर्श व महान होते थे जिसका प्रमुख कारण वेदों का ज्ञान, विद्यार्थियों द्वारा उसका अध्ययन व आचार्यों के उच्च जीवन एवं चरित्र होते थे। आज 135 करोड़ से अधिक जनसंख्या हो जाने पर भी किसी के बारे में यह कहना कठिन है कि अमुक व्यक्ति सत्य का ही व्यवहार करता है एवं असत्य का किंचित व्यवहार नहीं करता तथा इसका चरित्र आदर्श व बेदाग है। इसका कारण हमें शिक्षा में वैदिक मूल्यों की उपेक्षा व पाश्चात्य मूल्यों की बहुलता सहित हमारे शिक्षकों का ज्ञान व अज्ञानवश पाश्चात्य मूल्यों के प्रति प्रेम अनुभव होता है। इसके अविद्या आदि अनेक कारण और भी हैं। आईये, वैदिक काल में अध्यापक और अध्यापिकायें कैसे होते थे व होने चाहिये, यह वेदों के मर्मज्ञ, आदर्श जीवन व चरित्र के धनी महर्षि दयानन्द के शब्दों में जानते हैं। महाभारतान्तर्गत उद्योगपर्व विदुरप्रजागर के अध्याय 33 के 6 श्लोकों को प्रस्तुत कर वह सत्यार्थ प्रकाश के चतुर्थ समुल्लास में लिखते हैं कि जिस को आत्मज्ञान सम्यक् हो अर्थात् जो निकम्मा आलसी कभी न रहे, सुख दुःख, हानि लाभ, मान-अपमान, निन्दा स्तुति में हर्ष शोक कभी न करे, धर्म ही में नित्य निश्चित रहे, जिस के मन को उत्तम-उत्तम पदार्थ अर्थात् विषय सम्बन्धी वस्तुयें आकर्षित न कर सकें, वही पण्डित वा शिक्षक कहाता है। सदा धर्मयुक्त कर्मों का सेवन, अधर्मयुक्त कामों का त्याग, ईश्वर, वेद, सत्याचार की निन्दा न करनेहारा, ईश्वर आदि में अत्यन्त श्रद्धालु हो, वही पण्डित वा अध्यापक-अध्यापिका का कर्तव्य-अकर्तव्य अथवा कर्म है। जो कठिन विषय को भी शीघ्र जान सके, बहुत कालपर्यन्त शास्त्रों को पढ़े सुने और विचारे, जो कुछ जाने उस को परोपकार में प्रयुक्त करे, अपने स्वार्थ के लिये कोई काम न करे, बिना पूछे वा विना योग्य समय जाने दूसरे के अर्थ में सम्मति न दे, ऐसा व्यक्ति ही प्रथम प्रज्ञान पण्डित, शिक्षक, अध्यापक व अध्यापिका को होना चाहिये। अध्यापक व अध्यापिका ऐसे हों कि जो प्राप्ति के अयोग्य की इच्छा कभी न करे, नष्ट हुए पदार्थ पर शोक न करे, आपत्काल में मोह को न प्राप्त हों अर्थात् व्याकुल न हों। यह गुण बुद्धिमान पण्डित के हैं और ऐसे ही अध्यापक व अध्यापिकायें होंवे। जिसकी वाणी सब विद्याओं और प्रश्नोत्तरों के करने में अतिनिपुण व विचित्र, शास्त्रों के प्रकरणों का वक्ता, यथायोग्य तर्क और स्मृतिमान्, ग्रन्थों के यथार्थ अर्थ का शीघ्र वक्ता हो वही पण्डित वा अध्यापक कहलाता है। जिस व्यक्ति की प्रज्ञा सुने हुए सत्य अर्थ के अनुकूल और जिस का श्रवण बुद्धि के अनुसार हो, जो कभी आर्य अर्थात् श्रेष्ठ धार्मिक पुरुषों की मर्यादा का छेदन न करे, वही पण्डित वा अध्यापक आदि संज्ञा को प्राप्त होवे। प्रकरण की समाप्ति पर महर्षि दयानन्द लिखते हैं कि जहां ऐसे-ऐसे स्त्री पुरुष पढ़ाने वाले होते हैं वहां विद्या धर्म और उत्तमाचार (सत्य भाषण एवं मिथ्याचार-भ्रष्टाचार रहित व्यवहार आदि) की वृद्धि होकर प्रतिदिन आनन्द ही बढ़ता रहता है। हमारे शिक्षक और बुद्धिमान लोग स्वयं जान सकते हैं कि शिक्षक व अध्यापक-अध्यापिकाओं के इन गुणों में से कितने गुण आजकल के शिक्षकों में पाये जाते हैं? क्या शिक्षकों के महर्षि दयानन्द वर्णित यह गुण आज अप्रासंगिक हो गये हैं? ऐसा नहीं है। इसका प्रथम कारण तो हमारे शिक्षाविदों की इनसे अनभिज्ञता व दूसरा पाश्चात्य मूल्यों के प्रति गहन प्रेम है और इसके अतिरिक्त शिक्षण व्यवसाय से जो सुख सुविधायें उन्हें मिल रही है, उनका राग भी एक प्रमुख कारण है। हम महर्षि दयानन्द के प्रति इन वैदिक, सनातन व भारतीय मूल्यों को महाभारत से निकाल कर हिन्दी में अर्थ सहित जनसाधारण में प्रस्तुत करने के लिए सभी देशवासियों पर उनका उपकार मानते हैं। महर्षि द्वारा प्रस्तुत विचारों पर ध्यान देने पर हमें उनके गुरू प्रज्ञाचक्षु स्वामी विरजानन्द सरस्वती और स्वयं स्वामी दयानन्द ही सच्चे अध्यापक, शिक्षक, गुरु व आचार्य और इन सभी गुणों से सम्पन्न दिखाई देते हैं। अध्यापकों के गुणों का वर्णन करने के बाद वह पढ़ाने में अयोग्य मूर्ख शिक्षकों का वर्णन भी करते हैं जिसका आधार भी उन्होंने महाभारत के उद्योगपर्व के अध्याय 33 के दो श्लोकों संख्या 30 व 36 को बनाया है। वह लिखते हैं कि जिसने कोई शास्त्र न पढ़ा न सुना, अतीव घमण्डी, दरिद्र होकर बड़े-बड़े मनोरथ करनेहारा, विना कर्म से परार्थों की प्राप्ति की इच्छा करने वाला हो, उसी को बुद्धिमान लोग मूढ़ कहते है। ऐसे लोग पढ़ाने योग्य नहीं होते। आजकल समाज में ऐसे बहुत से अध्यापक हमें देखने को मिल जाते हैं। दूसरे श्लोक का अर्थ करते हुए वह लिखते हैं कि जो विना बुलाये सभा वा किसी के घर में प्रविष्ट हो, उच्च आसन पर बैठना चाहे, विना पूछे सभा में बहुत सा बोले, विश्वास के अयोग्य वस्तु वा मनुष्य में विश्वास करे, वही मूढ़ और सब मुनष्यों में नीच मनुष्य कहाता है। इन 2 श्लोकों के अर्थों पर टिप्पणी कर दयानन्द जी कहते हैं कि जहां ऐसे पुरुष अध्यापक, उपदेशक, गुरु और माननीय होते हैं वहां अविद्या, अधर्म, असभ्यता, कलह, विरोध और फूट बढ़ कर दुःख ही बढ़ता जाता है। शिक्षक दिवस अभी 3 दिन पूर्व ही व्यतीत हुआ है। हम समझते हैं कि प्रत्येक शिक्षक दिवस पर शिक्षक के इन गुणों व अवगुणों पर विचार कर अवगुणों के त्याग व गुणों के ग्रहण की सभी शिक्षकों को प्रतिज्ञा लेनी चाहिये। विद्यार्थियों के लक्षण भी महर्षि दयानन्द ने महाभारत के आधार पर लिखे हैं। वह हैं कि शरीर और बुद्धि में जड़ता, नशा, मोह, किसी वस्तु में फंसावट, चपलता और इधर-उधर की व्यर्थ कथा करना सुनना, पढ़ते पढ़ाते रुक जाना, अभिमानी, अत्यागी होना ये सात दोष विद्यार्थियों में होते हैं। जो ऐसे दोषों से युक्त विद्यार्थी होते हैं, उनको विद्या कभी नहीं आती। सुख भोगने की इच्छा करने वाले को विद्या कहां? और विद्या पढ़ने वाले को सुख कहां? क्योंकि विषय-सुखार्थी विद्या को और विद्यार्थी विषयसुख को छोड़ दें। ऐसा किये विना विद्या कभी नहीं आ सकती। कैसे विद्यार्थियों को विद्या आती है, इसका उत्तर है कि जो सदा सत्याचार में प्रवृत्त, जितेन्द्रिय और जिन का ब्रह्मचर्य सच्चा व अखण्डित हो, वे ही विद्वान होते हैं। इसलिये शुभ लक्षणयुक्त अध्यापक और विद्यार्थियों को होना चाहिये। महर्षि दयानन्द अपने विचार व मान्यतायें बताते हुए लिखते हैं कि अध्यापक लोग ऐसा यत्न किया करें कि जिससे विद्यार्थी लोग सत्यवादी, सत्यमानी, सत्यकारी सभ्यता, जितेन्द्रिय, सुशीलतादि शुभगुणयुक्त शरीर और आत्मा का पूर्ण बल बढ़ा के समग्र वेदादि शास्त्रों में विद्वान् हों। सदा उन की कुचेष्टा छुड़ाने में और विद्या पढ़ाने में चेष्टा किया करें और विद्यार्थी लोग सदा जितेन्द्रिय, शान्त, पढ़ानेहारों में प्रेम, विचारशील, परिश्रमी होकर ऐसा पुरुषार्थ करें जिससे पूर्ण विद्या, पूर्ण आयु, परिपूर्ण धर्म और पुरुषार्थ करना आ जाय। यह कार्य व इनको करके अध्यापक ब्राह्मण वर्ण के कहलाते है। हम समझते हैं कि महर्षि दयानन्द के उपर्युक्त विचारों व मान्यताओं में आदर्श गुरु व शिष्य का चित्र उपस्थित हुआ है। हमारे शिक्षाविदों को इस पर विचार कर इसका शिक्षा प्रणाली में समावेश करना चाहिये। कम आयु के बच्चों में सदाचार व सदग्रन्थों वेद, दर्शन, उपनिषद, मनुस्मृति एवं सत्यार्थप्रकाश आदि की शिक्षा आवश्यक है। इनको पूर्ण वा आंशिक ही पाठ्यक्रम में सम्मिलित किया जाना चाहिये तभी हमें अच्छे शिक्षक व शिष्य प्राप्त होंगे। समूचे देश में संस्कृत अनिवार्य विषय के रूप से पढ़ाई जाये, इससे शिक्षा की बहुत सेवा होगी। इसी के साथ लेख को विराम देते हैं।

बीमारी

आचार्य रजनीश ओशो/ ध्यान रखना, सवाल है ~ उसे ऐसा प्रतीत नहीं होता कि यह बीमारी में हूं या मैं बीमार हूं। बीमारी तो आती है; जैसे तुम्हें आती है, उसे भी आती है। अरे, जब भूख आती है, प्यास आती है; जवानी आती है, बुढ़ापा आता है, तो बीमारी न आएगी? बीमारी भी आएगी, बुढ़ापा भी आएगा और मृत्यु भी आएगी। मगर तीर्थंकर को जरा भी प्रभावित नहीं करती। ‘तीर्थंकर अछूता रह जाता है, अस्पर्शित रह जाता है। यह तो बात समझ में आने की है। लेकिन यह बात मूढ़तापूर्ण हो जाती है जब तुम कहने लगते हो ~ बीमारी ही नहीं आती है। फिर~ तुम्हें न मालूम क्या-क्या कहानियां गढ़नी पड़ती हैं। झूठी कहानियां! एक झूठ को बचाने के लिए हजार झूठ गढ़ने पड़ते हैं। तो यह कहानी गढ़नी पड़ी है जैनों को। क्योंकि इस बात को झुठलाएं कैसे कि छह महीने महावीर पेचिश की बीमारी से परेशान रहे? अब इस बात को छिपाएं कैसे? छह महीने उनको दस्त ही लगते रहे। इसी में उनकी मृत्यु हुई। तो कहानी गढ़नी पड़ी। कहानी गढ़ी कि गोशालक ने उनके ऊपर तेजोलेश्या छोड़ी। गोशालक ने जादू किया, काला जादू। जैन शास्त्रों में उसका नाम है तेजोलेश्या। उसने अपना सारा क्रोध, अपनी क्रोधाग्नि उनके ऊपर फेंक दी। और करुणावश वह उस क्रोधाग्नि को पचा गए क्योंकि वापस भेजें तो गोशालक मर जाएगा। गोशालक न मरे, इसलिए वे पी गए उस तेजोलेश्या को, उस काले जादू को। स्वभावत~ जब काला जादू पीया, तो पेट खराब हो गया। अब क्या कहानी गढ़नी पड़ी! सीधी सादी बात है ‘कि पेट को बीमारी थी’। इसमें बिचारे गोशालक को फंसाते हो, तेजोलेश्या की कहानी गढ़ते हो, करुणा दिखलाते हो और तुम कहते हो कि तीर्थंकर सर्वशक्तिशाली होता है। तो तेजोलेश्या को पचाते तो पूरा ही पचा जाना था, फिर क्या पेट खराब करना था। पचा ही जाता पूरा। फिर पेट कैसे खराब हुआ? पचा नहीं पाया। नहीं तो पेट खराब नहीं होना था। पची नहीं तेजोलेश्या। शरीर के अपने नियम हैं। अपना गणित है। शरीर प्रकृति का हिस्सा है। और प्रकृति कोई अपवाद नहीं करती। तो जो परिणाम होना था, वह हुआ। मृत्यु उससे फलित हुई। मृत्यु भी होती है, बीमारी भी होती है, बुढ़ापा भी होता है। फिर जो भी साक्षीभाव को उपलब्ध हो गया है, वह सिर्फ देखता रहता है, उसका कहीं भी ऐसा तालमेल नहीं बैठ जाता कि मैं बीमार हूं। यह बात उठती नहीं, यह बात जुड़ती नहीं उसके भीतर। इसलिए बीमारी के बीच भी वह परम स्वस्थ होता है।

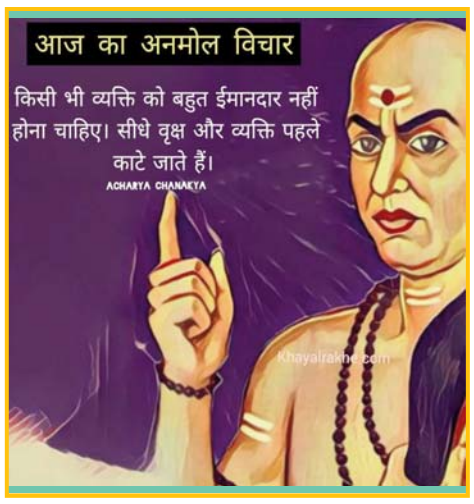

आज का राशिफल

मेष अर्थिक योजना सफल होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

वृषभ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। नए अनुबंध प्राप्त होंगे। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। किसी रिश्तेदार के आगमन से मन प्रसन्न रहेगा। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें। अपनों से तनाव मिलेगा।

कर्क व्यावसायिक योजना सफल होगी। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। आय और व्यय में एक संतुलन बना कर रखें अन्यथा कर्ज की स्थिति आ सकती है। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी।

सिंह प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। धन लाभ की संभावना है। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

कन्या पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें।

तुला व्यावसायिक तथा आर्थिक प्रयास सफल होंगे। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

वृश्चिक आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। अनावश्यक खर्चों का सामना करना पड़ेगा। पिता या उच्चाधिकारी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। संतान के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

धनु व्यावसायिक तथा आर्थिक योजनाएं सफल होंगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। खान-पान में संयम रखें। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। विरोधियों का पराभव होगा।

मकर पारिवारिक जनों से पीड़ा मिल सकती है। संतान के संबंध में चिंतित रहेंगे। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। प्रियजन पीड़ा मिल सकती है।

कुम्भ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। विरोधी परास्त होंगे।

मीन गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें, चोरी या खोने की आशंका है। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें।

वाणी से पहचानें कौन कैसा है?

प्रकाशनार्थ/ - डॉ. दीपक आचार्य

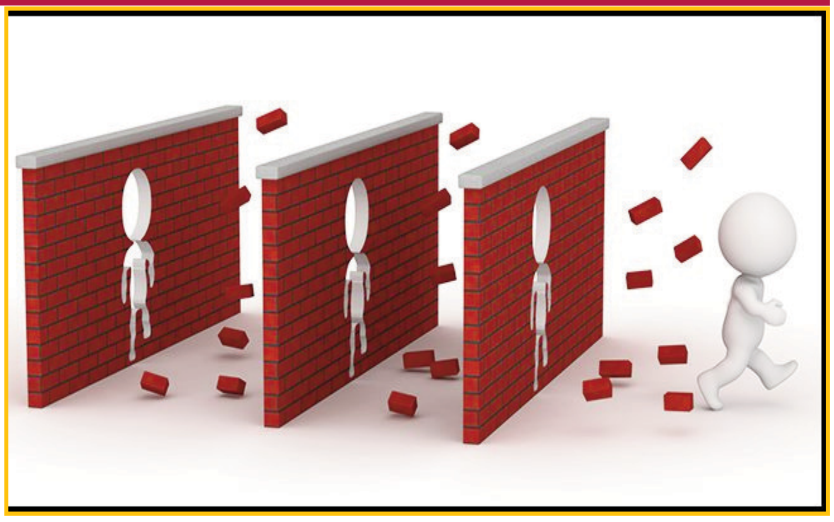

व्यक्ति के जीवन में सफलता-असफलता का सर्वोपरि संकेतक है वाणी। इसी से पहचाना जा सकता है कि कौन कैसा है, किस तरह का है और उसका भविष्य क्या होगा। जब दो या तीन लोग आपस में चर्चा कर रहे हों और उनकी आवाज पन्द्रह-बीस फीट और इससे दूर तक भी सुनाई दे, इसी प्रकार जो लोग बिना जरूरत के जोर-जोर से बोलते हैं, चिल्ला-चिल्ला कर बातें करते हैं, वे नीच किस्म के होते हैं और उनका व्यक्तित्व पीपे की तरह खोखला किन्तु बजते हुए शोर मचाने वाला होता है। जबकि जो लोग उतना ही तेज बोलते हैं कि पास खड़े या बैठे व्यक्ति तक अच्छी तरह सुनाई पड़े, वे भारी और समृद्ध व्यक्तित्व के धनी होते हैं। इसी प्रकार जो लोग जरूरत से भी कम वोल्यूम में बोलते हैं वे भ्रष्ट और पाखण्डी होते हैं या फिर अपराधबोध से ग्रस्त अथवा अज्ञात भय से ग्रस्त। इनमें अपवाद संभव है। जिन लोगों की वाणी स्पष्ट नहीं होती, उनमें भी अधिकांश भ्रष्ट और बेपटरी होते हैं। खूब सारे लोग होते हैं जिनके कण्ठ से वाणी निकलती ही नहीं, बोलते भी हैं तो लगता है कि जैसे मर-मर कर बोल रहे हैं। वाणी की स्पष्टता न होना किसी न किसी रूप में चित्त या शरीर की अशुद्धि, बुरी आदतों और चतुर स्वभाव का संकेत है। आपस में वार्तालाप धीरे-धीरे करने वाले किन्तु दूसरे लोगों को देखते ही अपने आपको कर्मरत दिखाने की गरज से जोर-जोर से चिल्ला कर काम करने वालों की संख्या आजकल अधिक होती जा रही है। ऐसे लोग कम समय और न्यून परिश्रम में अधिक से अधिक पाने और बिना मेहनत के श्रेय पाने के लिए सदैव आतुर रहा करते हैं। बातचीत और वाणी का प्रभाव तभी पड़ता है जब व्यक्ति मितभाषी हो, अर्थात् बिना वजह बोलने से परहेज रखने वाला हो। ऐसे व्यक्ति जो कुछ बोलते हैं उनके शब्दों में ऊर्जा समाहित होती है इसलिए कम शब्दों में अभिव्यक्ति होने पर भी इनके शब्दों का असर प्रभावी होता है। इसके ठीक विपरीत जो लोग अधिक बोलते रहने की आदत पाले होते हैं वे सैकड़ों-हजारों शब्दों का वमन करने के बावजूद न तो अपनी बात को साफ ढंग से समझा सकते हैं, न उनके भाषणों, सीख या किसी भी बात का कोई प्रभाव पड़ता है। इसका कारण यह है कि उनके शब्द ऊर्जा हीन एवं खोखले होते हैं। वाणी परमाणु ऊर्जा से अधिक समर्थ एवं अपरिमित शक्ति सम्पन्न होती है। ऐसे में इसका जितना कम से कम उपयोग होता है, उतनी दिव्य, माधुर्य और प्रभावकारी होती है। फिर जो लोग मन, कर्म और वचन से सच्चे नहीं होते, उनके भाषणों, उपदेशों, शब्दों या बातों का कोई प्रभाव नहीं होता। जो लोग सत्याश्रयी हैं उनकी वाणी में ब्रह्मास्त्र की शक्ति होती है। इसलिए ऐसे लोग चन्द शब्द ही कहते हैं और इसका अतुलनीय प्रभाव सामने आता है। इनकी वाणी में न केवल दम होता है बल्कि इनके द्वारा कहे गए शब्द दिमाग और दिल में कई दिनों तक गूंजते रहकर जबर्दस्त प्रभाव छोड़ते हैं। आज हमारे जीवन में पग-पग पर असफलताएं दिखती हैं, हमारे ईच्छित काम नहीं होते, हमारी कही हुई बातें झूठ साबित होती हैं, हमारे आशीर्वाद और शुभकामनाएं कहीं कोई प्रभाव नहीं छोड़ पाते, हमारे द्वारा दी जाने वाली संवेदनाएं और श्रद्धान्जलियों का कोई प्रभाव दिवंगत आत्मा की मुक्ति में कहीं कोई सहयोग नहीं कर पाते। सब कुछ केवल औपचारिकताओं का झूठा और दिखाऊ नग्न नृत्य होकर रह गया है। हम आजकल जो कुछ कर रहे हैं वह केवल दिखावे के लिए ही, और वह भी इसलिए कि हमारी छवि लोकप्रिय और सकारात्मक बनी रहे, लोग हमसे खुश रहें और वक्त जरूरत हमारे काम आते रहें। हमारी पूरी जिन्दगी की बुनियाद ही वाणी की सच्चाई पर टिकी है और यह नींव तभी तक मजबूत रहती है जब तक जीवन में सत्य का आश्रय रहे अन्यथा केवल टाईमपास जिन्दगी के सिवा ये दुनिया-जहाँ हमारे लिए कुछ नहीं। जैसे आए थे वैसे ही जाना है, यही सत्य है। जीवन भर भले ही सत्य से दूर रहे हों, पर अन्ततः राम नाम सत्य होना ही है और इसे भी हम स्वयं सुन नहीं पाते। वे ही बोलते-सुनते हैं जो हमें मरघट तक ले जाते हैं। यह सोचकर कि अंतिम मौका है, निभा लें। फिर तो भूल जाना है, हमेशा-हमेशा के लिए भुला देना है। जो व्यक्ति जितना अधिक निर्मल चित्त और स्पष्ट वक्ता होता है, उसकी वाणी उतनी ही अधिक मुखर और मधुर होगी। व्यक्तित्व का सबसे पहले प्रभाव मुख और वाणी से ही पहचाना जा सकता है। किसी भी व्यक्ति की बोली से पहचान हो सकती है कि कौन कितना निम्न और हल्का है अथवा कौन कितना शालीन और भारी व्यक्तित्व का है। अनावश्यक जोर-जोर से बोलने वाले लोगों की बुद्धि व स्मरण शक्ति कमजोर रहती है और उनकी मृत्यु दूसरों की अपेक्षा जल्दी होती है। अपने आपको जानें, आस-पास वालों को जानें तथा मूल्यांकन करें कि हम और हमारे लोगों को सुधरना है या फिर यों ही मृत्यु आने तक टाईमपास विफल जिन्दगी का ही वरण करते हुए बिना किसी भूमिका या उपलब्धि के इस कहावत को सार्थक करना - लौट के बुद्धू घर को आए।

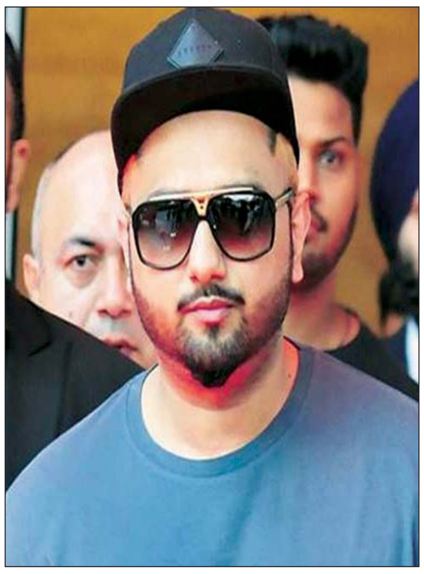

यो यो हनी सिंह ने उनके खिलाफ घरेलू हिंसा के मामले में सुनवाई बंद कमरे में करने का आग्रह किया

पंजाबी गायक यो यो हनी सिंह ने दिल्ली की एक अदालत में याचिका दायर कर उनकी पत्नी द्वारा उनके खिलाफ घरेलू हिंसा के मामले में दायर याचिका पर बंद कमरे में सुनवाई करने का आग्रह किया। मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट तानिया सिंह ने हनी सिंह और उनकी पत्नी शालिनी तलवार को अपने कक्ष में बुलाकर काफी देर समझाया भी। पिछली सुनवाई पर हनी सिंह अदालत में पेश नहीं हुए थे। इस पर अदालत ने उन्हें फटकार लगाई थी और अंतिम चेतावनी भी दी थी। न्यायाधीश ने कहा था, '' कोई भी कानून से ऊपर नहीं है।''

शालिनी तलवार ने पति हनी सिंह के खिलाफ घरेलू हिंसा का मामला दर्ज कराया है और हर्जाने के तौर पर 20 करोड़ रुपये की मांग की है। गौरतलब है कि हृदेश सिंह उर्फ यो यो हनी सिंह और तलवार 23 जनवरी, 2011 को वैवाहिक बंधन में बंधे थे। तलवार ने अपनी याचिका में आरोप लगाया है कि सिंह ने पिछले 10 वर्षों में उन्हें शारीरिक प्रताड़ना दी। साथ ही सिंह ने उनके साथ धोखा भी किया। अदालत में तलवार का पक्ष संदीप कौर ने रखा और सिंह की ओर से रेबेका जॉन पेश हुईं।

रकुल प्रीत सिंह पहुंचीं ईडी के दतर, 4 साल पुराने ड्रग्स केस में होगी पूछताछ

बॉलीवुड एक्टर सुशांत सिंह के निधन के बाद सामने आए ड्रग्स केस में ईडी ने कई बॉलीवुड सेलेब्स से पूछताछ की थी। वहीं इस मामले में कुछ सेलेब्स को जेल तक जाना पड़ा है। बीते दिनों टॉलीवुड इंडस्ट्री के कई सेलेब्स एक ड्रग्स केस की चपेट में आ गए थे। ईडी ने साउथ इंडस्ट्री के करीब 10 सेलेब्स को तलब किया था इन्हें अलग-अलग दिन पूछताछ के लिए बुलाया गया है। ड्रग्स तस्करी और सेवन का केस तेलंगाना आबकारी एवं निषेध विभाग द्वारा रजिस्टर किया गया था। इस केस में रकुल प्रीत सिंह, राणा दाग्गुबाती, रवि तेजा, चार्मी कौर और निर्देशक पुरी जगन्नाथ जैसे सेलेब्स के नाम शामिल है। खबरों के अनुसार टॉलीवुड और बॉलीवुड की मशहूर एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह इस केस में प्रवर्तन निदेशालय की डायरेक्टर एजेंसी के अधिकारियों के सामने पेश होने पहुंच गई हैं। एक्ट्रेस हैदराबाद में ईडी कार्यालय पहुंची हैं। रकुल प्रीत सिंह से पूछताछ की जा रही है। यह चार साल पुराना ड्रग्स केस का मामला है और सभी हस्तियों को ड्रग्स और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में तलब किया गया है। बताया जा रहा है कि जब यह मामला सामने आया था तब करीब आठ लोगों के खिलाफ चार्ज शीट दायर की गई थी, जिनमें ज्यादातर ड्रग्स की तस्करी करने वाले लोग शामिल थे। इनमें से ज्यादातर निचले स्तर के ड्रग्स तस्कर थे। जांच में इन नामी सेलिब्रिटीज के नाम सामने आए हैं।

मुझे पता है कि सुशांत को मुझ पर गर्व हो रहा होगा : अंकिता लोखंडे

अंकिता लोखंडे और दिवंगत सुशांत सिंह राजपूत के पात्रों अर्चना और मानव के बीच वास्तविक और रील-लाइफ के बीच की रेखा अक्सर धुंधली थी। टीवी सीरियल पवित्र रिश्ता 2009 में प्रसारित होना शुरू हुआ था। शो के मेन लीड रहे सुशांत का पिछले साल 14 जून को निधन हो गया था। शो पवित्र रिश्ता 2.0 का नया सीजन रिलीज होने के लिए तैयार है, सुशांत की अभिनेत्री, प्रेमिका और को-स्टार अंकिता का कहना है कि वह शो के माध्यम से सुशांत की याद को जीवित रखने की कोशिश कर रही हैं और उनका मानना है कि सुशांत उन पर गर्व महसूस कर रहे होंगे।

अंकिता ने आईएएनएस को बताया कि हमारे प्रशंसकों ने मानव और अर्चना के बीच जो देखा वह प्यार था। शायद इसीलिए दोनों पात्रों के बीच की केमिस्ट्री इतनी जादुई लग रही थी। जब मैंने और सुशांत ने शो के लिए काम करना शुरू किया, तो सब कुछ बहुत ही ऑर्गेनिक तरीके से बनाया गया था। आप जबरदस्ती ऐसा जादू नहीं क्रि एट कर सकते है। दर्शकों ने मेरे और सुशांत के बीच जो देखा यह प्योर प्यार था। जब मैं शो के नए सीजन की शूटिंग के लिए वापस सेट पर गई तो मेरे दिमाग में हजारों बातें घूम रही थीं। मैं पवित्र रिश्ता और उसकी सारी यादों के साथ पिछले 12 सालों से जी रही हूँ। लेकिन इस बार, जब मैं सेट पर वापस गई, यह जानते हुए कि सुशांत मेरे साथ नहीं हैं, यह बताना मुश्किल है कि मुझे कैसा लग रहा था। पता नहीं कोई मेरी मनःस्थिति को समझेगा की नहीं, पर मैं इसे कभी भी शब्दों में नहीं समझा पाऊंगी।

इसके बाद अंकिता फूट-फूट कर रोने लगी।

अंकिता ने आगे कहा कि लेकिन मुझे हमेशा लगता है कि सुशांत हम सभी को देख रहे हैं, जिस तरह से हम शो बना रहे हैं और मुझे पता है कि सुशांत को मुझ पर बहुत गर्व हो रहा होगा है। सुशांत ने मानव को बनाया था और मैं शो के माध्यम से उनकी विरासत को जीवित रखने की कोशिश कर रही हूं। देखिए, सुशांत हो या मानव उनकी मौजूदगी की जगह कोई नहीं ले सकता, जिस तरह से उन्होंने उस किरदार में जान फूंक दी थी।

मुझे यकीन है कि मैंने सुशांत के साथ जो केमिस्ट्री साझा की, उसे कभी किसी के साथ साझा नहीं किया जा सकता है, लेकिन हम एक और मानव बना सकते हैं, है ना? जब मैंने और सुशांत ने काम करना शुरू किया तो हमें नहीं पता था कि हमारी ऑन-स्क्रीन जोड़ी को कैसे स्वीकार किया जाएगा।, लेकिन ऐसा हुआ। मुझे उम्मीद है, नए सीजन में भी ऐसा ही होगा क्योंकि शहीर एक अच्छे अभिनेता हैं और वह पूरी मेहनत कर रहे हैं। पवित्र रिश्ता 2.0 का नया सीजन 15 सितंबर को जी5 पर रिलीज होगा। नए सीजन में मानव का किरदार शहीर शेख निभाएंगे। पिछले साल सुशांत की अचानक मौत के बाद असंवेदनशील मीडिया कवरेज, मीडिया ट्रायल, सोशल मीडिया पर लगातार ट्रोलिंग और अवांछित जहरीले माहौल ने अंकिता सहित सुशांत से जुड़े सभी लोगों को प्रभावित किया क्योंकि उन्हें सोशल मीडिया पर भी ट्रोल किया गया था।

यह पूछे जाने पर कि जब वह पीछे मुड़कर देखती हैं, तो वह पूरी स्थिति को कैसे समझाती हैं, अंकिता ने जवाब दिया कि जब मैं उन पुराने एपिसोड में वापस जाती हूं, तो खुद को और सुशांत को एक साथ देखती हूं, निश्चित रूप से मैं बहुत सारी भावनाओं, उतार-चढ़ाव से गुजरती हूं। प्यार अभी भी है और यह हमेशा रहेगा। मैं अभी भी हर बार टूट जाती हूं लेकिन मुझे पता है कि मुझे अनुभव के साथ बढ़ना है और कम से कम मुझे वह जीवन जीने का मौका देने के लिए भगवान का शुक्रिया अदा करना है जो मैं जी रही हूं।

मेडे के अगले शेड्यूल के लिए रूस रवाना हुए अजय

एक्टर अजय देवगन इन दिनों अपनी आगामी फिल्म मेडे को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म में अजय मुय भूमिका निभाने के साथ-साथ निर्देशन भी खुद ही कर रहे हैं। फिल्म में एक्टर के अलावा सुपरस्टार अमिताभ बच्चन भी अहम भूमिका में है। इस फिल्म की अगले शेड्यूल की शूटिंग अजय रूस करेंगे। मेडे के लिए फिल्म की टीम को इंटरनेशनल ट्रैवलिंग की अनुमति दे दी गई है। जबकि अजय देवगर इसके अगले शेड्यूल की शूटिंग के लिए रूस रवाना हो चुके हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अजय देवगन और उनकी टीम मॉस्को के लिए उड़ान भर चुकी है और वह एक हफ्ते तक मॉस्को में रुकेगी। वहां अलग अलग लोकेशंस पर शूटिंग होनी है। रकुल प्रीत सिंह और बोमन ईरानी भी साथ होंगे। अजय देवगन, रकुल प्रीत सिंह और बोमन ईरानी कथित तौर पर रूस में कई महत्वपूर्ण हवाई अड्डे के दृश्यों की शूटिंग करेंगे। मेडे की शूटिंग पहले ही मुंबई और हैदराबाद में बड़े पैमाने पर की जा चुकी है। फिल्म की बात करें तो मेडे एक एविएशन थ्रिलर फिल्म है, जिसमें अजय और रकुल पायलट की भूमिका निभा रहे हैं। यह फिल्म 29 अप्रैल 2022 को रिलीज की जाएगी।

अभी-अभी बदलने लगी थी सिद्धार्थ की जिंदगी : पायल घोष

अभिनेत्री और राजनेता पायल घोष अभिनेता सिद्धार्थ शुक्ला के निधन की खबर सुनकर सदमे में हैं। वह कहती हैं कि यह अविश्वसनीय है कि उनके जैसे स्वास्थ्य के प्रति जागरूक व्यक्ति को दिल का दौरा पड़ेगा। पायल गुरुवार को एक इवेंट के रेड कार्पेट पर बोल रही थीं। उन्होंने कहा, मुझे पता तब चला, जब मैं यहां आई। मैं उनके बारे में बात करने में असमर्थ हूं। ऐसा लगता है कि मेरे शरीर को लकवा मार गया है। मुझे विश्वास नहीं हो रहा कि ऐसा कुछ हो सकता है। वह सिर्फ 40 साल के थे और स्वास्थ्य सनकी थे। यह आपको सिर्फ यह महसूस कराता है कि आप भाग्य से नहीं लड़ सकते। अगर भाग्य में ऐसा लिखा है, तो आप कुछ भी कर लें, आप इससे नहीं लड़ सकते। सिद्धार्थ की बिग बॉस 13 की जीत का जिक्र करते हुए वह कहती हैं, वह बहुत प्यारा लड़का था। बिग बॉस के बाद उसे प्रसिद्धि मिलने लगी थी, उसकी जिंदगी बदल रही थी और फिर अचानक ऐसा हुआ। साथ निभाना साथिया की अभिनेत्री ने सिद्धार्थ के साथ अपनी आखिरी मुलाकात को याद किया। वह कहती हैं, मैं उनसे एक महीने पहले मिली थी। हमारे पास एक ही हेयर स्टाइलिस्ट है और साथ में हमने बहुत सारे चुटकुले सुनाए। मैं उन्हें अब चार-पांच साल से जानती हूं। सिद्धार्थ को दिल का दौरा पड़ा और गुरुवार को मुंबई के कूपर अस्पताल में उनका निधन हो गया।

एसिड अटैक सर्वाइवर की जान बचाने में दीपिका ने दिया योगदान

एसिड अटैक सर्वाइवर बाला को जिंदगी के लिए संघर्ष करते हुए एक नई उम्मीद मिली है क्योंकि स्टार एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण ने उनकी जान बचाने के लिए मदद का हाथ बढ़ाया है। एसिड अटैक सर्वाइवर किडनी की जानलेवा बीमारी से पीड़ित है। उन्हें जीवित रहने के लिए तत्काल किडनी ट्रांसप्लांट की जरूरत है। यह बात दीपिका तक पहुंचने के बाद, उन्होंने बाला बचाओ अभियान के लिए 10,00,000 रुपये का दान दिया। बाला एक वास्तविक जीवन की स्टार हैं, जिन्हें द कपिल शर्म शो में प्रदर्शित होने के अलावा, मेघना गुलजार द्वारा निर्देशित दीपिका पादुकोण-स्टारर फिल्म छपाक में भी दिखाया गया था। उसकी दोनों किडनी फेल होने के कारण उसकी हालत दिन-ब-दिन बिगड़ती जा रही है और वह किसी तरह डायलिसिस पर जी रही है। एसिड अटैक सर्वाइवर होने के कारण उनकी कमजोर इम्युनिटी पहले से ही उनके जीवन के लिए खतरा है। बाला को अभी भी इस त्रासदी से बाहर आने के लिए और ज्यादा आर्थिक मदद की आवश्यकता है और इसलिए छांव फाउंडेशन जितना संभव हो उतना समर्थन मांग रहा है। क्राउडफंडिंग प्लेटफॉर्म मिलाप पर सेव बाला नाम का फंडरेजिंग कैंपेन शुरू किया गया है।

ओडिशा GST शाखा ने 323 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया

भुवनेश्वर: ओडिशा की जीएसटी प्रवर्तन शाखा ने 323 करोड़ रुपए की जीएसटी धोखाधड़ी का खुलासा किया है और राज्य में फर्जी चालान बनाने से जुड़ी गतिविधियों में एक चार्टर्ड अकाउंटेंट सहित दो मास्टरमाइंड को गिरफ्तार किया है। राज्य जीएसटी प्रवर्तन शाखा ने बृहस्पतिवार को झारसुगुड़ा के चार्टर्ड अकाउंटेंट अमित कुमार अग्रवाल और एस.एस सिंडिकेट, भुवनेश्वर के मालिक सतेंद्र कुमार यादव को गिरफ्तार किया। कटक स्थित वाणिज्यिक कर और वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) आयुक्तालय द्वारा शुक्रवार को जारी एक बयान में कहा गया कि दोनों को 13 फर्जी कंपनियां बनाने और संचालन में शामिल मास्टरमाइंड माना जा रहा है। अग्रवाल को झारसुगुडा में और यादव को भुवनेश्वर में गिरफ्तार किया गया। दोनों ने अन्य लोगों के साथ मिलीभगत में 13 फर्जी/अस्तित्वहीन व्यावसायिक संस्थाओं के नाम पर 1,819 करोड़ रुपए के नकली खरीद और बिक्री के चालान बनाकर 323 करोड़ रुपये के फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) का लाभ उठाया और उसे आगे बढ़ा दिया। बयान में कहा गया कि गिरोह ने हाल ही में पेश किए गए जीएसटी के सरलीकरण का फायदा उठाकर धोखाधड़ी की।

वेदांता की सामाजिक पहल से 2020-21 में 4.2 करोड़ लोगों को पहुंचा फायदा

नई दिल्ली। दुनिया की सबसे बड़ी प्राकृतिक संसाधन कंपनियों में से एक, वेदांता लिमिटेड ने अपनी विभिन्न सामाजिक विकास पहलों के माध्यम से देश भर में 4.23 करोड़ लोगों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव डाला है। कंपनी ने शुक्रवार को जारी अपनी पहली सामाजिक प्रभाव (सोशल इंपेक्ट) - सीएसआर रिपोर्ट में यह घोषणा की। वेदांता का वर्षो से भारत में कई प्रभावशाली सीएसआर कार्यक्रमों में विशेष योगदान रहा है और इसे देश में सबसे अधिक सामाजिक रूप से जिम्मेदार कॉर्पोरेट्स में से एक माना जाता है। कंपनी ने पिछले वित्तीय वर्ष में विभिन्न सीएसआर गतिविधियों पर 331 करोड़ रुपये खर्च किए, जिसमें महामारी राहत कार्यों, बच्चों की भलाई और शिक्षा, महिला सशक्तिकरण, स्वास्थ्य देखभाल, टिकाऊ कृषि और पशु कल्याण, युवाओं के बाजार से जुड़े कौशल, पर्यावरण संरक्षण, सामुदायिक बुनियादी ढांचे के विकास आदि पर ध्यान केंद्रित किया गया। व्यापक सामाजिक प्रभाव रिपोर्ट लक्ष्य और उद्देश्यों, कार्यान्वयन और ऑडिट दिशानिर्देशों के साथ-साथ शिक्षा, स्थायी आजीविका, स्वास्थ्य, कौशल, महिला सशक्तिकरण, पर्यावरण, खेल, पानी, स्वच्छता और सामुदायिक विकास सहित विभिन्न क्षेत्रों में देश भर में 56 प्रॉमिस परियोजनाओं में की जा रही गतिविधियों सहित वेदांता की सीएसआर नीति बताती है। इस साल की शुरुआत में, वेदांता ने अनिल अग्रवाल फाउंडेशन (एएएफ) के माध्यम से सामाजिक विकास रोडमैप की घोषणा की और अपने ग्रामीण उत्थान कार्यक्रमों के लिए उनके गिव बैक टूवर्ड्स इट्स रूरल अपलिफ्टमेंट प्रोग्राम्स के हिस्से के रूप में 5,000 करोड़ रुपये का वादा किया। एएएफ का स्वस्थ गांव अभियान, 12 राज्यों के 1,000 गांवों में शुरू से अंत तक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करेगा, जिससे 20 लाख से अधिक लोगों का जीवन सकारात्मक रूप से प्रभावित होगा। एएएफ महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के साथ साझेदारी में अपना प्रमुख नंद घर प्रोग्राम भी चला रहा है, जिसका उद्देश्य पोषण, स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा और महिला सशक्तिकरण के लिए महत्वपूर्ण पहुंच प्रदान करना है। भारत में 13.7 लाख आंगनवाड़ियों में 7 करोड़ बच्चों और 2 करोड़ महिलाओं के जीवन को बदलने की दृष्टि से 11 राज्यों में लगभग 2400 नंद घर स्थापित किए गए हैं। रिपोर्ट के विमोचन के अवसर पर वेदांता रिसोर्सेज के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने कहा, वेदांता एक जिम्मेदार प्राकृतिक संसाधन कंपनी है और उसने हमेशा समुदाय को वापस देने में अपना उद्देश्य प्राप्त किया है और यह वेदांता लोकाचार का एक अंतर्निहित हिस्सा है। वर्षों से, वेदांता स्वास्थ्य, शिक्षा, कौशल और आजीविका के माध्यम से हमारे समुदायों के समावेशी विकास और हमारे समुदायों के साथ विकसित विश्वास प्रदान करने के माध्यम से जीवन को सकारात्मक रूप से प्रभावित कर रहा है। हम इसे यथासंभव बढ़ाना जारी रखेंगे।

यूरोपीय संघ के गोपनीयता कानून के उल्लंघन के लिए व्हाट्सएप पर 267 मिलियन डॉलर का जुर्माना

लंदन (एजेंसी)।
फेसबुक के स्वामित्व वाले व्हाट्सएप पर यूरोपीय संघ (ईयू) के डेटा गोपनीयता नियमों को तोड़ने के लिए 225 मिलियन यूरो (267 मिलियन डॉलर) का जुर्माना लगाया गया है। द वर्ज के अनुसार, आयरलैंड के डेटा प्रोटेक्शन कमीशन (डीपीसी) ने 89-पृष्ठ के सारांश में निर्णय की घोषणा की, यह देखते हुए कि व्हाट्सएप ने यूरोपीय संघ के नागरिकों को यह ठीक से सूचित नहीं किया कि यह उनके व्यक्तिगत डेटा को कैसे संभालता है, जिसमें यह भी शामिल है कि वह उस जानकारी को अपनी मूल कंपनी के साथ कैसे साझा करता है। व्हाट्सएप को अपनी पहले से ही लंबी गोपनीयता नीति में अपडेट करने और यह बदलने का आदेश दिया गया है कि यह कैसे उपयोगकर्ताओं को अपना डेटा साझा करने के बारे में सूचित करता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह इसे यूरोप के जनरल डेटा प्रोटेक्शन रेगुलेशन (जीडीपीआर) के अनुपालन में लाएगा, जो यह नियंत्रित करता है कि तकनीकी कंपनियां यूरोपीय संघ में डेटा कैसे इकट्ठा करती हैं और उसका उपयोग करती हैं। जीडीपीआर मई 2018 में लागू हुआ और व्हाट्सएप उन पहली कंपनियों में से एक थी, जिन पर नियमन के तहत गोपनीयता के मुकदमे दर्ज किए गए थे। व्हाट्सएप के प्रवक्ता ने द वर्ज को एक ईमेल में कहा कि कंपनी इस फैसले के खिलाफ अपील करेगी। प्रवक्ता ने कहा, व्हाट्सएप एक सुरक्षित और निजी सेवा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। हमने यह सुनिश्चित करने के लिए काम किया है कि हम जो जानकारी प्रदान करते हैं वह पारदर्शी और व्यापक है और ऐसा करना जारी रखेंगे। हम 2018 में लोगों को प्रदान की गई पारदर्शिता के संबंध में आज के फैसले से असहमत हैं। डीपीसी का निर्णय 2018 में एक जांच के साथ शुरू हुआ और यह जीडीपीआर नियमों के तहत लगाया जाने वाला दूसरा सबसे बड़ा जुर्माना है। इस साल जुलाई में, अमेजॅन पर यूरोपीय संघ के गोपनीयता कानूनों का उल्लंघन करने के लिए 887 मिलियन डॉलर का रिकॉर्ड जुर्माना लगाया गया था।

यूट्यूब के 50 मिलियन प्रीमियम, म्यूजिक सब्सक्राइबर -रिपोर्ट

सैन फ्रांसिस्को। गूगल ने घोषणा की है कि यूट्यूब म्यूजिक और यूट्यूब प्रीमियम के 50 मिलियन सब्सक्राइब हो गए हैं। दिसंबर 2020 में इसके 30 मिलियन सब्सक्राइबर्स थे। यह एक उल्लेखनीय वृद्धि है। द वर्ज की रिपोर्ट के मुताबिक, यह उन लोगों में एक निरंतर प्रवृत्ति को चिह्नित करता है जो यूट्यूब म्यूजिक और यूट्यूब प्रीमियम के मुफ्त वर्जन से ऊपर उठाने की तलाश में हैं। यूट्यूब म्यूजिक प्रीमियम की कीमत 9.99 डॉलर प्रति माह है और यह यूजर्स को विज्ञापन-मुक्त संगीत सुनने और डाउनलोड करने की अनुमति देता है। यूट्यूब प्रीमियम 11.99 डॉलर प्रति माह के लिया जाता है और ग्राहकों को यूट्यूब म्यूजिक के सभी लाभों तक पहुंच प्रदान करता है, साथ ही विज्ञापन-मुक्त नियमित वीडियो डाउनलोड करने और देखने देता है। प्रीमियम ग्राहक किसी अन्य ऐप का उपयोग करते समय या उनका फोन लॉक होने पर भी पृष्ठभूमि में वीडियो चला सकते हैं। गूगल ने इस पर कोई टिप्पणी नहीं की है कि 20 मिलियन-ग्राहकों की वृद्धि कैसे हुआ, लेकिन आपको बात दें कि पिछले साल गूगल अपनी प्ले म्यूजिक सेवा को बंद कर रहा दिया था।

रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर में रिकॉर्ड उछाल, मार्केट कैप 15 लाख करोड़ रुपए के पार

बिजनेस डेस्क: एशिया और भारत के सबसे बड़े रईस मुकेश अंबानी की अगुवाई वाली कंपनी रिलायंस इंड़स्ट्रीज का शेयर शुक्रवार को बीएसई पर कारोबार के दौरान 3.73 फीसदी की तेजी के साथ 2379.25 रुपए के नए रिकॉर्ड पर पहुंच गया। इसके साथ ही कंपनी का मार्केट कैप 15 लाख करोड़ रुपए को पार कर गया। रिलायंस देश की सबसे मूल्यवान कंपनी है। रिलायंस के रिटेल वेंचर रिलायंस रिटेल ने स्थानीय सर्च इंजन प्लेटफॉर्म जस्ट डायल लिमिटेड का अधिग्रहण किया है। इसके बाद से रिलायंस के शेयरों को लेकर निवेशकों में उत्साह देखा जा रहा है। रिलायंस का शेयर पिछले साल सितंबर में रिकॉर्ड हाई पर पहुंचा था। बीएसई (BSE) के आंकड़ों के मुताबिक कंपनी का शेयर दोपहर 2 बजे 2.88 फीसदी की तेजी के साथ 2359.65 रुपए पर ट्रेड कर रहा था। जुलाई के बाद से इसमें करीब 15 फीसदी तेजी आ चुकी है। कंपनी के शेयरों में तेजी की वजह वे निवेशक हैं जो आने वाले दिनों में इसमें और तेजी की उम्मीद कर रहे हैं। कोरोना का दूसरी लहर के कारण देश के कई राज्यों ने स्थानीय स्तर पर लॉकडाउन लगाया था। इससे जून तिमाही में रिलायंस का रिटेल और रिफाइनरी ऑपरेशंस प्रभावित हुआ था लेकिन अब पाबंदियों में ढील के कारण स्थिति में तेजी से सुधार हो रहा है। इससे सितंबर और दिसंबर तिमाहियों में रिलायंस के रिटेल बिजनेस में तेजी आने की उम्मीद है।

शेयर बाजारों में नए रिकॉर्ड बनाने का सिलसिला जारी, सेंसेक्स 277 अंक चढ़ा, निफ्टी 17,300 के ऊपर

(एजेंसी):

बीएसई सेंसेक्स शुक्रवार को 277 की तेजी के साथ पहली बार 58,000 अंक के ऊपर बंद हुआ। वैश्विक स्तर पर कुल मिलाकर सकारात्मक रुख तथा विदेशी संस्थागत निवेशकों की तरफ से पूंजी प्रवाह बने रहने के बीच सूचकांक में मजबूत हिस्सेदारी रखने वाले रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर में तेजी से बाजार को मजबूत मिली। तीस शेयरों पर आधारित संसेक्स 277.41 अंक यानी 0.48 प्रतिशत चढ़कर अब तक के उच्चतम स्तर 58,129.95 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह रिकार्ड 58,194 अंक तक चला गया था। इसी प्रकार, एनएसई निफ्टी 89.45 अंक यानी 0.52 प्रतिशत की तेजी के साथ रिकार्ड 17,323.60 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह रिकार्ड 17,340.10 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में 4 प्रतिशत से अधिक की तेजी के साथ सर्वाधिक लाभ में रिलायंस इंडस्ट्रीज का शेयर रहा। इसके अलावा, टाइटन, टाटा स्टील, बजाज ऑटो, मारुति और डा. रेड्डीज भी प्रमुख रूप से लाभ में रहें। दूसरी तरफ गिरावट वाले शेयरों में एचयूएल, भारती एयरटेल, एचडीएफसी बैंक, एचडीएफसी और इंडसइंड बैंक शामिल हैं।

रिलायंस सिक्योरिटीज के रणनीति मामलों के प्रमुख विनोद मोदी ने कहा कि मुख्य रूप से धातु और वाहन शेयरों में तेजी से घरेलू शेयर बाजार मजबूत हुआ। आरआईएल में जोरदार तेजी से बाजार को समर्थन मिला। वित्तीय और दैनिक उपयोग का सामान बनाने वाली कंपनियों (एफएमसीजी) को छोड़कर ज्यादातर प्रमुख सूचकांक लाभ में रहें। मझोली तथा छोटी कंपनियों के शेयरों में लिवाली बनी रही। वहीं बाजार में जोखिम के स्तर को बताने वाला 'वोलाटिलिटी इंडेक्स (उतार-चढ़ाव सूचकांक) 2 प्रतिशत ऊपर चढ़ा है। उन्होंने कहा, ''अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व की तरफ से फिलहाल उदार नीतिगत रुख बनाए रखने के बयान के बाद मुख्य रूप से विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) के निवेश में तेजी तथा घरेलू पूंजी प्रवाह जारी रहने से निफ्टी इस सप्ताह करीब 3.5 प्रतिशत मजबूत हुआ। एशिया के अन्य बाजारों में शंघाई और हांगकांग नुकसान में रहे जबकि सियोल और टोक्यो में तेजी रही। यूरोप के प्रमुख बाजारों में दोपहर कारोबार में तेजी रही।

इस बीच, अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.51 प्रतिशत मजबूत होकर 73.40 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

फ्यूचर-रिलायंस रिटेल विलय सौदा: FRL का न्यायालय से अपील पर जल्द सुनवाई का अनुरोध

नई दिल्ली (एजेंसी):

फ्यूचर रिटेल लिमिटेड (एफआरएल) ने शुक्रवार को दिल्ली उच्च न्यायालय के एक हालिया आदेश के खिलाफ उच्चतम न्यायालय में दायर अपनी नई याचिका पर जल्द सुनवाई करने का अनुरोध किया है। दिल्ली उच्च न्यायालय ने अपने आदेश में कहा था कि वह एफआरएल को रिलायंस रिटेल के साथ 24,731 करोड़ रुपए के विलय के सौदे पर आगे बढ़ने से रोकने संबंधी पहले के निर्देश को लागू करेगा। प्रधान न्यायाधीश एन वी रमण, न्यायमूर्ति सूर्य कांत और न्यायमूर्ति अनिरुद्ध बोस की तीन सदस्यीय पीठ ने एफआरएल के वकील से कहा, 'मुझे फाइल देखने दीजिए और मैं एक तारीख दूंगा।' सिंगापुर की आपातकालीन मध्यस्थता अदालत (ईए) द्वारा एफआरएल को सौदे पर आगे बढ़ने से रोकने वाले आदेश को लागू कराने के लिए अमेजन की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिल्ली उच्च न्यायालय ने 17 अगस्त को कहा था कि अगर चार सप्ताह के भीतर उच्चतम न्यायालय से कोई स्थगन नहीं मिलता है, तो वह फ्यूचर रिटेल लिमिटेड (एफआरएल) को रिलायंस रिटेल के साथ हुए सौदे में आगे बढ़ने से रोकने वाले एकल न्यायधीश के आदेश को लागू करेगा। उच्च न्यायालय की एकल न्यायाधीश की पीठ ने 18 मार्च को सिंगापुर आपात पंचाट (ईए) के फ्यूचर रिटेल को, रिलायंस रिटेल को अपना कारोबार 24,713 करोड़ रुपये में बेचने के सौदे पर रोक के आदेश को उचित ठहराया था। न्यायमूर्ति जे आर मिधा ने फ्यूचर रिटेल को निर्देश दिया था कि वह रिलायंस के साथ सौदे पर आगे कोई कार्रवाई नहीं करे। अदालत ने कहा था कि समूह ने जानबूझकर ईए के आदेश का उल्लंघन किया है। उच्च न्यायालय ने फ्यूचर समूह की सभी आपत्तियों को खारिज कर दिया था और साथ ही कंपनी और उसके निदेशकों पर 20 लाख रुपए की लागत भी लगाई थी। एफआरएल की तरफ से वरिष्ठ अधिवक्ताओं हरीश साल्वे और मुकुल रोहतगी ने पीठ से इस मामले में जल्द सुनवाई का अनुरोध किया और कहा कि अगर शीर्ष अदालत ने उसके पक्ष में आदेश पर रोक नहीं लगाई तो उच्च न्यायालय एफआरएल को रिलायंस रिटेल के साथ हुए सौदे में आगे बढ़ने से रोकने वाले एकल न्यायधीश के आदेश को लागू कर देगा। साल्वे ने कहा कि उच्च न्यायालय के आदेश के 'दूरगामी परिणाम' होंगे और एफआरएल की अपील पर नौ सितंबर को सुनवाई की मांग की क्योंकि उच्च न्यायालय के समक्ष मामला 16 सितंबर को सूचीबद्ध है। रोहतगी ने एक अन्य याचिका का हवाला देते हुए कहा कि उच्च न्यायालय ने पूरी संपत्ति कुर्क करने का आदेश दिया है और अगर फ्यूचर ग्रुप एवं अन्य को शीर्ष अदालत से अनुकूल आदेश नहीं मिला तो अवमानना की कार्रवाई शुरू की जाएगी।

जेएसपीएल के शेयरधारकों ने जिंदल पावर में 96.42 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचने को मंजूरी दी

नयी दिल्ली, जिंदल स्टील एंड पावर लिमिटेड (जेएसपीएल) के शेयरधारकों ने शुक्रवार को उसकी इकाई जिंदल पावर की 96.42 प्रतिशत हिस्सेदारी प्रवर्तकों के स्वामित्व वाली कंपनी वर्ल्डवन को बेचने के सौदे को मंजूरी दे दी। हिस्सेदारी 7,401 करोड़ रुपये में बेची जाएगी। एक सूत्र ने यह जानकारी दी। सूत्र ने पीटीआई-भाषा से कहा कि जेएसपीएल के शेयरधारकों ने तीन सितंबर, 2021 को आयोजित असाधारण आम बैठक (ईजीएम) में वर्ल्डवन को जिंदल पावर की हिस्सेदारी बेचने को मंजूरी दे दी। सूत्र ने बताया कि जेएसपीएल ने जिंदल पावर की 96.42 फीसदी हिस्सेदारी प्रवर्तकों के स्वामित्व वाली कंपनी वर्ल्डवन को बेचने का प्रस्ताव दिया था। वर्ल्डवन करीब 7,401 करोड़ रुपये में जिंदल पावर में जेएसपीएल के स्वामित्व वाले सभी इक्विटी शेयर और रिडीमेबल प्रेफरेंस शेयर खरीदेगी। इस 7,401 करोड़ रुपये में से 3,015 करोड़ रुपये नकद देय होंगे और बाकी 4,386 करोड़ रुपये (लगभग) अंतर-कॉर्पोरेट जमा एवं अन्य के माध्यम से दिए जाएंगे।

अमेजन पे यूपीआई का इस्तेनमाल करने वाले ग्राहकों की संख्या हुई 5 करोड़

अमेजन पे ने घोषणा कर बताया कि अमेजन पे यूपीआई का उपयोग करने वाले उपभोक्ताओं की संख्या 5 करोड़ हो गई है। इस उपलब्धि का जश्नण मनाने के लिए, अमेजन पे उन सभी उपभोक्ताओं को जो खरीदारी, बिल भुगतान, ऑनललाइन मर्चेंट्स को भुगतान करने और अपने कॉन्टैरक्ट्स को पैसे भेजने के लिए अमेजन यूपीआई का इस्तेओमाल करते हैं, सितंबर के पूरे महीने में दैनिक पुरस्काकर की पेशकश कर रहा है।

इस उपलब्धि पर बोलते हुए, महेंद्र नेरुरकर, सीईओ और वीपी अमेजन पे ने कहा, "हमारा उद्देश्यप किसी भी चीज के लिए किए जाने वाले भुगतान को भरोसेमंद, सुविधाजनक और फायदेमंद बनाना है। यूपीआई के लिए तेज स्वी कार्यता से हम उत्सा हित हैं, जो अब उपभोक्ताओं को अपने अमेजन एप के साथ खरीदारी करने के अलावा अन्य बहुत कुछ करने में सक्षम बनाता है। हम यूपीआई के माध्यउम से अपने लाखों ग्राहकों और व्या पारियों की सेवा करने के लिए अभिभूत हैं और भारत को कम नकदी वाली अर्थव्यहवस्थाक बनाने के सरकार के लक्ष्यग को पूरा करने में महत्व पूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।"

उपभोक्ता किसी भी यूपीआई क्यूकआर कोड को आसानी से स्कैान कर 2 करोड़ स्था नीय दुकानों पर भुगतान करने के लिए अमेजन एप का इस्त्ेमाल कर रहे हैं। पिछले एक साल में, अमेजन यूपीआई का इस्तेरमाल करने वाले हमारे 75 प्रतिशत से अधिक ग्राहक टियर 2 और 3 शहरों से हैं, जो यूपीआई की बढ़ती पहुंच को दर्शाता है। स्था नीय दुकानों के अलावा, उपभोक्ताप अपने फोन, डीटीएच को रिचार्ज करने, कॉन्टैसक्ट्सर को पैसे भेजने, घरेलू मददगार को वेतन का भुगतान करने,॰द्वड्ड5श्ठ्ठ.द्बठ्ठपर खरीदारी के लिए भुगतान करने और बहुत कुछ के लिए अमेजन एप के भीतर अमेजन पे का उपयोग कर सकते हैं।

उपभोक्तान अपने अमेजन एप को आसानी से खोलकर, उसमें अमेजन पे पर जाकर और कुछ ही सेकेंड में अपने यूपीआई एकाउंट को सेट करने के जरिये अमेजन पे का उपयोग करना शुरू कर सकते हैं। वे यूपीआई और अमेजन पे की 24×7 सुविधा और सुरक्षा के साथ भुगतान कर सकते हैं और दैनिक पुरस्कार का रोमांच उठा सकते हैं।

लेनोवो आइडियापैड स्लिम 5 प्रो लैपटॉप भारत में हुआ लॉन्च

नई दिल्ली (एजेंसी)।

लेनोवो ने शुक्रवार को भारतीय बाजार में आइडियापैड स्लिम 5 प्रो लैपटॉप को 11वीं जनरेशन के इंटेल कोर आई7 और एएमडी रायजेन 7 5800एच तक के प्रोसेसर के साथ लॉन्च किया। लेनोवो आइडियापैड स्लिम 5 प्रो अब लेनोवो डॉट कोम, अन्य सभी ईकॉमर्स चैनलों और ऑफलाइन स्टोर्स पर 77,990 रुपये की शुरूआती कीमत पर उपलब्ध है। लेनोवो इंडिया के कंज्यूमर बिजनेस के निदेशक दिनेश नायर ने एक बयान में कहा, आइडियापैड लैपटॉप एक रचनात्मकता, विश्वसनीयता, मल्टी-टास्किंग और सहज पोर्टेबिलिटी का चैंपियन है। यह कई स्मार्ट सुविधाओं के साथ प्रदर्शन करता है, जो इसे एक आदर्श डिवाइस बनाता है। आइडियापैड स्लिम 5 प्रो में 14 इंच का 2.2के आईपीएस एंटी-ग्लेयर डिस्प्ले है। कोई दूसरा वैरिएंट भी चुन सकता है, जिसमें 16-इंच डब्ल्यूक्यू एक्स जीए आईपीएस एंटी-ग्लेयर डिस्प्ले और 350निटस ब्राइटनेस है। 14 इंच वाला वेरिएंट 17.9 मिलीमीटर पतला है और इसका वजन करीब 1.38 किलोग्राम है, जबकि 16 इंच वाला वेरिएंट 18.4 मिलीमीटर पतला और वजन 1.9 किलोग्राम है। यह लैपटॉप 11वीं पीढ़ी के इंटेल कोर आई7 तक और एएमडी रायजेन 7 5800एच प्रोसेसर से लैस है। यह नेवेदिया गीफोर्स, इंटेल ईरिस एक्सइ और एएमडी रेडॉन द्वारा कई ग्राफिक्स विकल्पों के साथ आता है। स्लिम 5 प्रो में डुअल ऐरे माइक्रोफोन भी हैं जो माइक्रोसॉफ्ट कोरटाना और एमाजॉन एलेक्सा के साथ काम करता है। आइडियापैड स्लिम 5 प्रो लैपटॉप बढ़े टचपैड और फंक्शन एरो कीज के साथ आता है, जो वैकल्पिक बैकलाइटिंग के साथ स्पर्श नियंत्रण के लिए बेहतर हैं।

अमेज़न भारत में अपने पहले करियर डे की मेजबानी 16 सितंबर को करेगा; भारत में इस समय 8000 से ज्यादा प्रत्यक्ष नौकरियां उपलब्ध

आज अमेज़न इंडिया ने घोषणा करके बताया कि यह 16 सितंबर को भारत में अपने पहले करियर डे का आयोजन करेगा। इस वर्चुअल और इंटरैक्टिव ईवेंट में अमेज़न का नेतृत्व एवं कर्मचारी बताएंगे कि अमेज़न एक आकर्षक बाजार क्यों है, यहां पर काम करने का अनुभव कैसा है और कंपनी 21वीं सदी में भारत को अपनी वास्तविक क्षमता का विकास करने में मदद करने की अपनी प्रतिबद्धता के लिए किस प्रकार दृढ़ है।

अमेज़न इंडिया के ग्लोबल सीनियर वाईस प्रेसिडेंट एवं कंट्री हेड, अमित अग्रवाल ने कहा, ''हमारे ग्राहकों की ओर से अन्वेषण करने एवं विस्तृत स्तर पर प्रभाव उत्पन्न करने का अवसर अमेज़न को व्यक्ति के करियर का विकास करने के लिए एक अद्वितीय स्थान बनाता है।'' उन्होंने कहा, ''यह देखकर खुशी होती है कि अमेज़न के लोगों का इनोवेशन किस प्रकार दैनिक जीवन एवं आजीविकाओं को लाभ पहुंचा रहा है तथा पहले के मुकाबले अब ज्यादा ग्राहक एवं व्यवसाय हम पर भरोसा कर रहे हैं। यह हमारी शुरुआत है और हम भारत में डिजिटल परिवर्तन लाने के इस सुनहरे अवसर में अपने साथ जुड़ने के लिएमहत्वाकांक्षी निर्माताओं को तलाश रहे हैं। इस करियर दिवस पर हम 21वीं सदी में भारत की सामर्थ्य का उपयोग करने की अपनी दीर्घकालिक प्रतिबद्धता और इस विरासत को मजबूत व सशक्त बनाने के लिए करियर के अवसर साझा कर रहे हैं।''

अमेज़न ने यह घोषणा भी की कि इस समय यह देश के 35 शहरों, बैंगलुरु, हैदराबाद, चेन्नई, गुड़गांव, मुंबई, कोलकाता, नोएडा, अमृतसर, अहमदाबाद, भोपाल, कोयम्बटूर, जयपुर, कानपुर, लुधियाना, पुणे और सूरत आदि में 8,000 प्रत्यक्ष नौकरियों में भर्ती कर रहा है। नौकरी के ये अवसर कॉर्पोरेट, टेक्नॉलॉजी, कस्टमर सर्विस और ऑपरेशंस के क्षेत्र में हैं। करियर डे में दिलचस्प एवं जानकारीयुक्त सत्र होंगे, जिनमें अमेज़न के सीईओ, एंडी जैसी से एक वार्ता भी शामिल है। वो अपने खुद के करियर के अनुभव साझा करते हुए नौकरी तलाशने वालों को अपना परामर्श देंगे। अमेज़न इंडिया के ग्लोबल सीनियर वाईस प्रेसिडेंट एवं कंट्री हेड, अमित अग्रवाल ओपनिंग इंडिया का उद्बोधन संदेश देंगे, जिसके बाद अमेज़न के नेतृत्वकर्ता एवं कर्मचारी पैनल वार्ता प्रस्तुत कर 'अमेज़न में जीवन', यहां की अद्वितीय कार्यसंस्कृति तथा अमेज़न कार्य का एक उत्तम स्थल क्यों है, इस बारे में बताएंगे।

हायर इंडिया ने अपनी एन्ड्रॉयड टीवी श्रृंखला में ऑल-न्यू एस8 सीरीज़ के एआई इनेबल्ड 4के स्मार्ट एलईडी टीवी शामिल किए

नई दिल्ली। होम अप्लायंसेस एवं कंज़्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स में ग्लोबल लीडर और लगातार 12 सालों तक बड़े अप्लायंसेस में नं. 1 ब्रांड, हायर ने आज अपनी गूगल सर्टिफाईड एन्ड्रॉयड एलईडी टीवी एस8 सीरीज़ के विस्तार की घोषणा की। एस8 सीरीज़ में शामिल इन नए टीवी में क्रमश: 139 सेमी. (55 इंच) और 165 सेमी. (65 इंच) के स्क्रीन साईज़ में खूबसूरत 4के एचडीआर पिक्चर क्वालिटी है। मेटल बेजेललेस ऑल-स्क्रीन डिस्प्ले एवं फ्रंट स्पीकर डिज़ाइन इस सीरीज़ को एक स्लिम, स्टाइलिश एवं शानदार लुक प्रदान करता है। इसका अद्वितीय एवं उद्योग में प्रथम फ्रंट स्पीकर सिस्टम 30 वॉट के 6 फ्रंट स्पीकर्स के साथ बिल्कुल जीवंत व क्रिस्टल क्लियर सराउंड साउंड का अनुभव प्रदान करता है। नए टीवी का डिज़ाइन आज के समकालीन घरों की खूबसूरती के अनुरूप है और यह घर के इंटीरियर में आसानी से अपनी जगह बना लेता है। हायर द्वारा टीवी का नवनिर्मित डिज़ाइन उपभोक्ताओं के घरों को ज्यादा स्टाइलिश एवं सुंदर बनाते हुए व्यूइंग का और ज्यादा दिलचस्प अनुभव प्रदान करेगा।

इस लॉन्च के बारे में श्री एरिक ब्रैगेंज़ा, प्रेसिडेंट, हायर अप्लायंसेस इंडिया ने कहा, ''नए एस8 सीरीज़ के टेलीविज़ंस के लॉन्च के साथ हम अपने उपभोक्ताओं को आईओटी एवं एआई पॉवर्ड स्मार्ट होम प्रदान करने की अपनी प्रतिबद्धता मजबूत कर रहे हैं। हायर में, हमारा यकीन है कि समाधान अभिनव उत्पादों एवं अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी के साथ हमारे उपभोक्ताओं की विकसित होती हुई जरूरतों को संबोधित करने में है। जीवन के नए तरीके ने लोगों को ज्यादा कनेक्टेड एवं स्मार्ट लिविंग ईकोसिस्टम का अहसास कराया है।''

हायर की उन्नत टेक्नॉलॉजी से प्रेरित नई 4के एचडीआर टेलीविज़न सीरीज़ में एआई के साथ लेटेस्ट एन्ड्रॉयड 9.0 वर्ज़न सर्टिफिकेशन है और यह स्मार्ट डिवाईसेस के लिए एक आईओटी हब के रूप में काम कर सकता है, जिससे यूज़र्स अपनी कनेक्टेड डिवाइसेस आसानी से नैविगेट और नियंत्रित कर सकेंगे। इस सीरीज़ में फ्रंट-लाईन इनोवेशन एवं स्मार्ट फीचर्स, जैसे गूगल असिस्टैंट हैं, जो यूज़र्स को अपनी वॉइस कमांड द्वारा टीवी को नैविगेट करने में समर्थ बनाते हैं। स्क्रीन शेयरिंग के लिए इसमें बिल्ट-इन गूगल क्रोमकास्ट है।

प्रधानमंत्री मोदी और सचिन ने रजत पदक जीतने पर प्रवीण को दी बधाई

नई दिल्ली। टोक्यो पैरालंपिक में ऊंची कूद टी64 वर्ग में रजत पदक अपने नाम करने वाले प्रवीण कुमार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और क्रिकेट लेजेंड सचिन तेंदुलकर ने बधाई दी है। प्रवीण ने एशिया रिकॉर्ड तोड़ते हुए 2.07 मीटर का जम्प कर दूसरा स्थान हासिल किया और भारत को रजत पदक दिलाया। प्रधानमंत्री मोदी ने ट्वीट कर कहा, प्रवीण पर गर्व है जिन्होंने पैरालंपिक में रजत पदक अपने नाम किया। यह पदक कड़ी मेहनत और अद्वितीय समर्पण का नतीजा है। उन्हें बधाई और भविष्य के लिए शुभकामनाएं। सचिन ने कहा, रजत पदक जीतने और पुरुष ऊंची कूद टी44 क्लास में एशियाई रिकॉर्ड तोड़ने पर प्रवीण को बधाई। प्रवीण अपने पहले प्रयास में 2.07 मीटर के मार्क को हासिल नहीं कर सके थे। हालांकि, उन्होंने आसानी से दूसरे प्रयास में इसे हासिल किया। ओलंपिक में व्यक्तिगत स्वर्ण जीतने वाले पहले भारतीय एथलीट अभिनव बिंद्रा ने कहा, वह सिर्फ 18 साल के हैं और पैरालंपिक पदक विजेता बन गए हैं। ऊंची कूद टी44 इवेंट में रजत जीतने पर बधाई प्रवीण। भारतीय पैरालंपिक समिति की अध्यक्ष और 2016 रियो पैरालंपिक की रजत पदक विजेता दीपा मलिक ने भी प्रवीण को उनकी उपलब्धि पर बधाई दी।

पैरालंपिक (ऊंची कूद)

प्रवीण ने जीता रजत पदक

टोक्यो।

भारत के पैरा एथलीट प्रवीण कुमार ने शुक्रवार को यहां जारी टोक्यो पैरालंपिक खेलों में पुरुष ऊंची कूद टी 64 इवेंट में रजत पदक जीता। प्रवीण ने 2.07 मीटर के निजी सर्वश्रेष्ठ छलांग के साथ दूसरा स्थान हासिल किया। प्रवीण का रजत पदक टोक्यो 2020 में भारत का 11वां पदक रहा। हालांकि, इसके कुछ समय बाद पैरा निशानेबाज अवनि लेखारा ने महिला 50 मीटर राइफल थ्री पॉजिशन एसएच1 इवेंट में कांस्य पदक जीत देश को 12वां पदक दिलाया।ब्रिटेन के जोनाथन ब्रूम-एडवडर्स ने 2.10 मीटर की अंतिम छलांग के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि पोलैंड के मैसील लेपियाटो ने 2.04 मीटर की छलांग लगाकर कांस्य पदक जीता। प्रवीण के सामने लेपियाटो और जोनाथन की चुनौती थी। लेकिन लेपियाटो तीन प्रयास में 2.07 मीटर की छलांग नहीं लगा सके और लड़ाई जोनाथन और प्रवीण के बीच सीमित रही। जोनाथन ने दूसरे प्रयास में 2.10 मीटर की छलांग लगाई लेकिन प्रवीण तीनों प्रयास में उनके स्कोर की बराबरी नहीं कर सके और 2.07 मीटर के साथ उन्होंने अपनी चुनौती समाप्त की जो उनका निजी बेस्ट स्कोर और एशियाई रिकॉर्ड रहा। प्रवीण का पैरालंपिक में यह पहला पदक है। उन्होंने इससे पहले 2019 विश्व पैरा एथलेटिक्स जूनियर चैंपियनशिप में पुरुष ऊंची कूद टी44 इवेंट में रजत पदक जबकि दुबई में इस साल हुए फाजा ग्रां प्री विश्व पैरा एथलेटिक्स में एशियाई रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता था। दिलचस्प बात यह भी है कि प्रवीण को कुछ वर्षो पहले तक पैरा खेल या ऊंची कूद के बारे में कुछ पता नहीं था। उन्हें वॉलीबॉल में रूचि थी लेकिन एक बार उन्होंने ऊंची कूद प्रतियोगिता में भाग लिया और उन्हें एथलेटिक्स विशेषकर ऊंची कूद से लगाव हो गया।

पैरालंपिक (निशानेबाजी) : अवनि ने महिला 50 मीटर राइफल थ्री पॉजिशन में जीता कांस्य

टोक्यो।

भारत की पैरा निशानेबाज अवनि लेखारा ने यहां जारी टोक्यो पैरालंपिक में महिला 50 मीटर राइफल थ्री पॉजिशन एसएच 1 इवेंट में कांस्य पदक अपने नाम किया। अवनि का इस पैरालंपिक में यह दूसरा पदक है। इससे पहले उन्होंने महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल एसएच 1 वर्ग में 249.6 के स्कोर के साथ स्वर्ण पदक जीता था। अवनि के पदक जीतने के साथ ही भारत ने टोक्यो में अबतक 12 पदक अपने नाम किए हैं। अवनि 445.9 के स्कोर के साथ तीसरे स्थान पर रहीं। इस इवेंट का स्वर्ण पदक चीन की कुलपिंग झांग ने जीता जिन्होंने 457.9 का स्कोर किया जबकि जर्मनी की नतास्चा हिलट्रोप ने 457.1 अंक लेकर रजत पदक अपने नाम किया। भारत ने दिन का दूसरा पदक अपने नाम किया है। अवनि से पहले प्रवीण कुमार ने पुरुष ऊंची कूद टी 64 इवेंट में देश को रजत पदक दिलाया। अवनि इसके साथ ही एक पैरालंपिक में एक से ज्यादा पदक जीतने वाली पहली महिला और दूसरी भारतीय पैरा एथलीट बन गई हैं। उनसे पहले जोगिंद सिंह बेदी ने एक पैरालंपिक में एक से ज्यादा पदक जीते थे। बेदी ने 1984 में स्टोक मांदेविले में हुए पैरालंपिक में शॉट पुट एल 6 में रजत और भाला फेंक एफ 46 तथा डिस्कस थ्रो एल 6 इवेंट में कांस्य पदक अपने नाम किया था। अवनि अब रविवार को मिक्सड 50 मीटर राइफल प्रोन एसएच 1 इवेंट में प्रतिस्पर्धा करती नजर आएंगी। भारत ने टोक्यो पैरालंपिक में अबतक दो स्वर्ण, छह रजत और चार कांस्य सहित कुल 12 पदक अपने नाम किए हैं।

यूएस ओपन : आंद्रेस्कू ने तीसरे दौर में बनाई जगह

न्यूयॉर्क। छठी सीड कनाडा की बियांका आंद्रेस्कू ने अमेरिका की लॉरेन डेविस को हराकर यहां जारी यूएस ओपन टेनिस टूर्नामिंट के तीसरे दौर में जगह बनाई। 2019 की चैंपियन आंद्रेस्कू ने डेविस को लगातार सेटों में 6-4, 6-4 से हराया। आंद्रेस्कू ने मैच के दौरान अमेरिकी खिलाड़ी की सर्विस छह बार तोड़ी। आंद्रेस्कू ने मैच में 19 विनर्स लगाए और 23 बेजां भूलें की जबकि डेविस ने 11 विनर्स और 18 बेजां भूलें की। उन्होंने डब्ल्यूटीए टेनिस डॉट कॉम से कहा, यह मुकाबला आसान नहीं था। कई करीबी मामले थे। यहां अंक होते हैं जिसे काउंट किया जाता है। आंद्रेस्कू का अगला राउंड में सामना बेल्जियम की ग्रीट मिनेन से होगा। विश्व की 104वें नंबर की खिलाड़ी ने रूस की लिउदमिला सैमसोनोवा को हराकर तीसरे दौर में जगह बनाई है।

पैरालंपिक (तीरंदाजी) : हरविंदर ने भारत के लिए तीरंदाजी में जीता पहला पदक, हासिल किया कांस्य

टोक्यो।

भारत के पैरा तीरंदाज हरविंदर सिंह ने यहां चल रहे टोक्यो पैरालंपिक में पुरुष व्यक्तिगत रिकर्व ओपन में कांस्य पदक अपने नाम किया। हरविंदर ने शुक्रवार को यूमेनोशिमा फाइनल फील्ड में शूटआउट में दक्षिण कोरिया के किन मिन सू को 6-5 से हराया। हरविंदर रैंकिंग राउंड में 21वें स्थान पर रहे थे और उन्होंने सेमीफाइनल में अमेरिका के केविन माथेर से मिली हार से पहले तीन एलिमिनेशन मुकाबले जीते। भारत का पैरालंपिक में तीरंदाजी इवेंट में यह पहला पदक है और टोक्यो पैरालंपिक में दिन का तीसरा तथा कुल 13वां पदक है। कांस्य पदक मुकाबले में हरविंदर ने पहला सेट 26-24 से अपने नाम किया लेकिन कोरियाई खिलाड़ी ने वापसी करते हुए दूसरा सेट 29-27 से अपने नाम किया। तीसरे सेट में हरविंदर ने 28 का स्कोर किया जबकि किम 25 का स्कोर ही कर सके। हरविंदर ने 4-2 की बढ़त ली और उन्हें पदक जीतने के लिए अगला राउंड अपने नाम करने की जरूरत थी। लेकिन चौथे सेट में दोनों तीरंदाजों ने 25-25 का स्कोर किया और दोनों को एक-एक अंक मिला। पांचवें सेट में हरविंदर ने 26 का स्कोर किया लेकिन किम ने उनसे एक अंक ज्यादा का स्कोर कर मुकाबले को शूटआउट तक पहुंचाया। शूटआउट में किम ने आठ का जबकि हरविंदर ने 10 का शॉट खेला। इसी तरह भारत ने पहली बार तीरंदाजी में पैरालंपिक खेलों में कांस्य पदक जीता। भारत ने इस टोक्यो पैरालंपिक में अबतक दो स्वर्ण, छह रजत और पांच कांस्य पदक सहित कुल 13 पदक अपने नाम किए हैं।

संक्षिप्त समाचार

भाला क्रिकेट के बल्ले की तरह प्रसिद्ध हो जाएगा : अनुराग

नई दिल्ली। केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने शुक्रवार को चार पैरालंपिक पदक विजेताओं का सम्मान किया जिसमें भाला फेंक एफ 64 के स्वर्ण पदक विजेता सुमित अंतिल शामिल हैं। खेल मंत्री ने इस दौरान उम्मीद जताई कि भाला भारत में क्रिकेट के बल्ले की तरह ही लोकप्रिय हो जाएगा। केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग का बयान ऐसे समय आया है जब नीरज चोपड़ा के ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने के बाद चार पैरा एथलीटों ने भाला फेंक इवेंट में पदक जीते हैं। केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ने कहा, मुझे उम्मीद है कि भारत में भाला अब क्रिकेट के बल्ले की तरह प्रसिद्ध होगा। एथलीट्स देवेंद्र झाझरिया (भाला फेंक एफ46 रजत पदक), योगेश काथुनिया (डिस्कस थ्रो एफ56 रजत) और शरद कुमार (ऊंची कूद टी63 कांस्य पदक) यहां बैठे हैं। उन्होंने कहा, राष्ट्रीय खेल दिवस के मौके पर भारत ने चार पदक जीते और इससे अच्छी श्रद्धांजलि मेजर ध्यान चंद जी को नहीं मिल सकती। एथलीटों ने काफी मेहनत की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रोत्साहन ने भी बड़ी भूमिका निभाई है। खेल मंत्री ने कहा, सरकार ने देश में खेल इकोसिस्टम में सुधार किया है और वो टॉप्स स्कीम के तहत एथलीटों का समर्थन करती रहेगी। खेल राज्य मंत्री निसिथ प्रमाणिक और मंत्रालय के अधिकारी भी इस मौके पर मौजूद थे।

मैं भाग्यशाली हूं कि मुझे धोनी से बात करने का मौका मिला है : अनुज रावत

नई दिल्ली। राजस्थान रॉयल्स के युवा खिलाड़ी अनुज रावत का कहना है कि वह भाग्यशाली हैं कि उन्हें टीम इंडिया के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के साथ बात करने का मौका मिला है। अनुज ने कहा, मैं भाग्यशाली हूं कि मुझे धोनी के साथ कुछ बार बात करने का मौका मिला है। मैंने उनसे सिर्फ उनके बारे में पूछा कि उनका क्या मतलब है जब उन्होंने एक साक्षात्कार में कहा कि एक एथलीट को खुद के साथ ईमानदार होना चाहिए, जिस पर उन्होंने यह कहते हुए जवाब दिया कि एक एथलीट को यह जानने के मामले में खुद के साथ ईमानदार होना चाहिए कि वह क्या सही कर रहा है और क्या गलत कर रहा है। उन्होंने कहा, इसका मतलब था कि यदि आप एक दिन आलसी महसूस कर रहे हैं और एक प्रशिक्षण सत्र छोड़ देते हैं, तो आपको पता होना चाहिए कि यह गलत है और यह कि आप ही हैं जो आपके शरीर को धोखा देने के लिए जिम्मेदार हैं। अनुज ने कहा, मुझे काफी खुशी है कि मैंने राजस्थान के लिए आईपीएल डेब्यू किया है। सीजन का स्थगित होना दुखद था लेकिन तालिका में पांचवें नंबर पर होने से मेरे ख्याल से हम दूसरे चरण में अच्छे से शुरूआत कर पाएंगे। उन्होंने कहा, यह याद रखना चाहिए कि हमारे कुछ खिलाड़ियों का जाना पड़ा और कुछ खिलाड़ी ज्यादात्तर सीजन में उपलब्ध नहीं रहेंगे, मुझे लगता है कि ओवरऑल टीम का यह अच्छा प्रदर्शन था। मुझे यकीन है कि हम अगले सात मैचों में अच्छा करेंगे और प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करने में सफल होंगे।

स्वर्ण पदक विजेता सुमित और रजत पदक विजेता देवेंद्र झाझरिया का शानदार स्वागत

नई दिल्ली।

टोक्यो पैरालंपिक खेलों में भाला फेंक (एफ-64) इवेंट के स्वर्ण पदक विजेता सुमित अंतिल और रजत पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी देवेंद्र झाझरिया का यहां इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर गर्मजोशी से स्वागत किया गया। उड़ान के देर से आने और हवाई अड्डे पर कड़े कोविड -19 प्रोटोकॉल के कारण नीरज चोपड़ा और अन्य ओलंपिक एथलीटों की तुलना में हवाई अड्डे पर कम प्रशंसक थे। भारतीय पैरालंपिक समिति (पीसीआई) और भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के अधिकारी और प्रशंसक खिलाड़ियो का स्वागत करने के लिए वहां मौजूद थे। सुमित, झाझरिया और डिस्कस थ्रो में रजत पदक जीतने वाले योगेश काथुनिया का आगमन लाउंज में पहुंचने पर मालाओं और गुलदस्ते के साथ स्वागत किया गया। सुमित ने भाला फेंक एफ 64 फाइनल में स्वर्ण पदक जीत कर नया विश्व रिकॉर्ड बनाया था। उन्होंने 2019 में 62.88 के अपने पुराने स्कोर में सुधार करते हुए 68.55 मीटर का स्कोर किया। पैरालंपिक खेलों दो बार के स्वर्ण पदक विजेता झाझरिया का तीसरा स्वर्ण जीतने का सपना अधूरा रह गया। हालांकि, भारतीय भाला फेंक खिलाड़ी झाझरिया ने एफ46 वर्ग में देश को रजत पदक दिलाया।

यूएस ओपन : जोकोविच ने तीसरे दौर में बनाई जगह

न्यूयॉर्क।

दुनिया के नंबर-1 टेनिस खिलाड़ी सर्बिया के नोवाक जोकोविच ने नीदरलैंड के तालोन ग्रिएक्सपूर को हराकर यहां जारी वर्ष के आखिरी ग्रैंड स्लैम यूएस ओपन के तीसरे दौर में जगह बना ली है। जोकोविच ने एक घंटे 39 मिनट तक चले मुकाबले में ग्रिएक्सपूर को 6-2, 6-3, 6-2 से हराया। जोकोविच ने मुकाबले में 32 विनर्स लगाए और 20 बेजां भूलें की। जोकोविच ने कहा, शानदार प्रदर्शन, पहले राउंड के मुकाबले से अच्छा किया। मैंने जिस तरह कोर्ट में प्रदर्शन किया उससे खुश हूं। मैंने अच्छे से सर्विस की और लय बरकरार रखी। जोकोविच का तीसरे दौर में सामना पूर्व नंबर-4 जापान के केई निशिकोरी से मुकाबला होगा जिन्होंने अमेरिका के मैकेंजी मैकडोनाल्ड को तीन घंटे 57 मिनट तक चले मुकाबले में 7-6(3), 6-3, 6-7(5), 2-6, 6-3 से हराया। निशिकोरी ने कहा, मुझे चुनौतियां पसंद है। वह टेनिस के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक हैं। वह ऐसे नहीं हैं जिनके खिलाफ मैं किसी भी वक्त खेलना पसंद करता हूं क्योंकि जोकोविच कड़े प्रतिद्वंद्वी हैं। लेकिन मैं अपना सर्वश्रेष्ठ दूंगा।

इस टीम को अगले स्तर पर ले जाने का लक्ष्य: पुरुष हॉकी कोच रीड

नई दिल्ली । भारतीय पुरुष हॉकी टीम के मुख्य कोच ग्राहम रीड ने ओलिम्पिक कांस्य पदक जीतने वाली टीम को आत्ममुग्धता से बचने की सलाह देते हुए कहा कि अगले छह महीने यह विश्लेषण करने और समझने में बीतेगा कि टीम अपने प्रदर्शन को अगले स्तर तक कैसे पहुंचा सकती है। भारतीय टीम ने पिछले महीने तोक्यो खेलों में ओलिम्पिक पदक के 41 साल के इंतजार को खत्म करते हुए कांस्य पदक जीता था। रीड ने कहा कि इस समय हम तीसरे (विश्व रैंकिंग) स्थान पर हैं, ऑस्ट्रेलिया और बेल्जियम लगातार खेल के उच्च स्तर पर रहे हैं। हमें उस स्तर तक पहुंचने में सक्षम होने की जरूरत है। इस टीम के लिए मेरा यही मेरा लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि हम अगले छह महीनों में केवल अपने नहीं, बल्कि विभिन्न टीमों के खेलों का विश्लेषण करेंगे। हम उस अगले स्तर तक पहुंचने के लिए जो भी जरूरी होगा उसकी एक योजना तैयार करेंगे। रीड ने कहा कि यह एक शानदार खिलाडियों का समूह है, और हम उन चीजों पर काम करेंगे जो हमें करने की जरूरत है। हमें सुधार करते रहना होगा और बेहतर होते रहना होगा। टीम इस बात को समझती है कि 41 साल बाद ओलंपिक में कांस्य पदक जीतना बड़ी उपलब्धि है लेकिन सुधार की बहुत अधिक संभावनाएं हैं.

पैरालंपिक (कैनोइंग स्प्रिंट) : फाइनल में आठवें स्थान पर रहीं प्राची, पदक से चूकीं

टोक्यो।

भारतीय पैरा कैनोइंग स्प्रिंटर प्राची यादव शुक्रवार को यहां चल रहे टोक्यो पैरालंपिक के वा सिंगल 200 मीटर वीएल 2 के फाइनल में आठवें स्थान में रहीं और पदक हासिल करने से चूक गईं। प्राची, जिन्होंने शुक्रवार को पहले सेमीफाइनल की दौड़ में तीसरा स्थान हासिल करके फाइनल के लिए क्वालीफाई किया था, उन्होंने फाइनल में 1:07.329 का समय तय किया पर ग्रेट ब्रिटेन की एम्मा विग्स से पीछे रहीं, जिन्होंने 200 मीटर का कोर्स 57.028 के समय में पूरा किया। ऑस्ट्रेलिया की सुसान सीपेल ने 1:01.481 का समय लेकर रजत और ग्रेट ब्रिटेन की जीनत चिपिंगटन ने 1:02.149 का समय लेकर कांस्य पदक हासिल किया। मध्य प्रदेश के भोपाल की 26 वर्षीय प्राची पोलियो से ग्रस्त हैं, जिसकी वजह से उनकी कमर के नीचे के हिस्से में लकवा मार चुका है और वह नाव को हिलाने के लिए अपने ऊपरी शरीर का उपयोग करती हैं। उन्होंने सेमीफाइनल में 1:07.397 का समय लेकर तीसरा स्थान हासिल किया और फाइनल में जगह बनाई थी। उन्हें सी फॉरेस्ट वाटरवे पर पांच नावों की दौड़ में ग्रेट ब्रिटेन की जीनत चिपिंगटन (1:01.167) और कनाडा की ब्रायना हेनेसी (1:06.316) के बाद तीसरा स्थान मिला था। हालांकि, प्राची अपने इस प्रदर्शन को फाइनल में दोहरा नहीं सकीं और आठवें स्थान पर रहकर सबसे आखिर में रहीं। प्राची ने 2018 में पैरा-तैराकी से कैनोइंग स्प्रिंट की ओर रुख किया और अपने कोच मयंक ठाकुर द्वारा डिजाइन की गई एक अस्थायी नाव पर खेल सीखा। वह भोपाल की एक झील में प्रशिक्षण लेती है। वह 2007 से पैरा-स्पोर्ट्स में है, जब से उन्होंने तैरना शुरू किया था।

यू.एस. ओपन : एश बार्टी , एंजेलिक कर्बर ने जीते अपने मुकाबले

न्यूयॉर्क । महिलाओं में शीर्ष रैंकिंग की खिलाड़ी एश बार्टी को जीत दर्ज करने में ज्यादा परेशानी नहीं हुई। जुलाई में विंबलडन सहित दो बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन बार्टी, तीन बार की ग्रैंड स्लैम विजेता एंजेलिक कर्बर, टोक्यो ओलिम्पिक की स्वर्ण पदक विजेता बेलिंडा बेनसिच, दो बार विंबलडन खिताब विजेता पेट्रा क्वितोवा और विश्व रैंकिंग में 14वें स्थान पर काबिज अनास्तासिया पावलुचेनकोवा, रैंकिंग में 17 स्थान पर काबिज मारिया सक्कारी, जेसिका पेगुला और एनेट कोंटावेइट जैसी अन्य वरीयता प्राप्त महिला खिलाड़ी तीसरे दौर में पहुंचने में सफल रहीं। दो सत्र पहले यहां की चैम्पियन बियांका आंद्रेस्कू ने लौरीन डेविस को 6-4, 6-4 से हराकर टूर्नामेंट (2019 और 2021) में लगातार नौवीं जीत दर्ज की। ओलिम्पिक स्वर्ण पदक विजेता और 2020 अमरीकी ओपन उपविजेता अलैक्जेंडर ज्वेरेव, 2021 विंबलडन के उपविजेता माटेओ बेरेटिनी, विश्व रैंकिंग के 17वें नंबर के खिलाड़ी गेल मोनफिल्स और अमरीका के 22वी वरीयता प्राप्त रेली ओपेल्का भी दूसरे दौर में जीत के साथ आगे बढ़ने में सफल रहे। इससे पहले टूर्नामेंट के चौथे दिन का खेल बारिश और तूफान से प्रभावित हुआ। इस वजह से मुकाबले अपने तय समय 11 बजे से शुरू नहीं हो सके और इसे दोपहर बाद से खेला गया।

एक साल में डीजल कीमत 35 रुपए बढ़ने से मछुआरों पर दो हजार करोड़ का बोझ: मोढवाडिया

अहमदाबाद । गुजरात कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अर्जुन मोढवाडिया का कहना है कि एक साल में प्रति लीटर डीजल रु. 35 महंगा होने से राज्य के मछुआरों पर रु. 2000 करोड़ का बोझ पड़ा है। एक ओर डीजल महंगा हो गया और दूसरी ओर भाजपा सरकार ने मछुआरों की सहायता की सभी योजनाएं बंद कर मत्स्योद्योग को बड़ा झटका दिया है। पिछले एक साल में प्रति लीटरडीजल में 35 रुपए की वृद्धि हुई है। 1 छोटी फिशिंग बोट में एक सीजन में कम से कम 3500 लीटर पेट्रोल/केरोसिन और बड़ी बोट में 36000 लीटर डीजल की खपत होती है। गुजरात में 25000 से ज्यादा छोटी-बड़ी फिशिंग बोट कार्यरत है और एक सीजन में 54 करोड़ लीटर डीजल की खपत है। डीजल महंगा होने से मछुआरों पर रु. 2000 करोड़ का बोझ पड़ा है। उन्होंने कहा कि डीजल महंगा होने से एक बोट पर एक राउंड के लिए करीब चार लाख रुपए खर्च होते हैं, जो पिछले साल के मुकाबले दोगुना है। जबकि समुद्री उत्पादन की कीमत में कोई वृद्धि नहीं हुई। जिसकी वजह से मछुआरों पर बड़ा आर्थिक बोझ पड़ा है। सरकार की उपेक्षा के कारण मछुआरे अपना मच्छीमारी का व्यवसाय छोड़ने को मजबूर हैं। इसका अनुमान इसी बात से लगाया जा सकता है कि जारी वर्ष में गुजरात से केवल 2.79 मिलियन टन ही समुद्री उत्पादनों का निर्यात किया गया है, जो पिछले तीन साल में सबसे कम है।

मोढवाडिया ने कहा कि मौजूदा भाजपा सरकार की नीति के कारण खासकर छोटे मछुआरों की कमर टूट गई है। भाजपा सरकार ने मछुआरों को दिए जाने वाले लाभ भी बंद कर दिए हैं। कांग्रेस सरकार के दौरान मछुआरों को रु. 2 से रु. 18 तक प्रति लीटर केरोसिन दिया जाता था और आज केरोसिन की बाजार कीमत रु. 100 प्रति लीटर पहुंच गई है। जिस पर प्रति लीटर रु. 25 की सब्सिडी दी जाती है, लेकिन मछुआरों को पेट्रोल का उपयोग अधिक अनुकूल लगता है। पर्यावरण और बोट के इंजन की तंदुरस्ती के लिए पेट्रोल ज्यादा अनुकूल है। अर्जुन मोढवाडिया ने कहा कि भाजपा सरकार ने जेतपुर के कारखानों का कैमिकलयुक्त गंदगी समुद्र में डालने की योजना तैयार की है। यदि ऐसा होता है तो समुद्र आधारित रोजगार प्राप्त करने वाले लोग बर्बाद हो जाएंगे। गुजरात को करोड़ों की विदेशी आय कमाकर देने वाला मत्स्योद्योग ठप हो जाएगा।

६ करोड़ की कोकीन के साथ पकड़ा गया ड्रग्स पैडलर

अहमदाबाद । गुजरात में नशे का काला कारोबार दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा है । नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने आज अहमदाबाद हवाईअड्डे से छह करोड़ कोकीन के साथ एक अफ्रीकी नागरिक को गिरफ्तार किया है । मिल रही जानकारी के अनुसार दुबई से आने वाले एक यात्री के पास से ६ करोड़ रुपये की कोकीन जब्त की गई है । इसके साथ ही एनसीबी ने अफ्रीकी ड्रग्स पैडलर को गिरफ्तार भी कर लिया है । मिल रही जानकारी के अनुसार अफ्रीकी ड्रग्स पैडलर के पास से एनसीबी ने करीब २ किलो कोकीन जब्त की है । जिसकी कीमत ६ करोड़ रुपया बताई जा रही है । अफ्रीकी नागरिक दुबई से भारी मात्रा में कोकीन ड्रग्स लेकर अहमदाबाद में आया था । एनसीबी फिलहाल उस दिशा में जांच कर रही है कि इतनी भारी मात्रा में कोकीन कहां पहुंचाई जानी थी और इस पैडलर के संपर्क में कौन-कौन था । इससे पहले भी एनसीबी ने अहमदाबाद एयरपोर्ट से एक विदेशी नागरिक को ४ ।२ किलो कोकीन के साथ गिरफ्तार किया था । इस कोकीन की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में १ करोड़ रुपया थी । एक बार फिर से एनसीबी ने बड़ी कार्वाई करते हुए अब ६ करोड़ रुपये की कोकीन के साथ एक अफ्रीकी नागरिक को गिरफ्तार किया है । उल्लेखनीय है कि समय-समय पर गुजरात के सीमावर्ती क्षेत्रों से या फिर समुद्र के रास्ते अवैध मादक द्रव्यों की तस्करी का मामला सामने आते रहते हैं । एनसीबी के हाथों आज लगने वाली कामयाबी के बाद साफ हो गया है कि देश-विदेश में नशा का काला कारोबार जमकर चल रहा है । इतना ही नहीं आरोपी से पूछताछ के बाद कई चौंकाने वाले खुलासे की उम्मीद जताई जा रही है ।

इम्युनिटी बूस्टर बनाकर बेच रहा था झोला छाप डॉक्टर

राजकोट । राजकोट की स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसजीओ) पुलिस ने एक सनसनीखेज मामले का खुलासा किया है। शहर की श्रमजीवी सोसायटी में स्थित एक फर्जी आयुर्वेदिक डॉक्टर के मेडिकल से जहरीला इम्युनिटी बूस्टर का जत्था बरामद किया गया है। वहीं, सनसनीखेज खुलासा तो इस बात का हुआ है कि परेश पटेल नाम का यह झोला छाप डॉक्टर इम्युनि़टी बूस्टर बनाने के लिए एक्सपायरी दवाएं, एक्सपायरी कफ सिरप और च्यवनप्राश के मिक्चर से तैयार करता था। इस बूस्टर को वह मधुमेहनाशक दवा के नाम से बेच रह था। पुलिस ने डॉक्टर के तीन मेडिकल और गोडाउन पर छापा मारा तो पाया कि वहां बड़ी संख्या में ड्रमों में यह पेस्ट भरा हुआ था। इसके साथ ही गोडाउन से एक्सपायरी दवाओं का जत्था, एक्सपायर हो चुकीं कफ सिरप की ढेरों बोतलें और च्यवनप्राश भी बरामद किया है। एक्सपायरी दवाओं में किडनी की समस्या से जुड़ी कई दवाएं और विटामिन सी की दवाएं भी बरामद की गई हैं। खबर लिखे जाने तक छापे की कार्रवाई जारी थी। इसकी भी जांच की जा रही है कि अब तक कितनी दवाएं और किन-किन शहरों में बेची जा चुकी हैं। फूड एंड ड्रग डिपार्टमेंट के अधिकारी एसएस व्यास ने बताया कि हमें सूचना मिली थी कि इम्युनिटी बूस्टर के नाम पर फर्जी आयुर्वेदिक दवा बेची जा रही है। इसके बाद परेश के क्लीनिक पर छापा मारा गया तो उसके फर्जी आयुर्वेदिक डॉक्टर होने का पता चला। इसके बाद उसके गोडाउन पर छापा मारकर भारी मात्रा में एक्सपायरी दवाएं जब्त की गई हैं। परेश द्वारा तैयार किए गए इम्युनिटी बूस्टर के नमूने जांच के लिए भेजे गए हैं। परेश पटेल के खिलाफ ईपीसी की धारा ४१ (डी) के तहत मामला दर्ज किया है। फर्जी आयुर्वेदिक डॉक्टर

परेश रावल का फर्जीवाड़ा सामने आने के बाद फिर से सवाल यही उठने लगे हैं कि स्वास्थ्य विभाग इसे लेकर सख्त क्यों नहीं है। क्योंकि, आयुर्वेद की चार किताबें पढ़कर कई लोग घरों में ही दवाईयां तैयार कर बेचना शुरू कर देते हैं। गांवों में तो यह आम बात है। सरकार के स्वास्थ्य विभाग को ऐसे लोगों की जांच कर आयुर्वेद के कानून के तहत कार्रवाई करनी चाहिए। साथ ही स्वास्थ्य विभाग के कानून में संशोधन की जरूरत है, जिससे ऐसे लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा सके।

सखिया स्किन क्लिनिक के माध्यम से सूरत में बने सखिया त्वचा अकादमी का उद्घाटन मंत्री (स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग) किशोरभाई कनाणी ने किया

सूरत। सखिया स्किन एकेडमी सूरत में आज प्रसिद्ध सखिया स्किन क्लिनिक का उद्घाटन मंत्री (स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग) किशोरभाई कनाणी के हाथों से किया गया।

सखिया स्किन क्लिनिक डॉ. जगदीश सखिया के अनुसार भारत सरकार द्वारा शुरू किए गए स्किल इंडिया अभियान के तहत सखिया स्किन एकेडमी की स्थापना की गई है। जिसमें 10 पास छात्र भी इस कोर्स में शामिल हो सकते हैं और त्वचा क्लिनिक या कॉस्मेटोलॉजी क्लिनिक में चिकित्सक के रूप में काम कर सकते हैं। छात्रों के लिए इसे नवीनतम करियर विकल्प बनाने के लिए सखिया स्किन एकेडमी कॉस्मेटोलॉजी में एक कोर्स की पेशकश करेगी। डिप्लोमा इन एडवांस और मास्टर इन स्किन, हेयर एंड लीजर एस्थेटिक्स पढ़ाया जाएगा। भारत में 1200 त्वचा विशेषज्ञों के बीच ऐसा एक भी प्रशिक्षण संस्थान नहीं है। तो सखिया स्किन एकेडमी इस अंतर पूर्व के लिए अग्रणी के रूप में काम करेगी। इस थके हुए भारत में 1 लाख से ज्यादा नौकरियां पैदा करने का लक्ष्य है।

ये सभी कोर्स स्किन थेरेपिस्ट और डर्मेटोलॉजी असिस्टेंट के लिए हैं और भविष्य में सखिया स्किन क्लिनिक में शामिल होने के लिए इस सर्टिफिकेट की आवश्यकता होगी। इस तरह के पाठ्यक्रम दुनिया भर के विकासशील देशों में पाए जाते हैं। भारत में सखिया स्किन क्लिनिक इस तरह के पाठ्यक्रम पेश करने में अग्रणी है।

इस तरह के पाठ्यक्रम अभी तक कहीं नहीं पढ़ाए जाते हैं और निकट भविष्य में कॉस्मेटोलॉजी को एक आकर्षक करियर बनाने के उद्देश्य से ऐसे पाठ्यक्रमों को पढ़ाने के लिए सखिया स्किन अकादमी की स्थापना की गई है। यह कोर्स प्रैक्टिकल पर ज्यादा फोकस करेगा। पास होने वाले छात्रों को स्किल इंडिया सर्टिफिकेट भी दिया जाएगा।

कार का शीशा काला हुआ तो पुलिस करेगी कार्रवाई

सूरत । डायमंड सिटी सूरत में कार का शीशा काला होने पर पुलिस कार्रवाई करेगी । सूरत पुलिस द्वारा तीन दिनों तक विशेष अभियान चलाया जाएगा । पुलिस को व्यक्तिगत कार्रवाई करने का आदेश दिया गया है । ब्लैक फिल्म का दुरूपयोग होने के कारण पुलिस ने ऑपरेशन शुरू किया है। इन दिनों चार पहिया वाहनों के शीशे पर काली फिल्म लगाने का ट्रेंड शुरू हो गया है । जिसका अपराधियों द्वारा दुरुपयोग किए जाने की संभावना है । काली फिल्म के मामले

में सूरत पुलिस की ओर से आज से ५ सितंबर तक तीन दिवसीय विशेष अभियान चलाया जाएगा ।

इस ड्राइव में यातायात शाखा एवं थाने के अधिकारियों से अनुरोध किया गया है कि इस अभियान में व्यक्तिगत रूचि लेकर प्रभावी एवं परिणामोन्मुखी कार्य करें । किए गए कार्यों की दैनिक रिपोर्ट पुलिस प्रशासन को यातायात शाखा को भेजने का निर्देश दिया गया है । यातायात शाखा से अनुरोध है कि अभियान के दौरान ६ सितंबर को प्रात: १० बजे कार्यालय को अपनी स्पष्ट राय के साथ एक संयुक्त रिपोर्ट भेजें ।

दो फुट की गणेश प्रतिमाएं ही ३.५०० रुपए तक में बिक रहीं

सूखी घास के लिए ७०० की बजाय १३००, १० किलो की मिट्टी के लिए १४० की जगह १७० रुपए चुकाने पड़ रहे हैं

अहमदाबाद । गणेशोत्सव के पर्व में अब चंद दिन बचे हैं। ऐसे में शहर के गणेश भक्तों ने रंगारंग उत्सव की तैयारी शुरू कर दी है । लेकिन, की कारणों से इस बार गणेश उत्सव पर भक्तिमहंगी है । क्योंकि मूर्तियों पर २५ से ३० फीसदी ज्यादा खर्च करना पड़ रहा है । दो फुट की श्रीजी प्रतिमा की कीमत लगभग ३,५०० रुपए तक है। इसको लेकर लोगों में नाराजगी है कि फायदे के लिए श्रीजी की प्रतिमाओं के मनमाने दाम वसूले जा रहे हैं। बता दें, हालांकि सार्वजनिक आयोजनों को लेकर सरकार ने रोक लगा दी है। फिर भी पिछले साल की तुलना में राहत मिलने से लोगों में खुशी का माहौल है। सरकार ने ४ फीट तक की गणेश प्रतिमा स्थापना करने की अनुमति दी है । इसके चलते अंतिम समय में श्रमिकों की व्यवस्था करनी पड़ी। मूर्तिकार और श्रमिक प्रतिमाएं बनाने में जुटे हैं। वहीं, कोरोना के कारण इस बार श्रमिकों को दोगुना वेतन भी देना पड़ रहा है। क्योंकि, मूर्ति बनाने वाले ज्यादातर श्रमिक पश्चिम बंगाल के हैं, जिन्हें स्पेशल टिकट देकर बुलाया गया है। इसके अलावा मूर्ति बनाने में लगने वाली सामग्रियां भी महंगी हो गई हैं। कोरोना के कारण श्रमिक आने से कतरा रहे हैं । जिन श्रमिकों को प्रतिमाह १० हजार देते थे, उन्हें २० हजार रुपए तक देने पड़ रहे हैं। सूखी घास के लिए ७०० की बजाय १३००, १० किलो की मिट्टी के लिए १४० की जगह १७० रुपए चुकाने पड़ रहे हैं । गोडाउन का किराया भी डेढ़ गुना बढ़ गया है । बांस की कीमत भी १० प्रतिशत बढ़ी है। मूर्तिकार कापुस पाल ने बताया कि सिर्फ चार फूट तक की प्रतिमाएं बनाने से मूर्तिकारों को नुकसान होगा । भक्त कम कीमत पर मूर्तियां चाहते हैं, लेकिन हमारी मजबूरी है कि कम कीमत पर नहीं दे सकते। मिट्टी, बांस, कलर केमिकल, श्रमिकों का खर्च बढ़ चुका है। इससे पहले की अपेक्षा गणेश प्रतिमा की कीमत २५% तक ज्यादा होगी । बता दें कि हर साल महाराष्ट्र और बंगाल सहित अन्य राज्यों से बड़ी संख्या में मूर्तिकार सूरत आते हैं । हाल ही में प्लास्टर ऑफ पेरिस की मूर्तियों को लेकर लोगों में दिख रहे विरोध के कारण मिट्टी की मूर्तियों की अच्छी

खासी मांग देखी जा रही है। कोरोना के कारण पिछले साल गणेशोत्सव उत्सव में मात्र दो फुट की मिट्टी की प्रतिमाएं स्थापित करने के आदेश से त्यौहार का मजा किरकिरा हो गया था । पिछले साल की तुलना में कोरोना प्रतिबंधों में ढील दिए जाने के कारण भक्तइस वर्ष पर्व के रंगारंग उत्सव को लेकर रोमांचित थे। हालांकि बमरोली रोड, लाल दरवाजा, वेडरोड, अदजान सहित क्षेत्र में वर्तमान में कार्यरत मूर्तिकारों के मंडपों में प्रतिमा की कीमत सुनकर श्रद्धालुओं की चिंता बढ़ गई है। आमतौर पर गणेश उत्सव के लिए पश्चिम बंगाल के मूर्तिकार सूरत में साढे चार महीने पहले से ही आकर तैयारी करने लगते हैं। इस साल भी पहले से तैयारी करने का ज्यादा मौका नहीं मिला। अंतिम समय में तैयारी करनी पड़ रही है, इसलिए सबकुछ दो से तीन गुना महंगा पड़ रहा है।

नाबालिग बेटे ने पिता की गला दबाकर कर दी हत्या

मृतक अर्जुन सरकार की पत्नी डॉली के इस दलील से अस्पताल के डॉक्टरों को शक हुआ उसके बाद शव का पोस्टमार्टम करने का फैसला किया

सूरत । मोबाइल हमारी जिंदगी का अहम हिस्सा बन गया है लेकिन इस मोबाइल की वजह से लोगों की जिंदगी बर्बाद हो रही है । ऐसा ही एक वाकया सूरत में हुआ है, जहां एक पिता ने अपने नाबालिग बेटे को मोबाइल में गेम खेलने से रोका तो नाराज होकर बेटे ने गला दबाकर अपने पिता को मौत के घाट उतार दिया । घटना सूरत शहर के इच्छापोर थाना क्षेत्र के कवास गांव निवासी अर्जुन अरुण सरकार के साथ हुई । अर्जुन सरकार यहां अपनी पत्नी और एक बेटे के साथ एक मकान में रहते थे । अर्जुन अरुण को उसकी पत्नी डॉली को बेहोशी के हालत में सूरत के नए सिविल अस्पताल में लेकर पहुंची था । जहां डॉक्टरों ने अर्जुन को मृत घोषित कर दिया । पत्नी डॉली और उसके नाबालिग बेटे ने उस वक्त अस्पताल के डॉक्टर को बताया कि आठ दिन पहले अर्जुन बाथरूम में गिरकर घायल हो गए थे । मंगलवार को वह सो गए थे लेकिन फिर सुबह उठे ही नहीं । मृतक अर्जुन सरकार की पत्नी डॉली के इस दलील से अस्पताल के डॉक्टरों को शक हुआ उसके बाद शव का पोस्टमार्टम करने का फैसला किया । पोस्टमार्टम रिपोर्ट से पता चला है कि अर्जुन की मौत गला घोंटने से हुई है । जिसके बाद घटना की सूचना पुलिस को दी गई । पूछताछ में १७ वर्षीय बेटे ने पुलिस को बताया कि वह दिन भर अपने मोबाइल

पर गेम खेलता था, जिसे लेकर उसके पिता अर्जुन सरकार उसे फटकार लगाते रहते थे । मंगलवार को उसने अपने सो रहे पिता की गला दबाकर हत्या कर दी । पुलिस ने मृतक अर्जुन सरकार की पत्नी डॉली और उनके नाबालिग बेटे को गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है ।

युवती के साथ तीन लोगों ने बलात्कार किया था और ब्लैकमेल करने की धमकी दे रहे थे

कुछ दिन पहले बनासकांठा जिले के पांथवाड़ा में एक युवती द्वारा की गई आत्महत्या के मामले में आज एक नया मोड़ आ गया है

बनासकांठा । बनासकांठा जिले के पांथवाड़ा में एक युवती की आत्महत्या के मामले में एक नया खुलासा हुआ है । युवती के साथ तीन लोगों ने बलात्कार किया था और ब्लैकमेल करने की धमकी दे रहे थे । जिससे युवती ने आत्महत्या कर ली । अंतिम संस्कार के बाद युवती का मोबाइल चेक करने पर एक रिकॉर्डिंग पोल खोल दी है । जिसके बाद अब युवती के शव को फिर से निकालकर पोस्टमॉर्टम किया जाएगा । कुछ दिन पहले बनासकांठा जिले के पांथवाड़ा में एक युवती द्वारा की गई आत्महत्या के मामले में आज एक नया मोड़ आ गया है । तीन लोगों द्वारा सामूहिक दुष्कर्म के बाद किशोरी ने आत्महत्या कर ली । उस वक्त पुलिस ने जांच किया था लेकिन लड़की की आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चल सका था । लेकिन लड़की की अंतिम संस्कार के बाद पुलिस के हाथों एक कॉल रिकॉर्डिंग मिली जिसमें वह अपने एक दोस्त से तीन लोगों द्वारा किए गए गैंगरेप के बारे में बात कर रही है । जिसकी वजह से मजबूर होकर वह यह कदम उठा रही है । पुलिस

को मिली रिकॉर्डिंग में तीन युवकों ने युवती के साथ दुष्कर्म किया और उसे ब्लैकमेल करने की धमकी दी । आत्महत्या मामले में नया खुलासा होने के बाद अब युवती के शव आज निकाला जाएगा । फिलहाल पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ बलात्कार, मानसिक प्रताड़ना और ब्लैकमेल करने का मामला दर्ज कर आगे की जांच कर रही है ।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)